भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का 11वें दिन भी जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी है। इसी बीच वहां तीन दिनों से भूख हड़ताल कर रहे लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की मंगलवार को तबीयत बिगड़ गई। आंदोलन के आयोजकों ने बताया कि वांगचुक का ब्लड शुगर स्तर घटकर 66 पर पहुंच गया है, जो सामान्य से कम माना जाता है। वांगचुक 28 जून से भूख हड़ताल कर रहे हैं। वह शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वहीं सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

बंगाल में पेट्रोकेमिकल्स की पाइपलाइन में आग, 17 झुलसे

हल्दिया, 30 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हल्दिया में सोमवार देर रात 2:45 बजे नेफ्था सप्लाई करने वाली पाइपलाइन में ब्लास्ट के बाद आग गई। इसकी चपेट में हल्दिया नगर पालिका के वार्ड-13 के चिरंजीबपुर इलाके के कई घर आ गए। घटना में 17 लोग झुलस गए।

पुलिस के मुताबिक, सभी पीड़ितों को हल्दिया सब-डिविजनल अस्पताल में एडमिट कराया गया। 5 को तमलुक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर किया गया। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर है। आग बुझाने में 12 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां जुटी हुई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि आग सबसे पहले हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स की नेफ्था पाइपलाइन में दिखी।

वर्ष-31 अंक : 90 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.1 2083 बुधवार, 1 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

एथेनॉल सप्लाई विवाद में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, ई20 नीति लागू रहेगी

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एथेनॉल सप्लाई मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए पुरानी सप्लाई व्यवस्था को ही लागू रखने का आदेश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने फैसले में कहा कि सरकार के पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल वाली (ई20) नीति में बदलाव नहीं होगा। सरकार की इस योजना का असर अगले साल तक और साफ हो जाएगा। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के उस फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है। जिसमें तेल कंपनियों को निजी डिस्टिलरीज का एथेनॉल आवंटन बढ़ाने पर फिर से विचार करने को कहा गया था। जस्टिस एम एम सुंदरश और जस्टिस शील नागू की बेंच ने फैसला सुनाया है।

क्या है एथेनॉल सप्लाई का विवाद :
दरअसल, एथेनॉल सप्लाई का यह विवाद एक कंपनी की याचिका से जुड़ा है। कंपनी ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका लगाते हुए दलील दी थी कि उसका एथेनॉल बनाने का प्लांट है। जिसकी सलाना उत्पादन क्षमता करीब 9.90 करोड़ लीटर है। लेकिन उसे केवल 3.92 करोड़ लीटर का आवंटन किया गया है। जबकि उसने 9.26 करोड़ लीटर की बोली लगाई थी। जिस पर सरकार ने यह कहा था कि किसी कंपनी को पहले ज्यादा आवंटन मिला तो इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि कंपनी को हर बार उतनी ही मात्रा में आवंटन मिलेगा। क्योंकि अगर मांग मान ली गई तो सरकार की पूरी नीति बदल जाएगी। जिस पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा था कि कंपनी को पहले की आवंटन नीति और समझौते के आधार पर यह उम्मीद थी कि उसे पहले की तरह ही एथेनॉल का आवंटन होगा। इसलिए सरकार को अपने आवेदन पर विचार करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला :
कर्नाटक हाईकोर्ट के इस फैसले पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुनवाई के दौरान भारत पेट्रोलियम की तरफ ससे पेश अटार्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने दलील दी कि कर्नाटक हाईकोर्ट का आदेश एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (20 प्रतिशथ ब्लेंडिंग) की राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि इस तरह के और कई मामले देश के अलग-अलग हाईकोर्ट में चल रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले पर फिलहाल अंतरिम रोक लगा दी है। हालांकि इस मामले में आगे सुनवाई जारी रहेगी।

बता दें कि भारत सरकार ने एथेनॉल की ई-20 नीति लागू की है। यह एक राष्ट्रीय योजना। जिसमें पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पारंपरिक पेट्रोल यानि गैसोलीन मिलाकर वाहनों के ईंधन के रूप में बेचा जा रहा है। 1 अप्रैल 2026 से पूरे देश के पेट्रोल पंपों पर ई-20 नीति के तहत ईंधन बेचना अनिवार्य कर दिया गया। 24 जून को पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से भी इस पर बयान आया था। जिसमें कहा गया था कि ई20 पूरी तरह सुरक्षित है। अटॉर्नी जनरल ने सुनवाई में यह भी बताया कि एथेनॉल सप्लाई के समझौते अक्टूबर 2025 में ही हो चुके हैं।

'भारत दुनिया का इकलौता देश जो देता है चीन को टक्कर' : अमेरिका ने मान लिया लोहा

वॉशिंगटन, 30 जून (एजेंसियां)। अब अमेरिका ने भी भारत की पावर का लोहा मान लिया है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता की तारीफ करते हुए अमेरिकी विदेश विभाग में आर्थिक विकास के अंडर सेक्रेटरी जैकब हेलबर्ग ने कहा है कि भारत दुनिया का 'इकलौता ऐसा देश है जो असल में चीन को टक्कर देता है'। खासकर अपनी वर्कफोर्स और टैलेंट पूल की गहराई के मामले में। जैकब हेलबर्ग ने ये बातें वॉशिंगटन में नौवें यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम लीडरशिप समिट में मास्टरकार्ड के चीफ गवर्नमेंट अफेयर्स एंड पॉलिसी ऑफिसर टकर फूट के साथ बातचीत के दौरान कहीं।

चीन पर वैश्विक निर्भरता कम करने में भारत अहम पार्टनर :
आर्थिक विकास, ऊर्जा और पर्यावरण के लिए अमेरिकी अंडर सेक्रेटरी ऑफ स्टेट जैकब हेलबर्ग ने सुरक्षित टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम बनाने और चीन पर वैश्विक निर्भरता कम करने में भारत को एक अहम पार्टनर बताया। जैकब हेलबर्ग ने कहा कि मौजूदा ग्लोबल सप्लाई चेन का ढांचा इसी तरह नहीं चल सकता, क्योंकि यह भौगोलिक रूप से कुछ ही जगहों पर बहुत ज़्यादा फोकस है और इसमें रुकावट आने का ख़तरा बना रहता है।

उन्होंने कहा, आज जैसी सप्लाई चेन हैं, वे भौगोलिक और विषय के आधार पर कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा केंद्रित हैं। और उन्हें अलग-अलग जगहों पर फैलाने (डाइवर्सिफाई करने) की जरूरत है।

जैकब हेलबर्ग ने कहा, हमारे लिए भारत एक बेहद अहम पार्टनर है। उन्होंने बताया कि भारत पीएएक्स डिक्लेरेशन पर सबसे पहले साइन करने वाले देशों में से एक था और प्रशासन की टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिप्लोमेसी में भी उसने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि वे फरवरी में भारत के एआई इम्पैक्ट समिट के लिए भारत गए थे, जहां दोनों पक्षों ने भारत के शामिल होने का स्वागत किया और एआई के मौकों पर एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया।

पेट्रोल बेचने वाली कंपनियां तुरंत दाम घटाएं : ट्रम्प

कच्चा तेल सस्ता हो गया, फिर भी ग्राहकों से ज्यादा पैसे वसूले जा रहे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 30 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पेट्रोल बेचने वाली कंपनियों से तुरंत पेट्रोल के दाम घटाने को कहा है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि कच्चे तेल की कीमत घटकर 68 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, लेकिन इसका फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंच रहा।

उन्होंने कहा कि लोग अब भी जरूरत से ज्यादा कीमत चुका रहे हैं, जबकि तेल लगातार सस्ता हो रहा है। उन्होंने कंपनियों से पेट्रोल की कीमत करीब 2.50 डॉलर प्रति गैलन तक लाने की अपील की।

ट्रम्प ने कहा कि ग्राहकों से जरूरत से ज्यादा पैसे वसूलना गैरकानूनी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कंपनियों ने जल्द दाम नहीं घटाए तो उन्हें बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले ट्रम्प अमेरिकी न्याय विभाग को बड़ी तेल कंपनियों की जांच के आदेश भी दे चुके हैं। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में उछाल आया था। अब कच्चे तेल की कीमतें घट गई हैं, लेकिन पेट्रोल-डीजल अब भी महंगा बिक रहा है।

क्या अमरनाथ यात्रा में बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहा पाक?

खुफिया एजेंसियों का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। आगामी अमरनाथ यात्रा को लेकर भारतीय खुफिया एजेंसियों ने सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। एजेंसियों का कहना है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बिगड़ते हालात से ध्यान भटकाने के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अमरनाथ यात्रा के दौरान किसी बड़े आतंकी हमले को अंजाम देने की कोशिश कर सकती है। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने जा रही है।

खुफिया अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान के लिए इस समय पीओके, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान की स्थिति बड़ी चुनौती बनी हुई है। खासकर

पीओके में जारी विरोध प्रदर्शनों ने इस्लामाबाद की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

अधिकारियों का दावा है कि हाल ही में अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा किया गया हवाई हमला भी अंदरूनी दबाव से ध्यान भटकाने की कोशिश का हिस्सा था। इस हवाई हमले में 35 लोगों की मौत हुई।

भारतीय एजेंसियों के मुताबिक, इंटरसेप्ट किए गए कुछ इनपुट से संकेत मिले हैं कि पाकिस्तान भारत में भी आतंकी हमले की साजिश रच रहा है। इसके लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई जम्मू-कश्मीर के जंगलों में छिपे कुछ आतंकियों से संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रही है। एजेंसियों का मानना है कि इन्हीं आतंकियों के जरिए अमरनाथ यात्रा के दौरान आतंकी हमले की साजिश रची जा सकती है। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान, इन आतंकियों को पहलगाम जैसा बड़ा हमले करने के निर्देश देने की कोशिश कर रहा है।

'2024 में हराया फिर भी सबक नहीं सीखा'

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बीजेपी पर जमकर बरसी कांग्रेस

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के श्री राम मंदिर चढ़ावा चोरी से शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीजेपी जहां एक तरफ मामले में सफाई देने में लगी है, वहीं विपक्ष पीएम मोदी की नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार पर लगातार निशाना साध रहा है। इसी कड़ी में कांग्रेस ने एक बार फिर बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एआईसीसी की सोशल मीडिया चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि इन दिनों लोगों को व्हाट्सएप पर एक घुट्टी पिलाई जा रही है कि राम जी सब देख लेंगे। भगवान राम का मामला है खुद ही देख लेंगे, विपक्ष को क्या ज़रूरत है उठाने की। वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री ने कहा कि यह व्हाट्सएप फॉरवर्ड वैसे तो बीजेपी जो हिंदुओं में आक्रोश है, जो हिंदुओं में गुस्सा है उसको शांत करने के लिए भेज रही है। लेकिन यह सच है, एक ही सच वो बोल रहे हैं भगवान राम सब देख लेते हैं। भगवान राम ने देखा, आपको 2024 में अयोध्या नगरी हराया और आपको सबक सीखने का मौका दिया, आपने सबक नहीं सीखा। बीजेपी, आरएसएस, उनके एसोसिएटेड जो संगठन हैं, उन्होंने वही किया जो रावण ने किया था। उन्होंने प्रभु राम को कमजोर समझने की गलती करी, प्रभु राम ने आपको सबक़ सिखाया था। और मेरा यह मानना है कि चाहे वो योगी आदित्यनाथ हों, चाहे वो नरेंद्र मोदी हों, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री या देश के प्रधानमंत्री आप कितनी भी लीपा-पोती कर लीजिए, लूट में शामिल बड़े-बड़े मगरमच्छों को बचाने की कवायद करिए, खुद बचने की कवायद करिए, याद रखिएगा प्रभु राम अधर्मियों और अत्याचारियों का दमन जरूर करते हैं।

हमारा पानी रोका तो हाथ काट देंगे : पाकिस्तान

सिंधु जल संधि अब भी लागू, भारत इसे एकतरफा खत्म नहीं कर सकता

इस्लामाबाद, 30 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर एक बार फिर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो हम उन हाथों को काट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकना चाहता है।

मुसादिक मलिक ने सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री के हाथ में एक नल है। वे कहते हैं कि पाकिस्तान में पानी की एक बूंद भी नहीं जाने देंगे। जो हमारे हिस्से के पानी पर दावा करेंगे, उनके हाथ काट दिए जाएंगे। वहीं अताउल्लाह तरार ने कहा कि सिंधु जल संधि कानूनी रूप से अब भी लागू है। भारत इसे न तो एकतरफा स्थगित कर सकता है, न रद्द कर सकता है और न ही इसमें बदलाव कर सकता है।

सिंधु जल संधि पर सेमिनार करेगा पाकिस्तान :
पाकिस्तानी मंत्रियों ने बताया कि मंगलवार को इस्लामाबाद में सिंधु जल संधि पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार किया गया। इसमें कानूनी एक्सपर्ट, जल एक्सपर्ट्स और विदेशी प्रतिनिधि शामिल हुये। सेमिनार में संधि के कानूनी और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा हुई।

तरार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत पाकिस्तान के अधिकार सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पहले भी साफ कर चुके हैं कि पानी हमारी जीवनरेखा है और यह हमारी रेड लाइन भी है।

21 जून को पाक रक्षा मंत्री बोले थे- भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकते हैं :
पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 21 जून को सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है।

बंगाल से कश्मीर तक 1500किमी लंबी मानसून पट्टी बनी

इससे उत्तर भारत में 1 से 4 जुलाई तक भारी बारिश संभव, 26 राज्यों में मानसून पहुंचा

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। मानसून ने मंगलवार दोपहर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश में एंट्री कर ली है। देश में अब तक 26 राज्यों को कवर कर लिया है। इससे पहले 24 जून को मध्य प्रदेश-गुजरात में एंट्री ली थी। इसके बाद 6 दिन अटका रहा। इससे कई राज्यों में गर्मी और उमस बनी हुई है।

उधर, दिल्ली और उत्तर भारत के लिए राहत की खबर आ रही है। सैटेलाइट तस्वीरों में करीब 1,500 किमी लंबी मानसून ट्रफ (कम दबाव की लंबी पट्टी) बनती हुई दिखाई दी है। यह उत्तरी बंगाल की खाड़ी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, मॉनसून ट्रफ बन चुकी है, लेकिन फिलहाल यह हिमालय की तलहटी (फुटहिल्स) के करीब स्थित है। यह ट्रफ धीरे-धीरे दक्षिण की ओर अपनी सामान्य स्थिति में पहुंचेगी, उत्तर भारत में बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर 1 से 4 जुलाई के बीच भारी बारिश हो सकती है।

मॉनसून ट्रफ कम दवाब क्षेत्र की एक लंबी पट्टी होती है, जिसे दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की रीढ़ माना जाता है। यह ट्रफ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी से भरी हवाओं को भारत के अंदरूनी हिस्सों तक खींचकर लाती है। इसी वजह से देश के कई इलाकों में बारिश होती है।

अरुणाचल प्रदेश और असम के कई हिस्सों में लगातार बारिश की वजह से बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति बनी हुई है। अरुणाचल में बारिश से लेकू नदी उफान पर आ गई, जिससे असम के जोनाई इलाके में भीषण बाढ़ आ गई। नेशनल हाईवे-515 भी डूब गया।

सचिन अहीर के पलटी मारने से भड़के आदित्य ठाकरे

एकनाथ शिंदे बोले, छक्का मार दिया

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) को फिर बड़ा झटका लगा है। उद्धव सेना के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य सचिन अहीर ने औपचारिक रूप से एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दामन थाम लिया है। आदित्य ठाकरे के सबसे भरोसेमंद सहयोगी माने जाने वाले अहीर ने पाला बदलने के तुरंत बाद महाराष्ट्र विधान परिषद के उप-सभापति पद के लिए अपना नामांकन भी दाखिल किया।

इस कदम को महाराष्ट्र की राजनीति में 'ऑपरेशन टाइगर-3' के तौर पर देखा जा रहा है। शिंदे गुट का दावा है कि उद्धव खेमे के कई विधायक जल्द ही अलग हो जाएंगे।

सचिन अहीर न केवल शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता थे, बल्कि मुंबई में खासकर वर्ली विधानसभा क्षेत्र में उन्हें आदित्य ठाकरे का 'दायां हाथ' माना जाता था। 2019 में जब आदित्य ठाकरे ने अपना पहला चुनाव लड़ा, तो अहीर को शिवसेना में शामिल किया गया, जो कि उस समय एनसीपी में थे। उद्धव सेना में आने पर उन्हें वर्ली की पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई। आदित्य के सबसे करीबी सहयोगी और मुंबई के लिए अहम रणनीतिकार को अपने पाले में लाकर एकनाथ शिंदे ने मातोश्री की चुनावी रणनीति को तोड़ने की कोशिश की है। इस घटनाक्रम से आदित्य ठाकरे की राजनीतिक समझ पर भी सवाल उठते हैं और उद्धव ठाकरे के संगठन को मजबूत करने के हालिया दावों पर भी असर पड़ता है।

अहीर पर आदित्य ठाकरे का हमला :
अपने करीबी सहयोगी के पाला बदलने पर प्रतिक्रिया देते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि पार्टी ने अहीर को सब कुछ दिया, फिर भी उन्होंने पार्टी छोड़ दी, जो उनके सिद्धांतों की कमी को दिखाता है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि जीवन में कुछ सिद्धांत होने चाहिए। अगर पार्टी आपको सब कुछ देती है, तो मुश्किल समय में आपको भी पार्टी के साथ खड़ा होना चाहिए। गुस्से में ठाकरे ने कहा कि उन्हें मेरे पास लाओ और मैं उनसे पूछूंगा कि पार्टी ने उन्हें क्या नहीं दिया।

'हर साल 1100 बार चीन से होता है सामना'

जनरल द्विवेदी ने बताया कितनी बदली सैन्य रणनीति

नई दल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में तनाव के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हालात भले ही पहले से स्थिर हुए हों, लेकिन भारतीय सेना अभी भी पूरी तरह सतर्क है। निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने खुलासा किया है कि भारत और चीन की सेनाओं के बीच हर साल 1100 से अधिक जमीनी स्तर की बातचीत होती है, ताकि सीमा पर किसी भी तरह की गलतफहमी से बचा जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय सेना तेजी से अपनी सैन्य रणनीति बदल रही है और भविष्य के युद्धों के लिए खुद को तैयार कर रही है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए कहा कि एलएसी पर शांति बनाए रखने के लिए लगातार सतर्कता, मजबूत सैन्य तैयारी और बातचीत बेहद जरूरी है।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सेना की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया और कहा कि इस अभियान ने सेना की संयुक्त, एकीकृत और भविष्य के युद्धों के लिए तैयार क्षमता को साबित किया है। इसके साथ ही उन्होंने अग्निपथ योजना, आत्मनिर्भरता और सेना के आधुनिकीकरण पर भी विस्तार से अपनी बात रखी। जनरल द्विवेदी ने कहा कि 2024-25 के दौरान भारत और चीन के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर कई सकारात्मक घटनाक्रम हुए हैं। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच सीमा प्रबंधन, सैन्य वार्ता और संवाद की प्रक्रिया लगातार जारी है। कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली, सीमा व्यापार को दोबारा शुरू करने पर सहमति और सैन्य वार्ताओं की बढ़ती संख्या से संबंधों में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति लौटने के संकेत मिले हैं।

एसआईआर पर 23 विपक्षी दलों ने सीजेआई को लेटर लिखा

डीएमके ने भी दस्तखत किए, बोले- चुनाव आयोग की प्रकिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने मंगलवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) को लेटर लिखा।

डीएमके के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी है। एसआईआर का उद्देश्य मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है, जबकि लोकतंत्र का आधार सभी वयस्क नागरिकों को वोट का अधिकार देना है। लेटर पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) समेत 23 विपक्षी दलों और निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हस्ताक्षर किए हैं।

एसआईआर प्रक्रिया से विभिन्न राज्यों में लोगों पर प्रभाव पड़ा :
सूत्रों के मुताबिक, लेटर पर साइन करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, राजद नेता तेजस्वी यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वाम दलों के नेता शामिल हैं। लेटर में कहा गया है कि जब लोकतांत्रिक संस्थाएं अपेक्षित तरीके से काम नहीं करतीं, तब देश की जनता न्यायपालिका की ओर उम्मीद से देखती है। इसमें चुनाव आयोग की भूमिका और एसआईआर प्रक्रिया से विभिन्न राज्यों में लोगों पर पड़े प्रभाव की बात की गई।

कांग्रेस महासचिव बोले- विपक्ष एकजुट है :
कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि 8 जून को इंडिया ब्लॉक की बैठक में लेटर भेजने का फैसला लिया गया था। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल बीजेपी को फायदा पहुंचाने और चुनाव नतीजों को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से विपक्षी दलों ने सीजेआई को लेटर लिखकर चुनावी प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा की मांग की है। सागरिका ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि 23 विपक्षी दलों ने संयुक्त रूप से सीजेआई को लेटर लिखकर न्यायपालिका से अपील की है कि एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल बीजेपी के फायदे के लिए किस तरह किया जा रहा है, इसकी जांच की जाए।

एक टीनएजर लड़की के साथ यौन उत्पीड़न करने के आरोप में दो भाइयों पर केस दर्ज

विशाखापत्तनम, 30 जून (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर कलिंगनगर ईस्ट पार्क इलाके में 18 साल की युवती के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न और ऑनलाइन पीछा (स्टॉकिंग) करने के आरोप में दो भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़िता के अनुसार, मुख्य आरोपी के। ऋषि कुछ समय से उसे परेशान कर रहा था। जब उसने और उसके परिवार ने उसका सामना किया, तो उसने अपने भाई के। वेंकटेश के साथ मिलकर कथित तौर पर बाहरी लोगों को बुलाकर परिवार को डराया-धमकाया और अंजाम भुगतने की धमकी दी।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे परेशान करने और उसकी बदनामी करने के लिए फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाए। बाद में पीड़िता के परिवार ने मदद के लिए दलित सेवा सेना नाम के सामाजिक संगठन से संपर्क किया। संगठन के नेताओं ने एयरपोर्ट ज़ोन के सीआई शंकर नारायण और सब-इंस्पेक्टर रामकृष्ण से बातचीत की। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

अरविंद केजरीवाल को झटका

गुजरात आप के सोशल मीडिया पेज सस्पेंड मामले में एससी ने जल्द सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के गुजरात इकाई के फेसबुक और इंस्टाग्राम हैंडल को सस्पेंड किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया है। जस्टिस एम एम सुंदरेश की बेंच ने कहा कि इस मामले को चीफ जस्टिस की बेंच सुनेगी। सीजेआई ने ही मई मे इस याचिका पर नोटिस जारी किया था। आम आदमी पार्टी की गुजरात इकाई के फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट अप्रैल 2026 के अंतिम सप्ताह में भारत में ब्लॉक कर दिए गए थे। मेटा ने सरकार के कानूनी नोटिस और आईटी एक्ट की धारा 79(3)(बी) का हवाला देते हुए यह कार्रवाई की थी।

आप पार्टी ने इन अकाउंट्स को बंद करने के फैसले को असंवैधानिक और मनमाना बताते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार और मेटा को

अरविंद केजरीवाल

नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया हैंडल को सस्पेंड करने को लेकर बीजेपी पर आरोप लगाए हैं। गुजरात में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी ने एक्स पर एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया था। साथ ही पेज सस्पेंड करने की टाइमिंग को लेकर भी सवाल खड़े किए थे। दरअसल, अकाउंट पर एक्शन तब हुआ, जब नगर निगम चुनाव प्रचार की तैयारियां चल रही थीं।

गुजरात आप के सोशल मीडिया पेज सस्पेंड, अरविंद केजरीवाल बोले- बीजेपी इतना क्यों डरी हुई है? गढ़वी ने कहा, 'जो आम आदमी घर पर बैठा है वो शायद सड़क पर नहीं आ सकता है या आप के कार्यकर्ताओं के साथ नहीं आ सकता है, वो घर बैठे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकार की नीतियों के खिलाफ इंटरेक्शन कर रहा था, लेकिन बीजेपी इतनी डरी कि उसने जैसे तैसे आप के एफबी और इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड करवा दिया।' आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रीट्वीट कर सवाल किया कि आखिर बीजेपी आप से इतनी क्यों डरी हुई है। केजरीवाल ने लिखा, 'गुजरात में आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया एफबी और इंस्टा पेज ब्लॉक किए गए। आखिकर क्यों? बीजेपी इतना क्यों डरी हुई है?'

टीटीडी में लगातार तीन दिनों तक 90,000 श्रद्धालुओं के आने का रिकॉर्ड बना

तिरुपति, 30 जून (एजेंसियां)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने गर्मियों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को सफलतापूर्वक संभाला है। लगातार तीन दिनों तक दर्शन करने वालों की संख्या 90,000 प्रतिदिन से ज़्यादा रही। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी और यह संख्या 91,793 तक पहुँच गई। 6 बजे तक 61,700 श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। वीआईपी दर्शन के बजाय आम श्रद्धालुओं को प्राथमिकता देकर वीकेंड की भीड़ को कम किया गया। एडिशनल ईओ सीएच वेंकैया चौधरी ने इसके लिए बेहतर तालमेल, कतारों के अच्छे प्रबंधन और एआई-आधारित इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) को श्रेय दिया, जिससे भीड़ पर रियल-टाइम नज़र रखी जा सकी।

उन्होंने सीवीएसओ मुरली कृष्णा और एसपी सुब्बा रायडु के सहयोग को भी सराहा, जिनकी टीमों ने समय पर कदम उठाकर भीड़ को संभालने में मदद की। टीटीडी ने 29 कतार ब्लॉक बनाए, चौबीसों घंटे भोजन वितरण केंद्र खोले, और इंतज़ार कर रहे श्रद्धालुओं के लिए मोबाइल डिस्पेंसरी, पंडाल और नारायणगिरि शेड की व्यवस्था की। लगातार अन्नप्रसादम, पेय पदार्थ और मुफ़्त चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। रोज़ाना लड्डू की बिक्री 4.2 से 4.6 लाख के बीच रही, जबकि 30,000 से 49,000 श्रद्धालुओं ने बाल दान (टॉन्सुर) की रस्म पूरी की। सर्व दर्शन वाले श्रद्धालुओं को 18 से 24 घंटे तक इंतज़ार करना पड़ा क्योंकि कतारें शिला तोरणम तक लंबी हो गई थीं। भारी भीड़ के बावजूद, वीआईपी दर्शन पर सख़्त पाबंदियों के कारण आम श्रद्धालुओं को प्राथमिकता दी गई।

टीईटी पेपर लीक मामले में पटना से सुमन कुमारी गिरफ्तार

फरार मास्टरमाइंड बिजेंद्र की है पत्नी

ठाणे, 30 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक मामले में ठाणे पुलिस को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने आरोपी बिजेंद्र कुमार गुप्ता की पत्नी सुमन कुमारी को पटना से गिरफ्तार किया है। जांच में इस मामले का बिहार कनेक्शन सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, समस्तीपुर निवासी बिजेंद्र कुमार गुप्ता इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड है। हालांकि, वह अभी भी फरार है। इस मामले का एक और मुख्य आरोपी हरियाणा का है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर भिवंडी में छापेमारी की थी, जहां से तीन लोगों को हिरासत में लिया गया था। उनके पास से प्रश्नपत्रों के कई सेट बरामद हुए, जिनकी जांच करने पर पेपर लीक होने की पुष्टि हुई। इसके बाद 28 जून को होने वाली टीईटी परीक्षा को स्थगित कर दिया गया। सरकारी

आरोपी सुमन कुमारी

वकील एडवोकेट मारिया अंसारी ने बताया कि कोर्ट ने जांच टीम को 6 जुलाई तक का समय दिया है। तब तक महाराष्ट्र के मुख्य आरोपी को भी अदालत में पेश किया जाएगा। इस गंभीर मामले को देखते हुए प्रशासन सख्त रुख अपना रहा है। अधिकारियों के अनुसार, पेपर लीक करने वाले इस संगठित गिरोह के मास्टरमाइंड्स के खिलाफ महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) के तहत कड़ी कार्रवाई करने का प्रस्ताव दिया गया है।

पुलिस का दावा है कि बिजेंद्र लंबे समय से पेपर लीक गिरोह से जुड़ा है। उसका नाम पहले भी कई भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों में सामने आ चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्ष 2011 के एक बड़े पेपर लीक मामले में भी वह आरोपी रहा है। जांच एजेंसियों का मानना है कि वह करीब 25 वर्षों से इस नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। पेपर लीक के आरोपों के बाद महाराष्ट्र सरकार ने 28 जून को होने वाली टीईटी 2026 परीक्षा स्थगित कर दी थी। इस परीक्षा में करीब छह लाख अभ्यर्थियों को शामिल होना था। राज्यभर में 1,728 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सरकार ने कहा कि परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया। फिलहाल, पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

साथी की जमानत के लिए जुटा रहा था 19 लाख रुपए, नशे के सौदागर से पूछताछ में बड़े खुलासे

इंदौर, 30 जून (एजेंसियां)। इंदौर में गिरफ्तार नशे के सौदागर चेतन नाथ को अदालत ने 2 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। पूछताछ में पुलिस को ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी नशे की खरीद-फरोख्त के लिए सोशल मीडिया कॉलिंग का इस्तेमाल करता था। पुलिस जब उसका मोबाइल फोन खंगाल रही थी, तब उसमें एक भी कॉन्टैक्ट नंबर नहीं मिला। अब पुलिस उसके फरार साथी और पूरे नेटवर्क की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, जब टीम चेतन नाथ को पकड़ने उसके ठिकाने पर पहुंची थी, तब उसका एक साथी भी वहां मौजूद था। पुलिस को देखकर वह मौके से फरार हो गया। पूछताछ में पता चला है कि दोनों पहले जेल में साथ रह चुके हैं। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश कर रही है। दावा किया है कि उसके पास से बरामद 19 लाख रुपए वह अपने एक साथी की जमानत के लिए इकट्ठा कर रहा था। हालांकि पुलिस इस दावे की जांच कर रही है।

ड्रग सिंडिकेट के सदस्यों को नहीं मिली जमानत

61.20 किग्रा एमडी ड्रग्स हुई थी जब्त, हाईकोर्ट ने कहा- आने वाली पीढ़ियों को तबाह करने वाला अपराध

जबलपुर, 30 जून (एजेंसियां)। 16 अगस्त 2025 को भोपाल के जगदीशपुर इलाके में नशे की अवैध फैक्ट्री पकड़ाई थी। यहां से 92 करोड़ रुपए कीमत की 61.2 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स जब्त की गई थी। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने ऑपरेशन 'क्रिस्टल ब्रेक' चला कर इस अवैध दवा निर्माण कारखाने का भंडाफोड़ किया है। 7 में से तीन आरोपियों ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे अदालत ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मादक पदार्थों की तस्करी समाज को गंभीर नुकसान पहुंचाती है और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। डीआरआई ने मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर छापे भी मारे और इस गिरोह के 7 प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया है। भोपाल में डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) द्वारा उजागर किए गए कथित अंतरराष्ट्रीय मेफेड्रोन (एमडी ड्रग्स) तस्करी मामले में हाईकोर्ट ने 3 आरोपियों की नियमित जमानत अर्जी खारिज कर दी है।

जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक और वित्तीय साक्ष्य प्रथम दृष्टया आरोपी को अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क से जोड़ते हैं और अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत नहीं दी जा सकती भोपाल में डीआरआई द्वारा की गई कार्रवाई से जुड़ा है, जिसमें 61.20 किलोग्राम लिक्विड मेफेड्रोन बरामद किया गया था। जांच एजेंसी के अनुसार, बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपए है। अंजलि सिंह राजपूत के साथ महफूज खान और वीरन रजनीकांत शाह ने भी जमानत अर्जियां दायर की थीं।

गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को 17 बार लूटा था लेकिन बीजेपी ने 70 बार लूटा', संजय राउत का बड़ा हमला

सांसद संजय राउत

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर को लेकर सियासत एक बार फिर तेज हो गई है। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे दल के सांसद संजय राउत ने राम मंदिर के मुद्दे को लेकर बीजेपी और केंद्र सरकार पर एक बार फिर तीखा हमला बोल दिया है। संजय राउत ने कहा, राम मंदिर के दानपात्र में कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। राउत ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को इसलिए रोका गया क्योंकि वे इसी मुद्दे को उठाने वाले थे। उन्होंने कहा कि महमूद ग़जनवी ने सोमनाथ मंदिर को 17 बार लूटा था, लेकिन बीजेपी ने राम मंदिर को 70 बार लूटा है। राउत ने इसे देशद्रोह और रामद्रोह तक करार दिया। संजय राउत ने कहा कि उनकी उद्धव ठाकरे से इस मुद्दे पर चर्चा हुई है और अब वे राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल सहित सभी प्रमुख विपक्षी नेताओं के साथ अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करने की योजना बनाएंगे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर किसी एक दल या व्यक्ति की जागीर नहीं है, बल्कि भगवान राम पूरे देश के हैं। राउत ने राम मंदिर आंदोलन में अपनी भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस आंदोलन का हिस्सा रहे हैं, सीबीआई के आरोपी भी रहे और लखनऊ कोर्ट में कई बार पेश होकर बयान दर्ज करा चुके हैं। उन्होंने बालासाहेब ठाकरे के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि शिवसैनिकों ने भी इस आंदोलन में बलिदान दिया है और उन्हें उस पर गर्व है।

संजय राउत ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पहले रक्षा मंत्री की ओर से कहा गया था कि इस ऑपरेशन में कोई जवान शहीद नहीं हुआ, लेकिन अब शहीद जवानों के नाम सामने आ रहे हैं। राउत ने सवाल उठाया कि अगर जवान शहीद हुए थे तो यह जानकारी पहले क्यों छिपाई गई और क्या अब भी कुछ तथ्य सार्वजनिक होने बाकी हैं।

गृह मंत्री ने गायत्री के माता-पिता को सांत्वना दी, मदद का वादा किया

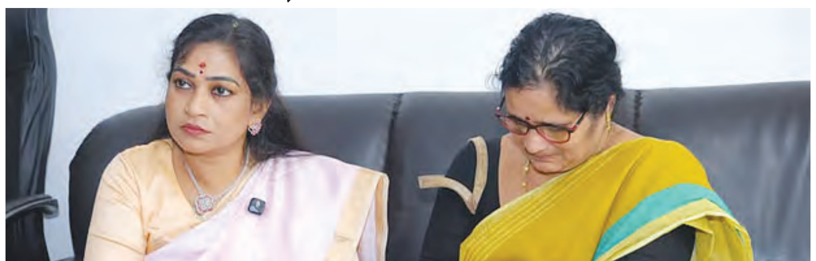

गृह मंत्री अनीता ने राधा गायत्री के माता-पिता से मुलाकात की

विशाखापत्तनम, 30 जून (एजेंसियां)। गृह मंत्री वंगलापुडी अनीता ने परिवार से मिलने के बाद कहा कि राज्य सरकार राधा गायत्री के माता-पिता को पूरा सहयोग देगी। राधा गायत्री एक टेक प्रोफेशनल थीं, जिनकी 14 जून को मसूरी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। राधा गायत्री के माता-पिता, सुधाकर और सत्यवती ने गृह मंत्री से मुलाकात की और अपनी बेटी की मौत तथा उसके पति श्रीचरण के व्यवहार को लेकर अपनी शंकाएं ज़ाहिर कीं।

उन्होंने इस मामले में सरकार से मदद मांगी। अनीता ने कहा कि प्रभारी संयुक्त पुलिस आयुक्त ने पहले ही मसूरी की स्थानीय पुलिस से बात कर ली है और मामले की जानकारी जुटा ली है। गृह मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक से बात करने का निर्देश दिया है। अनीता ने कहा कि परिवार ने राधा गायत्री की मौत से जुड़ी परिस्थितियों पर संदेह जताया है। उन्होंने कहा कि सच्चाई का पता लगाया जाना चाहिए और जो भी दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार गायत्री के माता-पिता की मदद करेगी। परिवार के अनुसार, वह अपने पति के साथ मसूरी गई थीं। उन्होंने बताया कि साईं चरण ने उन्हें 14 जून को सूचना दी कि सुबह न उठ पाने के बाद उनकी मौत हो गई।

सिंगापुर के राजनयिक और लोकेश बीच व्यापार वार्ता

विजयवाड़ा, 30 जून (एजेंसियां)। एचआरडी और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने उंडावल्ली स्थित अपने आवास पर चेन्नई में सिंगापुर के कॉन्सल जनरल एडगर पैंग त्ज़े चियांग के साथ शिष्टाचार मुलाकात की। दोनों ने प्रमुख क्षेत्रों में आंध्र प्रदेश और सिंगापुर के बीच सहयोग को मजबूत करने और साझेदारी का विस्तार करने पर चर्चा की। एडगर पैंग त्ज़े चियांग तकनीक, व्यापार, निवेश और समुद्री मामलों जैसे क्षेत्रों में भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बैठक के दौरान, मंत्री लोकेश ने आंध्र प्रदेश की 'स्पीड ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' (कारोबार करने की गति) पहलों और राज्य में निवेश के बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर बोलते हुए, लोकेश ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है कि निवेश प्रस्ताव ज़मीनी स्तर पर परियोजनाओं में बदलें।

उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में लगभग 750 औद्योगिक परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, और हर पखवाड़े उनकी प्रगति की समीक्षा की जाती है। मंत्री ने कहा

आईटी मंत्री नारा लोकेश

कि सरकार राज्य भर में 22 औद्योगिक क्लस्टर विकसित कर रही है और बताया कि गूगल और आर्सेलरमित्तल जैसी वैश्विक कंपनियों ने राज्य में निवेश किया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में जीएसटी संग्रह में वृद्धि दर्ज की गई है, जो बेहतर आर्थिक गतिविधि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछली समस्याओं का समाधान किया है और निवेश आकर्षित करने के लिए पारदर्शी शासन मॉडल अपना रही है।

लोकेश ने सिंगापुर के साथ मजबूत साझेदारी बनाने में आंध्र प्रदेश की रुचि पर जोर दिया। एडगर पैंग त्ज़े चियांग ने निवेश आकर्षित करने में आंध्र प्रदेश की प्रगति की सराहना की और राज्य की विकास पहलों की प्रशंसा की।

जस्टिस शील नागू की बेंच ने याचिकाकर्ता को कहा 'हाईकोर्ट जाएं'

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। बिहार के भोजपुर मे हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले मे दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। एससी ने याचिका दाखिल करने के औचित्य पर सवाल खड़ा किया और याचिकाकर्ता से पूछा कि आपने किस हैसियत से याचिका दाखिल की है। जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की बेंच ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट मे याचिका दाखिल कर सीबीआई जांच की मांग की थी। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अगुवाई में स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने की भी मांग की गई थी। याचिका में मांग की गई है कि एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए। याचिकाकर्ता का आरोप है कि भारत भूषण तिवारी की मौत एक हत्या का मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

भरत तिवारी कथित फर्जी मुठभेड़ मामले को लेकर पिछले कई दिनों से सियासत गरम है। विपक्ष सरकार पर लगातार हमलावर है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है। पीड़ित परिवार न्यायिक जांच के साथ-साथ कार्रवाई की मांग कर रहा है। अब निगाहें न्यायिक आयोग की जांच और उसके निष्कर्षों पर टिक गई हैं। एनकाउंटर मामले पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि भोजपुर की घटना को सरकार ने गंभीरता से लिया है और न्याय सुनिश्चित करने के लिए तत्काल न्यायिक आयोग के गठन का फैसला किया गया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई तय है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भरत तिवारी के शरीर में कुल पांच गोलियां लगी थीं। रिपोर्ट सामने आने के बाद मामले को लेकर सवाल और तेज हो गए हैं।

आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक, मृतक को लगी गोलियों के निशान शरीर के अलग-अलग हिस्सों में पाए गए। पहली गोली बाएं जांघ के ऊपरी हिस्से, दूसरी गोली भी बाएं जांघ के मध्य भाग में, तीसरी गोली दाहिनी जांघ के बीच, चौथी गोली दाहिनी जांघ में बाहरी हिस्से और पांचवीं गोली बाएं पैर के मध्य भाग में पीछे की तरफ से लगी थी।

नाबालिग रेप केस में

हाई कोर्ट के फ़ैसले को चुनौती देने वाली आसाराम की याचिका पर राजस्थान सरकार को नोटिस जारी

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राजस्थान सरकार को एक नोटिस जारी किया। यह नोटिस खुद को भगवान बताने वाले आसाराम की उस याचिका पर जारी किया गया है, जिसमें उन्होंने 2013 के नाबालिग रेप केस में अपनी सज़ा और उम्रकैद को बरकरार रखने वाले राजस्थान हाई कोर्ट के फ़ैसले को चुनौती दी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की बेंच ने राज्य सरकार को दो हफ़्ते के अंदर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। बेंच ने मौखिक रूप से कहा, हम अभी ज़मानत नहीं दे रहे हैं। राज्य का पक्ष सुनने के बाद हम इस बात पर विचार करेंगे कि क्या ज़मानत देने की कोई गंभीर ज़रूरत है, जैसे कि ऐसी स्थिति जिसमें उनकी जान को ख़तरा हो।

यह याचिका राजस्थान हाई कोर्ट के 27 मई के उस फ़ैसले को चुनौती देती है जिसमें आसाराम की सज़ा को बरकरार रखा गया था। हाई कोर्ट ने उम्रकैद की सज़ा तो बरकरार रखी, लेकिन उन्हें आईपीसी और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत गैंगरेप और पेनिट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट के आरोपों से बरी कर दिया। आसाराम को 25 अप्रैल, 2018 को अपने आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के यौन उत्पीड़न का दोषी ठहराया गया था। उन्हें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), पीओसीएसओ अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम (किशोर न्याय अधिनियम) के विभिन्न प्रावधानों के तहत उम्रकैद की सज़ा सुनाई गई थी।

जंगल में 11वीं सदी का चालुक्य शिलालेख मिला

ओंगोल, 30 जून (एजेंसियां)। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (एएसआई) की एपिग्राफी शाखा द्वारा किए गए एक सर्वे के दौरान, नल्लामाला रिज़र्व फ़ॉरेस्ट के येर्रागोंडापालेम इलाके में सथाकोडु गाँव के पास लगभग 1,100 साल पुराना तेलुगु शिलालेख मिला है। पत्थर की पटिया पर तेलुगु लिपि में खुदे इस शिलालेख की नकल हाल ही में हुए सर्वे के दौरान एएसआई की मैसूरु एपिग्राफी शाखा ने तैयार की थी। एएसआई के डायरेक्टर (एपिग्राफी) के। मुनिरत्नम रेड्डी ने इस शिलालेख को पढ़ा और बताया कि यह कल्याणी के चालुक्य वंश का है। अध्ययन के अनुसार, यह शिलालेख चालुक्य विक्रम वर्ष 42 का है, जो शक संवत 1043 (1121 ईस्वी) के बराबर है। शिलालेख में सथाकोडु देवरा मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए पुल्लालाचेरुवु टैंक के तहत चार मत्तर गीली ज़मीन और 10 मट्लु 'वालीपोलम' ज़मीन दान करने का ज़िक्र है। यह दान भीमिशेट्टी नाम के व्यक्ति ने दिया था, जिसका नाम शिलालेख में दर्ज है।

आय से अधिक संपत्ति का मामला, विजिलेंस टीम अधिकारियों के ठिकानों पर पहुंची?

भुवनेश्वर/संबलपुर, 30 जून (एजेंसियां)। ओडिशा में आय से अधिक संपत्ति का मामला सामने आया है। विम्सार अधिकारी के पांच ठिकानों पर विजिलेंस के अधिकारियों ने छापेमारी की। मंगलवार को हुई इस कार्रवाई के संबंध में आई रिपोर्ट के मुताबिक धनुर्धर बिस्वाल से जुड़े ठिकाने पर तलाशी ली गई। बिस्वाल विम्सार में बुर्ला के एस्टेब्लिशमेंट ऑफिसर-कम-ऑफिस सुपरिटेंडेंट पर पद पर तैनात हैं। उन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, यह छापेमारी संबलपुर स्थित विशेष न्यायाधीश (विजिलेंस) द्वारा जारी सर्च वारंट के आधार पर की जा रही है।

विजिलेंस अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान के दौरान बिस्वाल की चल और अचल संपत्तियों, बैंक खातों, निवेश, महत्वपूर्ण दस्तावेजों तथा अन्य वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि संपत्ति उनकी वैध आय के अनुरूप है या नहीं। इस अभियान के लिए ओडिशा विजिलेंस ने एक विशेष टीम का गठन किया है। टीम में दो डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी), पांच इंस्पेक्टर, तीन असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) और अन्य सहयोगी कर्मचारी शामिल हैं। सभी अधिकारी अलग-अलग स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चला रहे हैं, ताकि जांच निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से पूरी की जा सके। विजिलेंस की टीम जिन पांच स्थानों पर तलाशी कर रही है, उनमें संबलपुर के धनकौडा स्थित धनुर्धर बिस्वाल का दोमंजिला आवास, गुडेसिंगा में स्थित उनकी एक इमारत, विम्सार बुर्ला की मेडिकल स्टाफ कॉलोनी में स्थित उनका सरकारी आवास तथा विम्सार के सुपरिटेंडेंट कार्यालय में मौजूद उनका कार्यालय कक्ष शामिल है।

इन सभी स्थानों पर दस्तावेजों, संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों की बारीकी से जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान मिले दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों का मूल्यांकन किया जाएगा। यदि जांच में आय से अधिक संपत्ति के पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं, तो विजिलेंस विभाग आगे की कानूनी कार्रवाई करेगा। फिलहाल अधिकारियों ने बरामदगी या संपत्ति के मूल्य को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। समाचार लिखे जाने तक सभी स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है। ओडिशा विजिलेंस की ओर से विस्तृत जानकारी और आधिकारिक बयान का इंतजार किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि इस मामले में आगे क्या कार्रवाई की जाएगी।

सुविचार
"चुपचाप मेहनत करो और अपनी सफलता को अपनी आवाज़ बनने दो।"

तेलंगाना के नए मुख्य सचिव के रूप में संजय जाजू ने संभाला पदभार

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के नए मुख्य सचिव के रूप में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजय जाजू ने मंगलवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। वे 1992 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। राज्य सरकार ने 26 जून को आदेश जारी कर उन्हें मुख्य सचिव नियुक्त किया था, जिसके बाद उन्होंने आज विधिवत कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत के. रामकृष्ण राव आज सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में सचिवालय में अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें विदाई दी, वहीं नए मुख्य सचिव संजय जाजू का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विशेष मुख्य सचिव, मुख्य सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी, विभाग प्रमुख तथा विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य प्रशासन में शीर्ष पद पर हुए इस परिवर्तन को महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

बोलेरो ने बाइक को मारी टक्कर, महिला की मौत

बेटा गंभीर रूप से घायल

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दुंडीगल के बाहरी इलाके में सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक 49 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार महिंद्रा बोलेरो वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। मृतका की पहचान उदय लता रेड्डी (49) के रूप में हुई है। हादसे में उनके पुत्र वेदांत रेड्डी (22) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार बोलेरो वाहन का चालक कथित तौर पर शराब के नशे में था और अत्यधिक तेज गति से वाहन चला रहा था। इसी दौरान उसने नियंत्रण खो दिया और बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। घटना के बाद दुंडीगल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं फरार चालक की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 2,482 करोड़ रुपये की रैतु भरोसा राशि जारी की

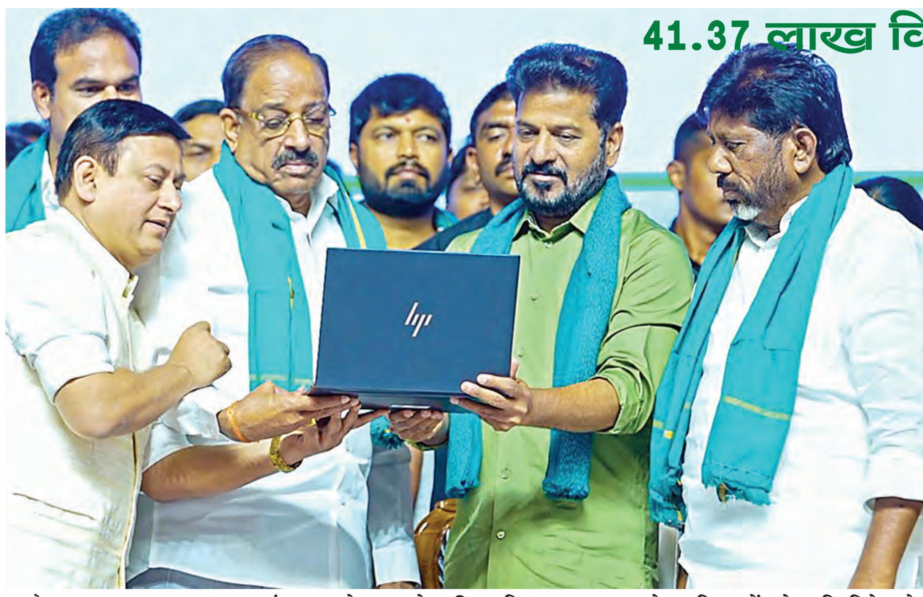

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रैतु भरोसा निधि की पहली किस्त जारी की। इस चरण में कुल 2,482.02 करोड़ रुपये की राशि 41.37 लाख किसानों के बैंक खातों में सीधे जमा की जाएगी। सरकारी जानकारी के अनुसार यह पहली किस्त उन छोटे और सीमांत किसानों के लिए है जिनके पास दो एकड़ तक भूमि है। सरकार का उद्देश्य किसानों को कृषि निवेश के लिए समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है, जिससे खेती के कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, अजहरुद्दीन, वाकिटी श्रीहरि, पोन्नम प्रभाकर और जुपल्ली कृष्णा राव सहित कई वरिष्ठ मंत्री उपस्थित रहे।

इसके अलावा सांसद वेम नरेंदर रेड्डी, अनिल कुमार यादव और बालराम नाइक, सरकारी व्हिप, विधायक, विधान परिषद सदस्य तथा मुख्य सचिव संजय जाजू सहित कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। सरकारी सूत्रों के अनुसार यह पूरी प्रक्रिया जिला स्तर पर स्थित रैतु वेदिकाओं के माध्यम से वर्चुअल रूप से भी जोड़ी गई, ताकि राज्य के सभी जिलों के किसान कार्यक्रम से जुड़ सकें। अधिकारियों ने बताया कि सरकार का लक्ष्य किसानों को पारदर्शी तरीके से समय पर सहायता प्रदान करना है, जिससे कृषि क्षेत्र को मजबूती मिल सके।

तेलंगाना स्पेशल बटालियन राज्य पुलिस बल की रीढ़ : सीवी आनंद

डीजीपी ने बाढ़ राहत कार्यों में टीजीएसपी के योगदान की सराहना की

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने कहा है कि तेलंगाना स्पेशल बटालियन (टीजीएसपी) राज्य पुलिस बल की रीढ़ हैं और कानून-व्यवस्था, चुनाव सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, वीआईपी सुरक्षा तथा विशेष अभियानों में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जुबली हिल्स स्थित स्पेशल बटालियन मुख्यालय में आयोजित व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीवी आनंद ने कहा कि बदलते समय के साथ बल के आधुनिकीकरण, तकनीकी सुदृढ़ीकरण और कर्मियों के कल्याण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। बैठक से पूर्व डीजीपी ने मुख्यालय के विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण किया, जिसमें प्रशासनिक शाखा, संचार प्रणाली, शस्त्रागार प्रबंधन, तकनीकी इकाइयां और आधारभूत संरचना शामिल थीं। उन्होंने वरिष्ठ

अधिकारियों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

डीजीपी ने कहा कि खाली पदों को शीघ्र भरा जाए, वाहन संसाधनों को बढ़ाया जाए तथा कर्मियों के लिए आवास, पेयजल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि स्पेशल बटालियनों ने नक्सलवाद के खिलाफ अभियानों में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है और आज भी ये बल राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी बने हुए हैं। उन्होंने हाल ही में निजामाबाद और कामारेड्डी जिलों में बाढ़ राहत कार्यों में टीजीएसपी के योगदान की सराहना की। डीजीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ड्यूटी का आवंटन पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से किया जाए तथा चुनाव और वीआईपी ड्यूटी में किसी प्रकार का भेदभाव न हो। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य पर जोर देते हुए 'मित्र' काउंसलिंग केंद्रों को और प्रभावी बनाने, तनावग्रस्त कर्मियों को समय पर परामर्श देने तथा नशा और ऑनलाइन सट्टेबाजी जैसी समस्याओं से बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए।

सीवी आनंद ने कहा कि पुलिस कर्मियों में आत्महत्या जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए संवेदनशील निगरानी और समय पर हस्तक्षेप बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और मानसिक मजबूती से ही बल भविष्य की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकेगा।

हैदराबाद-वारंगल हाईवे पर परिवार की कार का पीछा

6 युवकों पर उत्पीड़न का आरोप, जांच शुरू

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक परिवार के साथ भयावह घटना सामने आई, जब तीन मोटरसाइकिलों पर सवार छह युवकों ने उनकी कार का पीछा किया और बार-बार वाहन को रोकने का प्रयास किया। इस घटना से कार में सवार महिलाएं और बच्चे बुरी तरह भयभीत हो गए। यह घटना 21 जून की रात उस समय हुई जब परिवार घाटकेसर से उप्पल की ओर जा रहा था। आरोप है कि बिबीनगर क्षेत्र से शुरू होकर घाटकेसर आउटर रिंग रोड तक युवकों ने कार का पीछा किया और लगातार वाहन को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कार पर हमले जैसी स्थिति भी बनी, जिससे यात्री घबरा गए।

घटना के दौरान कार चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए पुलिस की आपातकालीन हेल्पलाइन पर संपर्क किया। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही वाहन आउटर रिंग रोड तक पहुंच चुका था, जिससे परिवार को सुरक्षित स्थान मिला। बाद में यह मामला तब सामने आया जब पीड़िता की बहन भार्गवी ने घटना का डैशकैम फुटेज इंस्टाग्राम पर साझा किया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी। भार्गवी ने कहा कि ऐसी घटनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और पीड़ितों को तुरंत पुलिस से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है ताकि वे बिना डर के ऐसी हरकतें न दोहरा सकें।

इंटरमीडिएट छात्रों को अब तक नहीं मिली पाठ्यपुस्तकें

तेलुगु और उर्दू माध्यम के विद्यार्थी परेशान

हैदराबाद, 30 जून 2026 (स्वतंत्र वार्ता)। शैक्षणिक सत्र शुरू हुए एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद तेलंगाना के हजारों इंटरमीडिएट छात्र अब भी बिना पाठ्यपुस्तकों के पढ़ाई करने को मजबूर हैं। यह स्थिति ऐसे समय में बनी हुई है, जब राज्य सरकार ने सत्र की शुरूआत में ही सरकारी जूनियर कॉलेजों के विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। जानकारी के अनुसार अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकें बाजार में उपलब्ध करा दी गई हैं, लेकिन तेलुगु और उर्दू माध्यम की प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की इंटरमीडिएट पाठ्यपुस्तकें अभी तक छात्रों तक नहीं पहुंच सकी हैं। इसका सबसे अधिक असर सरकारी जूनियर कॉलेजों में अध्ययनरत तेलुगु माध्यम के विद्यार्थियों पर पड़ा है, जहां नया शैक्षणिक सत्र 1 जून से शुरू हो चुका है।

नई किताबें उपलब्ध नहीं होने के कारण छात्र और कनिष्ठ व्याख्याता पिछले वर्ष की पाठ्यपुस्तकों के सहारे पढ़ाई कर रहे हैं। जबकि तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजीबीआईई) ने इस वर्ष प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में बदलाव किया है। कई स्थानों पर शिक्षकों को मजबूरी में अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकों से तेलुगु माध्यम के छात्रों को पढ़ाना पड़ रहा है, जिससे विद्यार्थियों को विषय समझने और घर पर अध्ययन करने में कठिनाई हो रही है।

समस्या केवल सामान्य पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तथा उर्दू माध्यम की इंटरमीडिएट पाठ्यपुस्तकों की छपाई भी अभी पूरी नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि तेलुगु अकादमी को उर्दू माध्यम की पुस्तकों के लिए लेखक और संपादक उपलब्ध कराने में कठिनाई आ रही है, जिसके कारण लेखन, संपादन और मुद्रण कार्य में देरी हुई है। खम्मम के एक वरिष्ठ सरकारी कनिष्ठ व्याख्याता ने बताया कि प्रथम वर्ष के व्यावसायिक पाठ्यक्रम का सिलेबस बदल चुका है, लेकिन नई पुस्तकें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। ऐसे में शिक्षक पुराने संस्करण से ही पढ़ाने को विवश हैं।

इस संबंध में तेलंगाना राजपत्रित कनिष्ठ व्याख्याता संघ के अध्यक्ष डॉ. वास्कुला श्रीनिवास और महासचिव डॉ. कोप्पिसेट्टी सुरेश ने टीजीबीआईई की सचिव अभिलाषा अभिनव के समक्ष मामला उठाया है। उनका कहना है कि पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति में देरी से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और तेलुगु माध्यम के विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उधर, तेलुगु अकादमी के अध्यक्ष प्रोफेसर कुरापति वेंकट नारायण ने स्वीकार किया कि उर्दू माध्यम की पाठ्यपुस्तकें अभी उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। उन्होंने बताया कि उर्दू माध्यम के लिए लेखक और संपादक उपलब्ध कराने में कठिनाई के कारण देरी हुई है। हालांकि उन्होंने कहा कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति 1 जुलाई से शुरू कर दी जाएगी।

संविदा कर्मचारियों का अनिश्चितकालीन विरोध

समान काम के लिए समान वेतन की मांग

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के संविदा कर्मचारियों ने मंगलवार को परिसर में अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने प्रशासन से अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करने की अपील की, जिसमें प्रमुख मांग समान काम के लिए समान वेतन शामिल है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि नए श्रम कानूनों के लागू होने के बाद संविदा कर्मचारियों की स्थिति और अधिक असुरक्षित हो गई है। उनके अनुसार इन बदलावों से नौकरी की सुरक्षा कमजोर हुई है, कार्यस्थल पर सुरक्षा मानक प्रभावित हुए हैं और श्रम अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि नए ठेकेदार की नियुक्ति के बाद उनकी स्थिति और बिगड़ गई है तथा ठेकेदार द्वारा नई नीतियों के माध्यम से उनके मौजूदा अधिकार और लाभों में कटौती की गई है।

कर्मचारियों का यह भी कहना है कि इन नीतिगत बदलावों के कारण उनके कार्य हालात खराब हुए हैं और उनमें असुरक्षा की भावना बढ़ी है। प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से शोषणकारी संविदा प्रणाली को समाप्त करने और उनकी सेवाओं को नियमित करने की मांग की है। इसके साथ ही कर्मचारियों ने ईपीएफ और ईएसआई लाभों के उचित क्रियान्वयन, निश्चित कार्य समय, ओवरटाइम भुगतान, कार्यस्थल दुर्घटनाओं और मृत्यु की स्थिति में जवाबदेही, अनुभव एवं वरिष्ठता के आधार पर वेतन संशोधन तथा कर्मचारियों के परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य बीमा की मांग भी उठाई है। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं की जातीं, उनका अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियां सुनिश्चित करने की मांग की है।

आदतन अपराधियों के गिरोह का भंडाफोड़

तीन गिरफ्तार व एक बाल अपचारी अभिरक्षा में

चिलकलगुडा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चिलकलगुडा पुलिस ने आदतन संपत्ति अपराधियों और संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक लूट मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा एक बाल अपचारी (सीसीएल) को अभिरक्षा में लिया है। यह कार्रवाई 30 जून 2026 को की गई। आरोपियों ने एक मजदूर को जबरन रोककर उसके साथ मारपीट की, उसका मोबाइल फोन और नकदी लूटी तथा उसे अलग स्थान पर छोड़ दिया था। इस संबंध में चिलकलगुडा पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 311/2026, धारा 309(4) सहपठित 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि बाल अपचारी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पीड़ित सी. राज कुमार, निवासी जवाहरनगर, मुशीराबाद ने शिकायत में बताया कि 22 जून 2026 की शाम लगभग 6 बजे वह भोईगुडा स्थित एक होटल से भोजन लेकर लौट रहा था। इसी दौरान पद्मारावनगर क्षेत्र में होंडा एक्टिवा पर सवार चार लोगों ने उसे रोक लिया और उसके साथ मारपीट की। आरोपियों ने उसे जबरन अलुगड्डाबावी रेलवे अंडर ब्रिज तक ले जाकर उसका मोबाइल फोन और 6,000 रुपये नकद लूट लिए तथा चिलकलगुडा क्रॉस रोड के पास उसे धमकाकर छोड़ दिया।

मामला दर्ज होने के बाद चिलकलगुडा पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण, खुफिया सूचना, गवाहों से पूछताछ और सतत निगरानी के आधार पर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि इस वारदात के पीछे एक संगठित गिरोह सक्रिय था, जिसका मास्टरमाइंड डार्ला नेहेमिया उर्फ ब्रूसली है। आरोपी ब्रूसली एक कुख्यात अंतरराज्यीय अपराधी है, जिसके खिलाफ तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कुल 65 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें लूट, चोरी, घर में सेंधमारी, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। वह पहले भी प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट के तहत निरुद्ध रह चुका है, लेकिन जेल से रिहा होने के बाद उसने फिर से आपराधिक गतिविधियां शुरू कर दीं और जेल में संपर्क बनाकर नए अपराधियों को गिरोह में शामिल करने लगा।

जांच में यह भी सामने आया कि वर्तमान वारदात से पहले आरोपी ने अनंतपुर में एक सुरक्षा गार्ड से मोबाइल फोन और 10,000 रुपये की लूट की थी। इसके अलावा 23 जून 2026 को उसने अलवाल थाना क्षेत्र में घर में सेंधमारी का प्रयास किया तथा उसी रात मीरपेट थाना क्षेत्र में सोने के आभूषणों की चोरी की घटना को भी अंजाम दिया, जिन मामलों में उसकी गिरफ्तारी अभी लंबित है। पुलिस के अनुसार ब्रूसली ने जेल से रिहा होने के बाद अपने सहयोगियों अश्वंत और नितिन फ्रांसिस उर्फ बाब्लू तथा एक बाल अपचारी को साथ लेकर यह संगठित गिरोह बनाया और लगातार अपराधों को अंजाम दिया।

गिरफ्तार आरोपियों में डार्ला नेहेमिया उर्फ ब्रूसली (30 वर्ष), मूल निवासी हुब्बली, कर्नाटक शामिल है, जो 65 मामलों में वांछित है और संगठित अपराधों का मास्टरमाइंड है। दूसरा आरोपी दारा अश्वंत (27 वर्ष) सिकंदराबाद का निवासी है, जो पूर्व में चार मामलों में शामिल रहा है और लूट की घटना में सक्रिय सहयोगी था। तीसरा आरोपी नितिन फ्रांसिस उर्फ बाब्लू (22 वर्ष) रसूलपुरा का निवासी मजदूर है, जो आपराधिक साजिश और वारदात में शामिल पाया गया तथा पहले हत्या के प्रयास और पॉक्सो मामलों में भी आरोपी रह चुका है। इसके अलावा एक बाल अपचारी को भी अभिरक्षा में लिया गया है, जिस पर किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पीड़ित से लूटा गया मोबाइल फोन, अपराध में प्रयुक्त स्कूटर तथा मीरपेट क्षेत्र से संबंधित 2,25,000 रुपये नकद और चोरी का सामान बरामद किया है।

इस मामले का सफलतापूर्वक खुलासा चिलकलगुडा थाना प्रभारी वी. रामकृष्ण, डिटेक्टिव इंस्पेक्टर एल. मधु बाबू तथा उनकी टीम ने किया, जबकि पूरी कार्रवाई एसीपी के. शशांक रेड्डी और एडिशनल डीसीपी जे. नरसायाह के मार्गदर्शन में हुई।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, E DAISY MARGREAT is legally wedded spouse of Service No-14656177N, Rank-HAV, Name-M Elangovan, Residing at Sribalasubramaniyar Nagar, Vill & PO- Kanji, Dist- Tiruvannamalai PIN-606702, State-Tamil Nadu. I have changed my name from *E DAISY MARGREAT* to *DAISY MARGRET R* dated 24 Jun 2026 before 1.Spl Judicial Magistrate Medchal-Malkajgiri Dist.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सर्वर में खराबी के कारण तेलंगाना में संपत्ति पंजीकरण प्रभावित

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पंजीकरण विभाग के सर्वर में आई एक बड़ी खराबी के कारण पिछले दो दिनों से संपत्ति पंजीकरण सेवाएं ठप्प पड़ी हैं। ऑनलाइन सेवाएं, जिनमें स्लॉट बुकिंग, चालान भुगतान और ई-केवाईसी सत्यापन शामिल हैं, बाधित हो गई हैं, जिससे हजारों खरीदारों और विक्रेताओं को असुविधा हो रही है। जिन लोगों ने पहले से अपॉइंटमेंट बुक कराकर सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में पहुंचे थे और जिनके गवाह भी मौजूद थे, उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा क्योंकि जमीन, मकान और अन्य अचल संपत्तियों का पंजीकरण नहीं हो पा रहा था।

बस और ट्रेलर की भीषण भिड़ंत, हादसे में चार लोगों की मौत

मथुरा, 30 जून (एजेंसियां)। यमुना एक्सप्रेसवे पर थाना राया क्षेत्र में माइलस्टोन 112-113 के बीच मंगलवार तड़के करीब 3:35 बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। इसमें चार लोगों की मौत एवं 20-25 लोगों के घायल होने की सूचना है। जानकारी के अनुसार गोला बस सर्विस की वोल्वो बस की यहां एक ट्रेलर से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के समय बस में लगभग 65 यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, सीओ महावन, थाना प्रभारी राया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। एसडीआरएफ और फायर सर्विस की टीम ने भी तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया।

भीषण टक्कर में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 20 से 25 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए मथुरा जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है तथा पुलिस बल तैनात कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

हां ये मेरी गलती है

चंपत राय का राम मंदिर दान चोरी केस में बड़ा खुलासा, पुलिस की पूछताछ जारी

अयोध्या, 30 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर दान चोरी मामले की जांच पुलिस ने तेज कर दी है। पुलिस ने इस्तीफा दे चुके ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के पुलिस ने बयान दर्ज किए। इस दौरान चंपत राय ने कई बड़े दावे किए। चंपत राय ने पुलिस को बताया कि ट्रस्ट को जून के पहले हफ्ते में ही पता चल गया था कि दान चोरी हो रहा है। ट्रस्ट के लोगों ने कार्रवाई करते हुए काफी मात्रा में कैश बरामद कर लिया था और आरोपियों के खिलाफ करवाई करवाने के लिए कहा था। चंपत राय ने अपने बयान में कहा कि मैंने एसआईटी को खुद शिकायत दी थी। उसी के आधार पर केस दर्ज हुआ।

हां मेरी ये गलती है कि शिकायत करने में देरी की। अपनी तरफ से इंटर्नल जांच करते रहे। इसके अलावा चंपत राय ने यह भी बताया कि 5 जून का वो फुटेज जब अविनाश शुक्ला के घर ट्रस्ट के लोग गए थे और उसके घर से कैश

राम मंदिर चंदा चोरी को लेकर चंपत राय का बयान दर्ज

रिकवर हुआ। वो ट्रस्ट को पहले पता चल गया था। वहीं जांचकर्ताओं का मानना है कि चंपत राय अच्छे एडमिनिस्ट्रेटर नहीं हैं। उनकी तरफ से लापरवाही हुई है।

कई सवालों पर चुप्पी साध गए चंपत राय

पुलिस चंपत राय, गोपाल राय और अनिल मिश्रा समेत ट्रस्ट के कई सदस्यों की फाइनेंशियल डिटेल्स जुटा रही है। सभी के बैंक अकाउंट्स और संपत्तियों की जांच भी जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पूछताछ में चंपत राय कई सवालों के जवाब नहीं दे पाए। इसके साथ ही पुलिस ने ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य संबंधित लोगों सहित लगभग 70 लोगों को नोटिस जारी किए हैं। जांच में लगी पुलिस चढ़ावे के प्रबंधन, निगरानी व्यवस्था, कर्मचारियों की नियुक्ति और बैंकिंग प्रक्रिया की भी पड़ताल कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक पूछताछ के दौरान चंपत राय से चढ़ावे के प्रबंधन की व्यवस्था, प्रशासनिक निर्णय, कर्मचारियों की जिम्मेदारी और शिकायतों के निस्तारण को लेकर कई सवाल पूछे गए थे।

'ऐसे लोग कतई बख्शे नहीं जाने चाहिए'

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर बीएसपी चीफ मायावती का बड़ा बयान

बसपा सुप्रीमो मायावती

लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले पर सियासी घमासान जारी है। इस बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ऐसे लोग कतई भी बख्शे नहीं जाने चाहिए, लेकिन इस मामले का राजनीतिकरण करना भी ठीक नहीं। उन्होंने आगे लिखा, अयोध्या में श्रीराम मंदिर से चढ़ावे की हुई चोरी, गबन व हेरा-फेरी आदि करने की मीडिया में आए दिन किस्म-किस्म की आ रही खबरें अति-गंभीर व चिंतनीय हैं। साथ ही, अब यहां मंदिर में श्रद्धा के चढ़ावे आदि में आगे कोई भी शिकायत ना आए, इसके लिए देश के दूसरे विख्यात व प्रसिद्ध मंदिरों में चढ़ावे आदि के हिसाब-किताब के लिए जो वहां व्यवस्था है तो उनका यहां अयोध्या में भी अनुशरण करके इस प्रकरण को जल्दी ही सुलझाना चाहिए तो यह उचित होगा। राजनीतिक पार्टियों को देश व जनहित में सलाह और साथ ही देशवासियों से अपील करते हुए लिखा, इतना ही नहीं बल्कि देश में राजनीति का अपराधीकरण व अपराध का राजनीतिकरण तथा धर्म का राजनीतिकरण एवं राजनीति का अंध धर्मीकरण ना किया जाए तो यह सही व संवैधानिक होगा।

ऐसी ही अपील देशवासियों से भी है। इस मामले में सभी आरोपियों को अब 13 जुलाई को कोर्ट के सामने पेश किया जाएगा। कोर्ट में पुलिस ने कहा कि मामले की जांच अभी पूरी नहीं हुई है। अभी कई पहलुओं से जांच की जानी है, ऐसे में आरोपियों को न्यायिक हिरासत में रखना जरूरी है। पुलिस ने पहले ही कहा था कि फिलहाल वह उनकी हिरासत नहीं मांगेगी, बल्कि जांचकर्ताओं द्वारा पूछताछ के लिए प्रश्नों की विस्तृत सूची तैयार करने के बाद आने वाले दिनों में हिरासत में लेगी।

रामलला के दर्शन से पहले एक्शन

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सहित कई बड़े नेता हाउस अरेस्ट

अयोध्या, 30 जून (एजेंसियां)। अयोध्या श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट दान घोटाले को लेकर अयोध्या कूच करने से पहले पुलिस ने यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, सांसद उज्जवल रमण सिंह समेत कई नेताओं को हाउस अरेस्ट किया गया है। पुलिस ने होटल पदम श्री से अजय राय को अपने साथ लेकर भोर में रवाना हो गई। सुल्तानपुर रोड पर स्थित होटल ताज में अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा और दीपक सिंह को पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया है। आज कांग्रेस का डेलिगेशन रामलला का दर्शन करने के लिए पहुंचने वाला था।

5 दिन में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का यह अयोध्या का दूसरा दौरा था। कांग्रेस के सांसद और विधायकों के साथ रामलला का दर्शन करना था। अयोध्या का माहौल ना खराब हो इसलिए प्रशासन ने कांग्रेस के नेताओं को हाउस अरेस्ट किया है। गौरतलब

कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय अरेस्ट

है कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर मंगलवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में 9 सदस्यीय डेलीगेशन अयोध्या में रामलला के दर्शन का ऐलान किया था। प्रतिनिधिमण्डल में अजय राय के साथ अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा, प्रयागराज से सांसद उज्जवल रमण सिंह, बाराबंकी से सांसद तनुज पुनिया, सीतापुर सांसद राकेश राठौर, महराजगंज की फरेंदा सीट से विधायक वीरेंद्र चौधरी, बाराबंकी के पूर्व सांसद पीएल पुनिया, पूर्व एमएलसी दीपक सिंह, बाराबंकी की कुर्सी सीट से पूर्व विधायक मीता गौतम को शामिल किया गया था।

क्या कहा अजय राय ने

अजय राय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर कहा कि उत्तर प्रदेश की तानाशाही सरकार इतना डर गई है कि अयोध्या पुलिस ने मुझे गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि वे आज अयोध्या में दर्शन करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने सवाल उठाया कि चढ़ावा चोरी करने वाले चोरों को रामभक्तों के डर क्यों लग रहा है। अजय राय ने कहा कि ना हम रुकेंगे, ना झुकेंगे।

फिर हिंदू बना आयुषः 'मुस्लिम युवक' ने पूजा की और परिवार का लिया आशीर्वाद, चर्चित धर्मांतरण मामले में नया मोड़

शामली, 30 जून (एजेंसियां)। शामली शहर के दवा कारोबारी देवराज मलिक के इकलौते बेटे आयुष मलिक ने सनातन धर्म में वापसी कर ली है। धर्मांतरण का मुद्दा उठाने वाले बघरा स्थित योग साधना आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी यशवीर महाराज ने व्हाट्सएप ग्रुप में बयान जारी कर कहा कि आयुष ने इस्लाम को छोड़कर सनातन धर्म में वापसी कर ली है। उन्होंने घर में पूजा करते हुए आयुष का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किया है। मोहल्ला दयानंदनगर निवासी केमिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष देवराज मलिक ने बेटे का धर्मांतरण कराने के आरोप में छह जून को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि काजीवाड़ा निवासी जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी ने संपत्ति के लिए आयुष को प्रेमजाल में फंसाया।

बिहार एसटीएफ को बड़ी सफलताः पांडव सेना गिरोह का सरगना संजय सिंह गिरफ्तार

पटना, 30 जून (एजेंसियां)। बिहार एसटीएफ ने मंगलवार की सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के टाप कुख्यात अपराधियों की सूची में शामिल और पांडव सेना के सरगना संजय सिंह को पटना जंक्शन से गिरफ्तार कर लिया। वह पटना जिले के मसौढ़ी थाना क्षेत्र के निमा गांव का रहने वाला है। एसटीएफ के अनुसार संजय सिंह लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। उसके खिलाफ बिहार समेत अन्य राज्यों में हत्या, रंगदारी, नरसंहार, अवैध खनन, भू-माफिया गतिविधियों और अन्य संगीन अपराधों के कई मामले दर्ज हैं। एसटीएफ ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी बिहटा थाना कांड संख्या 672/2025 में एके-47 बरामदगी मामले में भी वांछित था। इस मामले में उस पर गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज है। गुप्त सूचना के आधार पर विशेष टीम ने पटना रेलवे स्टेशन पर छापेमारी कर उसे दबोच लिया। पुलिस के अनुसार संजय सिंह का आपराधिक इतिहास करीब तीन दशक पुराना है।

बिहार से झारखंड तक के थानों में उसपर एफआईआर है। वर्ष 1996 से लेकर 2025 तक हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, अपहरण, अवैध हथियार रखने, आपराधिक साजिश, लूट, मारपीट और अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। पटना, जहानाबाद, भागलपुर, हजारीबाग, रांची और झारखंड के अन्य जिलों के थानों में भी मुकदमे दर्ज हैं। हाल के वर्षों में पत्रकार नगर, मसौढ़ी और जहानाबाद में दर्ज हत्या के मामलों में भी उसका नाम सामने आया था। इसके अलावा वह रंगदारी और अवैध हथियारों से जुड़े मामलों में भी आरोपित रहा है। एसटीएफ ने बताया कि संजय सिंह के अन्य आपराधिक मामलों और उसके नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

'भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए यूपी में गठबंधन को तैयार है एआईएमआईएम', ओवैसी ने किया एलान

बिजनौर, 30 जून (एजेंसियां)। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने जनसभा में कहा कि भाजपा सरकार आज भी जुमलों पर चल रही है। भाजपा ने जनता के हित में कोई काम नहीं किया। सभी धर्मों के लोगों के दिल में दीवार जरूर खड़ी कर दी है। कहा कि भाजपा को उत्तर प्रदेश में फिर से सत्ता में नहीं आने देना है। भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए वे चुनाव में गठबंधन करने को भी तैयार हैं। जलालाबाद में आयोजित जनसभा से पहले पत्रकारों से वार्ता करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जनता भाजपा के राज को देख रही है। जनता आज भी अपने बैंक खाते में 15-15 लाख रुपये आने का इंतजार कर रही है।

किसी को नौकरी नहीं मिल रही है। सभी परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं। बच्चे और युवा परीक्षा देते देते परेशान हो गए हैं लेकिन उसका रिजल्ट नहीं आ रहा है। देश में 12 साल से सत्ता भोग रहे भाजपा के नेता कोई भी समस्या आने पर विपक्ष को कोसने लगते हैं। जो भी भाजपा को हराने की कोशिश करता है उसी के दल को तोड़ना शुरू कर देती है। लेकिन ये अगले चुनाव में होने वाला नहीं है। अगले चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाने का मन बना चुकी है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा को आईना दिखा भी चुकी है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है।

वे अपने मेहनतकश और ईमानदार नेताओं को चुनाव में टिकट देंगे। भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए वे गठबंधन करने को भी तैयार हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने राम मंदिर में चंदे की चोरी पर व्यंग करते हुए कहा कि सरकार को कमेटी में किसी मुसलमान को रखना चाहिए था। चोरी खुलने पर मुसलमान को गोली मार देते और सब खत्म हो जाता। अब तो सब चंपक चंपक हो रहा है।

एक और बाघ की मौत, इंसान पर आखिरी हमले के कुछ घंटों बाद तोड़ा दम

लखीमपुर खीरी, 30 जून (एजेंसियां)। दक्षिणी वन प्रभाग में मंगलवार की दरमियानी रात एक अन्य बाघ की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बाघ पहले से ही गंभीर रूप से घायल था और चल-फिर पाने की स्थिति में नहीं था। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम उस बाघ ने उदयपुर गांव के 55 वर्षीय काली चरण पर उस समय हमला कर दिया, जब वह मवेशी चराते हुए उसके करीब पहुंच गए थे।

हालांकि, काली चरण इस हमले में बच गए और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। दक्षिणी खीरी वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) तापस मिहिर ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि काली चरण का लखनऊ मेडिकल कॉलेज में उपचार किया जा रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर है। डीएफओ ने बताया कि हमले के तुरंत बाद वह मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके में सघन तलाशी एवं निगरानी अभियान चलाया गया।

'मित्रों के साथ जो महफिल जमती थी, जमी ही रह जाती थी'

सीएम योगी का अखिलेश यादव पर बड़ा हमला

लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुरादाबाद में जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सोच विध्वंसकारी बाबरी सोच है, उनकी साइकिल पंचर हो चुकी है, उसमे अब चलने की सामर्थ्य खत्म हो चुकी है। इसलिए अखिलेश अब राम नाम का सहारा ले रहे हैं। देर सबेर वह भी राम नाम का संकीर्तन करते हुए दिखाई देंगे।

योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण में दानवीर भामाशाह का हवाला देते हुए महाराणा प्रताप और अकबर के बीच हल्दी घाटी में हुए युद्ध का भी जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि किस तरह महाराणा प्रताप को अंतिम क्षण में युद्ध का मैदान छोड़ कर हटना पड़ा था और दानवीर भामाशाह ने अपनी पूरी संपत्ति महाराणा प्रताप को दे दी, तब दोबारा उन्होंने सभी किले वापस ले लिए थे। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि

अखिलेश यादव,

योगी आदित्यनाथ

जीएसटी में रजिस्ट्रेशन कराने वाले व्यापारी को हमारी डबल इंजन सरकार दस लाख की दुर्घटना बीमा देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 साल पहले मुरादाबाद उपद्रव, दंगे, कर्फ्यू, गन्दी और अव्यवस्था के लिए जाना जाता है। आज का मुरादाबाद यूपी के एक्सपोर्ट हब के रूप में अपना नाम बना रहा है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री के पास कहां फुर्सत थी, वह बड़े घर में पैदा हुए एक बजे सो कर उठते थे। इसके बाद 3 बजे तक तैयार होते थे और 5 बजे अपनी मित्र मंडली के साथ बैठ जाते थे। महफिल जो जमती थी वो जमी ही रह जाती थी और जनता का हाल चाल लेने की उन्हें फुर्सत ही नहीं थी। मुख्यमंत्री ने जनता से कहा कि जब आपने अच्छे लोग को चुनाव जिताया तो अब विकास हो रहा है।

हाई कोर्ट ने कहा

गिर रहा कानून की समझ का स्तर, पीआईएल को बेतुका बताते हुए लगाया 50 हजार जुर्माना

प्रयागराज, 30 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक आपराधिक जनहित याचिका को सिरे से खारिज करते हुए याची पर 50 हजार रुपये का हर्जाना भी लगाया है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने याचिका की विषय-वस्तु को न केवल 'बेतुका' करार दिया, बल्कि कानून की गिरती समझ पर गहरी चिंता भी जताई। कोर्ट ने कहा, आज के समय में वैज्ञानिक विषयों की ओर बढ़ते झुकाव के बीच लोगों की कानूनी जागरूकता का स्तर चिंताजनक रूप से नीचे गिर गया है,

जिसका उदाहरण यह याचिका है। आजमगढ़ निवासी लाल चंद यादव की ओर से दायर आपराधिक जनहित याचिका में मांग की गई थी कि हाई कोर्ट की खंडपीठ द्वारा एक क्रिमिनल अपील में पारित जमानत और सजा के निलंबन के आदेश को प्रशासनिक अधिकारियों (पुलिस और अन्य) के माध्यम से वापस लिया जाए। साथ ही अपील को किसी एमपी/एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित करने का भी अनुरोध था।

कोर्ट ने इन मांगों को कानून की बुनियादी समझ से परे बताया। कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा पारित न्यायिक आदेश को किसी अधिकारी द्वारा वापस लेने का निर्देश देने के लिए आग्रह कानूनी रूप से पूरी तरह असंभव और बेतुका है। पीठ ने इस पर भी कड़ा रुख अपनाया कि जानकार वकील द्वारा इस तरह की याचिका तैयार की गई और कोर्ट के

समक्ष पेश की गई। कोर्ट ने आदेश में कहा, मामले में की गई प्रार्थनाएं इतनी चौंकाने वाली थीं कि वे अदालत की अवमानना के दायरे में आ सकती थीं, लेकिन कोर्ट ने 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाना ही उचित समझा।

अदालत ने निर्देश दिया है कि यह राशि 15 दिनों के भीतर महानिबंधक के पास जमा की जाए। यदि जुर्माना जमा नहीं किया जाता है तो महानिबंधक को इसे भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूलने का अधिकार होगा। प्राप्त राशि को हाई कोर्ट लीगल सर्विसेज अथारिटी भेजा जाएगा। राज्य सरकार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक थाना प्रभारी शाहगंज व फूलपुर तथा उमा कांत यादव को प्रतिवादी बनाया गया था।

शिक्षा विभाग में महाघोटाला 27 लाख सैलरी वाले अधिकारी के खातों में करोड़ों का खेल

सारण, 30 जून (एजेंसियां)। सारण जिले के शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) माध्यमिक शिक्षा अजीत कुमार हरिजन पर वेंडर से 12.50 लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोपों की जांच में कई गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। पांच सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि डीपीओ ने अपनी वैध आय की तुलना में तीन करोड़ रुपये से अधिक की संदिग्ध संपत्ति अर्जित की है। रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंप दी गई है, जिसके बाद पूरे मामले में आगे की कार्रवाई पर नजरें टिक गई हैं। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) लक्ष्मण तिवारी की अध्यक्षता में गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में डीपीओ, उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के बैंक खातों व संपत्तियों की विस्तृत जांच कराने की अनुशंसा की है।

समिति का मानना है कि इससे बड़े वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है। जांच रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2023 से अप्रैल 2026 तक 32 महीनों में डीपीओ का कुल वेतन करीब 27.43 लाख रुपये रहा। वहीं इसी अवधि में डीपीओ और उनकी पत्नी के बैंक खातों में 2 करोड़ 51 लाख 6 हजार 562 रुपये का लेन-देन दर्ज किया गया। जांच समिति ने इसे आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक बताते हुए आय से अधिक संपत्ति का मामला माना है।

सपा सांसद डिंपल यादव परिवार संग बाबा की मंगला आरती में हुईं शामिल

दर्शन के बाद चखा बनारसी मिठाई का जायका

अदिति यादव सांसद डिंपल यादव अध्यक्ष अखिलेश यादव

वाराणसी, 30 जून (एजेंसियां)। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव इन दिनों अपने परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर काशी पहुंची हैं। इस यात्रा का उद्देश्य अखिलेश यादव के 52वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में बाबा विश्वनाथ दरबार में मत्था टेकना था। डिंपल यादव ने अपनी मां चंपा रावत, बेटी अदिति टीना, बेटा अर्जुन, बहनों और अन्य परिवार के सदस्यों के साथ मंगलवार की भोर में बाबा विश्वनाथ धाम का दौरा किया। वहां उन्होंने अपने परिवार के साथ बाबा की मंगला आरती में भाग लिया। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान उन्होंने बाबा के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की।

दर्शन के बाद, डिंपल यादव अपने परिवार के साथ चौक स्थित एक प्रसिद्ध मिष्ठान की दुकान पर गईं। वहां सभी ने बनारसी मिठाई का स्वाद लिया, जो इस क्षेत्र की विशेषता मानी जाती है। इस अवसर पर सपा के पूर्व पार्षद रंजना यादव और उनके पति मनीष यादव ने सांसद डिंपल यादव को अंग वस्त्र और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। इस धार्मिक यात्रा ने न केवल डिंपल यादव के परिवार को एकजुट किया, बल्कि काशी की सांस्कृतिक धरोहर और धार्मिक महत्व को भी उजागर किया। बनारस की मिठाइयों का स्वाद लेना इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा, जो इस क्षेत्र की समृद्ध खाद्य संस्कृति को दर्शाता है।

डिंपल यादव का यह दौरा उनके परिवार के लिए एक यादगार अनुभव रहा, जिसमें उन्होंने न केवल धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया, बल्कि स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का भी आनंद लिया। इस प्रकार की यात्राएं न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण होती हैं, बल्कि समाज में एकता और सांस्कृतिक समृद्धि को भी बढ़ावा देती हैं। इस यात्रा के दौरान डिंपल यादव ने अपने परिवार के साथ मिलकर धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया, जो उनके लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा।

'चरित्र प्रमाण पत्र का मतलब सिर्फ आपराधिक इतिहास बताना भर नहीं', हाई कोर्ट की एसएसपी औरैया को फटकार

प्रयागराज, 30 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने औरैया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) द्वारा जारी चरित्र प्रमाणपत्र को 'निंदा पत्र' करार देते हुए कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा है कि चरित्र प्रमाणपत्र का मतलब सिर्फ आपराधिक इतिहास बताना नहीं होता। एसएसपी को नया और विस्तृत चरित्र प्रमाणपत्र जारी करने का आदेश दिया गया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने सुमित सिंह की याचिका पर दिया। सुनवाई के दौरान अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता गिरिजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 10 जून 2026 को चरित्र प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया था, लेकिन याचिकाकर्ता को यह 24 जून को कोर्ट के आदेश के बाद सौंपा गया।

हाईकोर्ट ने प्रमाणपत्र देखकर कहा कि यह चरित्र प्रमाणपत्र कम और निंदा पत्र ज्यादा है। इसमें सिर्फ थाना, एलआइयू और जिला अपराध रिकार्ड ब्यूरो से मिली सूचना के आधार पर याचिकाकर्ता पर दर्ज मुकदमे का ब्योरा है। याची के सामान्य आचरण के बारे में एक शब्द भी नहीं है। जांच कर यह बताया जाना था कि समाज में याची की छवि कैसी है? क्या उसे सज्जन व्यक्ति माना जाता है, उसकी कुछ प्रतिष्ठा है, या वह अविश्वसनीय है। अथवा उसके कुछ ऐसे पूर्ववृत्त हैं जो उसके लिए ठीक नहीं हैं। यही चरित्र प्रमाणपत्र में चाहिए। कोर्ट ने 25 जून को हुई सुनवाई में एसएसपी औरैया को निर्देशित किया था कि वह 24 घंटे में नया विस्तृत चरित्र प्रमाणपत्र जारी कराएं।

1 से 5 जुलाई के बीच होगी जोरदार बारिश

देरी के पीछे 2 मौसम सिस्टम एक्टिव

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। भारत में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आखिरकार वापसी की तैयारी कर रहा है। मौसम वैज्ञानिक 2 अहम मौसम सिस्टम पर नजर बनाए हुए हैं, जिनके इस हफ्ते बंगाल की खाड़ी और मध्य भारत में बनने की उम्मीद है। इन मौसम सिस्टम के चलते ही देशभर में बड़े पैमाने पर बारिश की संभावना है। इसके बावजूद मॉनसून उत्तरी भारत में अबतक ठीक से जम नहीं पाया है। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और राजस्थान में भीषण गर्मी और उमस बनी हुई है। कहीं-कहीं थोड़ी बारिश और आंधी-तूफान से ही कुछ राहत मिल रही है। हालांकि इस इलाके में नमी लगातार बढ़ रही है, लेकिन मॉनसून का सिस्टम ठीक से न बन पाने के कारण बड़े पैमाने पर बारिश नहीं हो पा रही है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अब इसमें बदलाव होने वाला है। इसका मुख्य कारण 'मॉनसून ट्रफ़' है, जो कम दबाव वाला एक ऐसा क्षेत्र है, जिससे भारत में ज़्यादातर मौसमी बारिश होती है। हालांकि यह ट्रफ़ बन तो गया है, लेकिन ये सामान्य जगह से काफी उत्तर में हिमालय की तलहटी के बहुत करीब बना हुआ है। इस वजह से अच्छी बारिश वाला इलाका इंडो-गैंगेटिक मैदानों से दूर हट गया है, जिससे दिल्ली और आस-पास के राज्यों में मानसून के पूरी तरह से सक्रिय होने में देरी हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक आने वाले दिनों में यह ट्रफ धीरे-धीरे दक्षिण की ओर बढ़ेगा। जैसे-जैसे यह अपनी सामान्य स्थिति के करीब आएगा, हवा में अस्थिरता बढ़ने की उम्मीद है, जिससे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान और बड़े इलाके में बारिश हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह बदलाव 1 जुलाई से 5 जुलाई के बीच शुरू होगा, जब मॉनसून के उत्तरी भारत में मजबूती से जमने और तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी।

खान सर की अग्रिम जमानत पर 3 जुलाई को सुनवाई

कोर्ट ने मांगे गार्डों के हथियारों के दस्तावेज

पटना, 30 जून (एजेंसियां)। राजधानी के मुसल्लहपुर हाट स्थित खान ग्लोबल स्टडीज के संचालक फैजल खान उर्फ खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर अब 3 जुलाई को सुनवाई होगी। पटना सिविल कोर्ट ने मामले में खान सर के दोनों निजी सुरक्षा गार्डों के हथियारों के लाइसेंस की वैधता से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। कोचिंग विवाद से जुड़े इस मामले की सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष ने अदालत को बताया कि 2 जून की रात हुई घटना में खान सर के दोनों गार्ड अवैध हथियार लेकर मौजूद थे और दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग की गई थी। वहीं, खान सर की ओर से पेश अधिवक्ता ने सरकारी पक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि दोनों सुरक्षा गार्डों के हथियार पूरी तरह लाइसेंसी हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि हथियारों के लाइसेंस समेत सभी आवश्यक दस्तावेज पुलिस ने जांच के दौरान जब्त कर लिए हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने मामले के अनुसंधानकर्ता (आईओ) को निर्देश दिया कि हथियारों के लाइसेंस और उनसे संबंधित जब्त दस्तावेज 3 जुलाई को अदालत में प्रस्तुत किए जाएं।

अदालत ने अगली सुनवाई तक फैजल खान की गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक को भी बरकरार रखा है। यानी 3 जुलाई तक उन्हें राहत मिलती रहेगी।

'वोट नहीं तो सरकारी फायदे भी नहीं'

कर्नाटक में एसआईआर के बीच सीएम शिवकुमार की चेतावनी

बेंगलुरु, 30 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में मंगलवार से वोटर लिस्ट (मतदाता सूची) को सुधारने और अपडेट करने के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान शुरू हो गया है। इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जनता को सावधान करते हुए अपील की है कि सभी लोग यह पक्का कर लें कि उनका नाम वोटर लिस्ट में है या नहीं।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जो लोग अपना वोट देने का अधिकार खो देंगे, वे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और फायदों से भी हाथ धो बैठेंगे। मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि वोट देने का अधिकार, जीने के अधिकार जैसा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में इस अभियान के तहत अयोग्य राशन कार्ड धारकों की पहचान कर उनके नाम हटाने का आदेश जारी किया जा चुका है। दूसरे राज्य भी ऐसे ही कदम उठा रहे हैं। अगर आपने वोट देने का अधिकार खो दिया, तो आपको सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना भी बंद हो जाएगा। बता दें कि चुनाव आयोग मंगलवार से पूरे कर्नाटक में घर-घर जाकर वोटरों की गिनती और वेरिफिकेशन का काम शुरू कर रहा है, जो 29 जुलाई तक चलेगा। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अनबुकुमार ने बताया कि इस अभियान के तहत राज्य के 5.5 करोड़ से ज्यादा वोटरों को कवर किया जाएगा। इस काम के लिए 59050 बूथ लेवल अफसरों (बीएलओस) को मैदान में उतारा गया है। 7556 बीएलओ सुपरवाइजर और सैकड़ों चुनाव रजिस्ट्रेशन अधिकारी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1.1 लाख से ज्यादा बूथ लेवल एजेंटों को भी ट्रेनिंग दी गई है। इस पूरी प्रक्रिया में लोगों को सहूलियत देने के लिए डीके शिवकुमार सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। सरकार अब नागरिकों को स्थायी निवासी प्रमाणपत्र (पीआरसी) जारी करेगी, जो उनके पते का पक्का सबूत होगा।

इसके अलावा लोग इस सर्टिफिकेट के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए 'सेवा सिंधु' पोर्टल या फिर अपने नजदीकी नागरिक सेवा केंद्रों जैसे अटल जनस्नेही केंद्र (नादकचेरी), बेंगलुरु वन, कर्नाटक वन और ग्राम वन पर जाकर आवेदन किया जा सकता है।

दिल्ली एयरपोर्ट के वॉशरूम फ्लश में छिपाया 1.47 करोड़ का सोना

बांग्लादेशी ट्रांजिट यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने बांग्लादेशी ट्रांजिट यात्री को गिरफ्तार किया। उसके पास से करीब 1.47 करोड़ रुपए का 1,141.5 ग्राम सोना बरामद किया।

आरोपी ने सोने के पेस्ट से भरे तीन पैकेट एयरपोर्ट के वॉशरूम के फ्लश-बटन की कैविटी में छिपा रखे थे।

कस्टम विभाग के मुताबिक, यात्री 26 जून को दुबई से दिल्ली पहुंचा था और 27 जून को ट्रांजिट में था। संदिग्ध ट्रांजिट यात्रा के आधार पर अधिकारियों ने उस पर नजर रखी और डिपार्चर एरिया के वॉशरूम से बाहर निकलने के बाद उसे रोककर पूछताछ की।

पूछताछ में यात्री ने स्वीकार किया कि उसने गहरे नीले रंग के मोजे में लपेटकर तीन पीले रंग के अंडाकार पैकेट फ्लश-बटन की कैविटी में छिपाए हैं।

इसके बाद अधिकारियों ने वहां से पैकेट बरामद किए, जिनसे 1,141.5 ग्राम सोना निकला।

राम माधव के बयान पर भड़के ओवैसी

पीएम मोदी से पूछा– यह कैसी डिप्लोमेसी?

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने दावा किया है कि आरएसएस के विचारक और पूर्व बीजेपी नेता राम माधव पाकिस्तान के साथ ट्रैक-2 डिप्लोमेसी में जुटे हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी सवाल किया है कि जिस पाकिस्तान ने पहलगाम में 26 भारतीयों की हत्या कर दी, उससे इस तरह की कूटनीति कैसे की जा सकती है

'राम माधव पाकिस्तान से ट्रैक टू डिप्लोमेसी कैसे कर रहे'

असदुद्दीन ओवैसी ने अपने एक्स हैंडल पर अपने ही एक भाषण का वीडियो शेयर किया है। इसमें वे काफी तल्खी वाले अंदाज में बीजेपी और आरएसएस पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, '..हमको बोलते कि ये पाकिस्तानी है, ये जिहादी है, ये बांग्लादेशी है..।' ...तो ये राम माधव जाकर

पाकिस्तान के साथ ट्रैक-2 डिप्लोमेसी पर असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा दावा

पाकिस्तान से ट्रैक टू डिप्लोमेसी कैसे कर रहे हैं?..आरएसएस के.. वो पाकिस्तान जिसने पहलगाम में भारत के 26 लोगों को गोली मार दी थी। वो पाकिस्तान जिसकी सपोर्ट पर दिल्ली में लाल किले पर सुसाइड बम के जरिए 50 लोगों की मौत हुई, जिसमें हिंदू और मुसलमान मारे गए...बोलो बीजेपी वालों, बोलो प्रधानमंत्री, कैसे राम माधव जाकर बात कर रहे हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि '(पाकिस्तान से) बात करने वाले का नाम राम माधव नहीं, ओवैसी होता तो टीवी वाले आसमान को सिर पर उठा लेते..कि तुमने पाकिस्तान से बात की...। अरे हमको पाकिस्तान से क्या लेना-देना?' हालांकि, सरकार के शीर्ष सूत्रों ने पाकिस्तान के साथ हालिया संवाद को ट्रैक-2 डिप्लोमेसी होने के दावे का साफ खंडन किया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सिंधु जल संधि को लेकर रियायत दिए जाने के दावे भ्रामक और तथ्यात्मक तौर गलत हैं।

सूत्रों के मुताबिक भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ आधिकारिक तौर पर ट्रैक-2 डिप्लोमेसी के लिए किसी को भी अधिकृत नहीं किया है। यही नहीं, केंद्र सरकार ने सिंधु जल संधि को लेकर भी भारत के रुख में किसी तरह के बदलाव से स्पष्ट इनकार किया है।

राम माधव एक राजनेता और समाजसेवी हैं। इस समय वे नई दिल्ली स्थित एक थिंक टैंक इंडिया फाउंडेशन (आईएफ) के अध्यक्ष हैं। 2014 से लेकर 2020 तक ये बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव रह चुके हैं और जम्मू और कश्मीर से जुड़ी पार्टी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

चलती स्कूल बस पर पेड़ गिरा एक छात्र की मौत, 11 घायल

सभी स्टूडेंट स्कूल से घर लौट रहे थे

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। मुंबई के चेंबूर इलाके में मंगलवार दोपहर प्राइवेट स्कूल बस पर एक विशाल पेड़ गिर गया। बस में कुल 12 स्टूडेंट थे, जिनका रेस्क्यू किया गया। इनमें से 11 साल के छात्र विहान श्रीवास्तव की अस्पताल में मौत हो गई जबकि 11 घायल स्टूडेंट अस्पताल में भर्ती है।

स्कूल की छुट्टी के बाद प्राइवेट बस रोज की तरह बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही थी। तभी रोड नंबर 11 पर सड़क किनारे लगे पेड़ की बड़ी डालियां बस की छत पर आ गिरीं, जिससे बस का अगला और बीच का हिस्सा बुरी तरह दब गया।

पेड़ गिरते ही बस के अंदर मौजूद बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग बस के पास पहुंचे। स्थानीय लोगों, पुलिस और फायर ब्रिगेड ने घायल बच्चों को बस से बाहर निकाला। मशीनों और कटर की मदद से पेड़ को काटा जा रहा है। हादसे की खबर मिलते ही बच्चों के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। अपने बच्चों की चिंता में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और सभी की निगाहें रेस्क्यू ऑपरेशन पर टिकी हुई हैं।

पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर ट्रैफिक को नियंत्रित करना शुरू कर दिया है।

सिर्फ नीयत साफ होने से काम नहीं, कार्रवाई भी दिखे, चढ़ावा चोरी मामले पर राज ठाकरे

कहा– हिसाब सार्वजनिक हो

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में पूरा विपक्ष राज्य और केंद्र सरकार पर लगातार निशाना साध रहा है। इस बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे का बयान सामने आया है। उन्होंने इस घोटाले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार की चुप्पी पर सवाल भी उठाए।

उन्होंने कहा कि भगवान राम के नाम पर राजनीति करने वालों को अब जवाब देना चाहिए। राज ठाकरे ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया है। जिसमें उन्होंने श्रद्धालुओं के दान और आभूषणों का पूरा हिसाब सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस घोटाले से जनता की आस्था को ठेस पहुंची है, ऐसे में जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि सिर्फ नीयत साफ होने से काम नहीं चलेगा बल्कि कार्रवाई भी दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर किसी एक पार्टी का नहीं, करोड़ों हिंदुओं, साधु-संतों और

कारसेवकों की आस्था का प्रतीक है। अपनी पोस्ट में एमएनएस प्रमुख ने कहा 'अयोध्या के श्रीराम मंदिर की हुंडी में जमा होने वाले दान, श्रद्धालुओं द्वारा दी जाने वाली नकद राशि, आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुओं का कोई ठोस हिसाब-किताब नहीं रखा जा रहा है और उसमें गड़बड़ी एवं गबन की स्पष्ट आशंका जताई जा रही है।

इस पूरे मामले की जांच कर रही एसआईटी ने भी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की है और कुछ आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है'। सत्ता पक्ष की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए राज ठाकरे ने कहा कि बीजेपी के किसी भी मंत्री ने इस घोटाले के बारे में कुछ नहीं कहा, सभी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने सवाल किया 'प्रभु श्रीराम का नाम लेकर सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने वालों को इस गबन के बारे में कुछ भी महसूस नहीं होता?

क्या दूसरे दलों के सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों को अपने पक्ष में लाने की राजनीति करते-करते उन्हें इसनी आदत हो गई है, या उनका मन इतना कठोर हो गया है कि श्रद्धालुओं के दान की लूट भी उन्हें विचलित नहीं करती?

या फिर जिस लोकसभा क्षेत्र में अयोध्या आती है, वहां 2024 में बीजेपी को जनता ने नकार दिया, इसलिए भगवान राम को एक बार फिर वनवास भेजा जा रहा है?'

मालिक को बचाने के लिए कोबरा से भिड़ी फीमेल डॉग

25 सेकेंड लड़े दोनों, मुंह–पंजे पर डंक मारा, करनाल में 8 मिनट में दम तोड़ा

करनाल, 30 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल में एक पालतू फीमेल लैब्रा ने अपने मालिक की जान बचाने के लिए ब्लैक कोबरा से भिड़कर अपनी जान दे दी। घर में सांप घुसता देख डॉग जिम्मी उस पर टूट पड़ी। इस दौरान कोबरा ने उसके मुंह और पंजे पर कई बार डंक मारे, लेकिन वह पीछे नहीं हटी और लगातार उससे लड़ती रही।

करीब 25 सेकेंड तक चली इस लड़ाई के बाद सांप पास में जाकर छिप गया। वहीं, डंक का जहर फैलने से करीब 8 मिनट के भीतर जिम्मी की मौत हो गई।

इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिम्मी के मालिक सुमित ठाकुर का कहना है कि अगर जिम्मी सांप से नहीं भिड़ती तो कोबरा घर के अंदर घुस सकता था और बड़ा हादसा हो सकता था। रविवार शाम करीब 6 बजे निसिंग निवासी सुमित ठाकुर अपने दोनों पालतू लैब्रा जिम्मी और मैक्स को घुमाने के लिए बाहर निकल रहे थे। तभी घर के गेट से एक ब्लैक कोबरा सांप अंदर घुसता दिखाई दिया। इससे पहले कि सुमित कुछ समझ पाते, दोनों कुत्ते सांप की तरफ दौड़ पड़े।

सुमित ने बताया कि सांप ने जैसे ही फन फैलाया, जिम्मी ने सबसे पहले उस पर हमला कर दिया। इस दौरान कोबरा ने उसके मुंह और पंजे पर डंक मार दिया। डंक लगने के बावजूद जिम्मी लगातार सांप से लड़ता रहा। वहीं दूसरा लैब्रा मैक्स भी सांप के आसपास घूमता रहा, ताकि वह आगे न बढ़ सके। करीब 25 सेकेंड तक दोनों लड़े।

सुमित ने बताया कि करीब 8 मिनट के भीतर जिम्मी के शरीर में जहर फैल गया और उसकी हालत बिगड़ने लगी। इसी दौरान सांप पास की दीवार के किनारे जाकर छिप गया। उन्होंने तुरंत स्नेकमैन को सूचना दी। मौके पर पहुंचे स्नेकमैन ने कोबरा को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया।

अमेरिकी सांसद बोले-भारत से 30 साल में सबसे खराब रिश्ते

ट्रम्प के एकतरफा फैसले ने भरोसा तोड़ा, यकीन न हो तो जयशंकर से पूछिए

वॉशिंगटन, 30 जून (एजेंसियां)। भारतीय मूल के अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों की वजह से भारत और अमेरिका के रिश्ते पिछले 30 साल में सबसे खराब दौर में पहुंच गए हैं।

वॉशिंगटन में आयोजित यूएस-इंडिया स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप फोरम (USISPF) लीडरशिप समिट 2026 में उन्होंने कहा कि ट्रम्प की टैरिफ नीति, ईरान के साथ युद्ध और सहयोगी देशों से बिना सलाह लिए फैसले करने से अमेरिका की साख को नुकसान पहुंचा है। खन्ना ने कहा-मैं बातों को घुमाकर नहीं कहता। भारत-अमेरिका के रिश्ते पिछले 30 साल में सबसे निचले स्तर पर हैं। ईरान युद्ध का असर भारत में गैस की कीमतों पर भी पड़ा। अगर भरोसा नहीं है तो विदेश मंत्री एस. जयशंकर से पूछ लीजिए।

रो खन्ना ने ट्रम्प की टैरिफ नीति को भी गलत बताया। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में चीन यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात एक भारतीय राजदूत से हुई। खन्ना के मुताबिक राजदूत ने उनसे कहा, 'आपके राष्ट्रपति की

वजह से भरोसे की एक पूरी पीढ़ी खत्म हो गई है।'

उन्होंने कहा कि अगर ट्रम्प की नीतियों से हुए नुकसान को स्वीकार नहीं किया गया तो यह सच्चाई से मुंह मोड़ने जैसा होगा।

रो खन्ना ने ट्रम्प को 'लेम डक' राष्ट्रपति बताते हुए दावा किया कि डेमोक्रेटिक पार्टी अगले मिड-टर्म चुनाव में प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल करेगी और 2028 का राष्ट्रपति चुनाव भी जीतेगी। नई पीढ़ी को अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के देशों के साथ उसके रिश्ते भी दोबारा मजबूत करने होंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट का जिक्र करते हुए कहा कि वे दुनिया के देशों के साथ मिलकर चलने में विश्वास रखते थे और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का भी समर्थन करते थे। कार्यक्रम में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहता है और दुनिया में भारत की बढ़ती ताकत को पूरी तरह स्वीकार करता है।

गोर ने कहा, 'हम भारत के साथ एक और बड़े समझौते को पूरा करने के बहुत करीब हैं। प्रस्तावित व्यापार समझौता अंतिम चरण में पहुंच गया है।' गोर ने बताया कि कुछ हफ्ते पहले नई दिल्ली में एक भारतीय मंत्री से उनकी मुलाकात हुई थी।

स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ पीलीभीत कोर्ट में परिवाद दायर

भगवान राम और हनुमान पर टिप्पणी का मामला

पीलीभीत, 30 जून (एजेंसियां)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम व पवनसुत हनुमान के विरुद्ध टिप्पणी करने के मामले में पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के विरुद्ध पीलीभीत के एमपी एमएलए कोर्ट में परिवाद दायर किया गया। इस मामले में 31 जुलाई तिथि नियत की गई। भगवान श्री राम व हनुमान के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणियां करने पर यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ

एमपी-एमएलए कोर्ट में परिवाद दायर किया गया है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने मामले पर संज्ञान लेते हुए परिवाद दर्ज कर सुनवाई के लिए 31 जुलाई की तिथि नियत की गई। ज्वालामुखी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नीलेश चतुर्वेदी एडवोकेट ने एमपी एमएलए कोर्ट में दाखिल परिवाद में कहा कि 23 जून को गाजीपुर जिले में एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक स्वामी प्रसाद मौर्य ने सार्वजनिक मंच से भगवान श्री राम व राम मंदिर के साथ हनुमान जी के अस्तित्व पर सवाल उठाते हुए अमर्यादित व अपमानजनक टिप्पणियां की। उन्होंने सार्वजनिक मंच से हनुमान जी के पौराणिक प्रसंगों का मजाक उड़ाते हुए उन्हें मामूली सा बंदर कहकर संबोधित किया।

अमरनाथ यात्रा से पहले बड़ा एक्शन

आतंकियों का मददगार हाजी लतीफ गिरफ्तार

12 से ज्यादा घुसपैठ में मदद का आरोप

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। कठुआ अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कठुआ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी आतंकियों के मददगार हाजी लतीफ को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने 12 से अधिक आतंकियों की भारत में घुसपैठ कराने में मदद की थी। जांच एजेंसियों का कहना है कि हाजी लतीफ लंबे समय से पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी हैंडलर्स के संपर्क में था। वह आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट, सुरक्षित

ठिकाने और सीमावर्ती क्षेत्रों से पहाड़ी इलाकों तक पहुंचाने में सहयोग करता था।

पुलिस का दावा है कि उसकी गतिविधियां लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में थीं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान यह गिरफ्तारी की गई है। आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है। बताया जा रहा है कि हाजी लतीफ का नाम पहली बार हीरानगर के सैडा सोहल क्षेत्र में हुए एक एनकाउंटर के बाद जांच के दौरान सामने आया था। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने उसके खिलाफ सबूत जुटाए और कार्रवाई को अंजाम दिया।

मां-बेटे की हत्या

देवघर, 30 जून (एजेंसियां)। देवघर जिले के सोनारायठाड़ी थाना क्षेत्र स्थित नवाडीह गांव में मां-बेटे की हत्या कर दी गई है। इस दोहरे हत्याकांड की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में सक्रियता बढ़ गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू की। स्थानीय लोगों ने नवाडीह गांव में मां और बेटे के शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने की सूचना है। मृतकों में जुबेदा खातून और उनका बेटा शामिल है। घटना की सूचना पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस द्वारा घटनास्थल से विभिन्न साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। फोरेंसिक टीम भी घटना के कारणों और आरोपियों की पहचान के लिए जांच कर रही है। हत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस पारिवारिक विवाद, आपसी रंजिश और संपत्ति विवाद जैसे संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और सभी बिंदुओं पर गहन जांच जारी है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही घटना के कारणों का खुलासा कर दोषियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 1 जुलाई - 2026

जब दवा भी बेईमान हो जाए

स्वास्थ्य व्यवस्था केवल अस्पतालों, मशीनों और दवाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास की आधारशिला है। यदि इस व्यवस्था में भ्रष्टाचार घर कर जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान उसी वर्ग को उठाना पड़ता है, जिसके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं होता। इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई केवल कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि जनजीवन की सुरक्षा का राष्ट्रीय दायित्व है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना यह नहीं होता कि सरकार कितनी योजनाएं घोषित करती है, बल्कि यह होता है कि उन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक कितनी ईमानदारी और पारदर्शिता से पहुंच रहा है। लेकिन जब सरकारी अस्पतालों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद तक भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाए, तब यह केवल वित्तीय अनियमितता नहीं रह जाती, बल्कि सीधे-सीधे नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य और उनके संवैधानिक अधिकारों पर आघात करती है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग में दवाओं, सर्जिकल सामग्री और अन्य चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कथित अनियमितताओं के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा दो पूर्व अधिकारियों की गिरफ्तारी ने सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर खामियों की पोल खोल दी है। आरोप है कि खरीद प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी कर करोड़ों रुपये के सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। यदि जांच में ये आरोप प्रमाणित होते हैं, तो यह स्पष्ट होगा कि मरीजों की सेवा और उपचार के लिए आवंटित सार्वजनिक धन को निजी लाभ का कैसे और कितना दुरुपयोग किया गया है। ऐसे मामलों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ता है। सरकारी अस्पताल उन्हीं लोगों की अंतिम उम्मीद होते हैं, जो निजी अस्पतालों के महंगे इलाज का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं होते। जब अस्पतालों में आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं रहतीं, चिकित्सा उपकरणों की कमी होती है या खरीद में भ्रष्टाचार के कारण घटिया गुणवत्ता की सामग्री पहुंचती है, तब मरीजों को अपनी जेब से दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। कई बार उपचार में देरी होती है, जिससे सामान्य बीमारी भी गंभीर रूप ले लेती है। इसका मूल्य केवल आर्थिक रूप से नहीं, बल्कि अनमोल जीवन और जनता के विश्वास से भी चुकाना पड़ता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इतनी व्यापक अनियमितताएं वर्षों तक बिना किसी प्रभावी कार्रवाई के कैसे चलती रहीं। यदि विभागीय निगरानी, नियमित ऑडिट, ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत होती, तो करोड़ों रुपये के घोटालों की नौबत नहीं आती। इससे यह भी स्पष्ट है कि केवल दोषियों को पकड़ना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरी व्यवस्था की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष समीक्षा और सुधार भी उतना ही आवश्यक है। स्वास्थ्य क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना अब समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। सरकारी खरीद प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, प्रतिस्पर्धी और सार्वजनिक निगरानी के दायरे में होनी चाहिए। प्रत्येक खरीद का विवरण सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाए, स्वतंत्र एजेंसियों से नियमित ऑडिट कराया जाए तथा दोषी अधिकारियों और संबंधित संस्थाओं के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की जाए। ईमानदार अधिकारियों को संरक्षण देने और व्हिसलब्लोअर व्यवस्था को प्रभावी बनाने की दिशा में भी गंभीर प्रयास होने चाहिए। सरकारों को यह समझना होगा कि स्वस्थ भारत का सपना तभी साकार होगा, जब स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही को भी तय की जाएगी। तभी सरकारी अस्पताल वास्तव में आम नागरिक के भरोसे का केंद्र बन सकेंगे।

कल्पक्कम : जहाँ भविष्य का ईंधन आकार ले रहा है

आरके जैन

जब कोई राष्ट्र नई तकनीक नहीं, बल्कि नई दिशा गढ़ता है, तभी इतिहास करवट लेता है। 26 जून 2026 को कल्पक्कम ने भारत को ऐसा ही गौरवशाली क्षण दिया। परमाणु ऊर्जा विभाग ने इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) में विश्व के पहले तांबा-क्लोरीन थर्मोकेमिकल चक्र आधारित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र का शुभारंभ कर ऊर्जा विज्ञान की स्थापित धारणाओं को नई चुनौती दी। फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (एफबीटीआर) की न्यूक्लियर प्रोसेस हीट से संचालित यह संयंत्र पारंपरिक इलेक्ट्रोलिसिस आधारित प्रणालियों से पूरी तरह भिन्न है। इसकी नींव भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) की स्वदेशी तकनीक और आईजीसीएआर की फास्ट रिएक्टर विशेषज्ञता पर टिकी है। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक प्रयोग की सफलता नहीं, बल्कि इस सत्य का प्रमाण है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी परिवर्तन का सहभागी नहीं, उसका पथप्रदर्शक बनने की क्षमता हासिल कर चुका है। ऊर्जा का भविष्य केवल अधिक उत्पादन में नहीं, बेहतर तकनीक में छिपा है। ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में दुनिया अब तक महंगे और बिजली-आधारित इलेक्ट्रोलिसिस मॉडल पर निर्भर रही, लेकिन कल्पक्कम ने यह समीकरण बदल दिया। भारत ने तांबा-क्लोरीन थर्मोकेमिकल चक्र के माध्यम से लगभग 500–550 डिग्री सेल्सियस के अपेक्षाकृत कम तापमान पर अधिक ऊर्जा दक्ष और कम लागत वाली तकनीक विकसित की है। यह तापमान अन्य थर्मोकेमिकल चक्रों (जैसे सल्फर-आयोडीन) की तुलना में काफी कम है, जिससे यह न्यूक्लियर रिएक्टर्स के साथ बेहतर अनुकूल है। इस प्रक्रिया में एफबीटीआर से प्राप्त परमाणु ऊष्मा पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करती है, वह भी बिना किसी कार्बन उत्सर्जन के। डॉ. अजित कुमार मोहंती के नेतृत्व में स्थापित यह पायलट संयंत्र परमाणु ऊर्जा की भूमिका को नई परिभाषा देता है। अब परमाणु रिएक्टर केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि भविष्य के सबसे स्वच्छ ईंधन के स्रोत भी बनेंगे। यही दूरदृष्टि भारत को वैश्विक ऊर्जा अनुसंधान की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करती है।

कल्पक्कम की सबसे बड़ी उपलब्धि उसकी तकनीक नहीं, उसकी स्वदेशी पहचान है। तांबा-क्लोरीन प्रक्रिया का विकास बार्क (बीएआरसी) ने किया और उसे व्यवहारिक रूप आईजीसीएआर ने दिया। भारत का एकमात्र सक्रिय फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (एफबीटीआर) अब केवल बिजली ही नहीं, ग्रीन हाइड्रोजन का भी स्रोत बन चुका है। इससे भारत के तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को नई प्रासंगिकता और व्यापक आयाम मिला है।

लंबे समय तक दुनिया भारत को परमाणु तकनीक का उपभोक्ता मानती रही, लेकिन कल्पक्कम ने यह धारणा बदल दी। भारत ने साबित कर दिया है कि वह तकनीक का आयातक नहीं, वैश्विक नवाचार का निर्माता भी बन सकता है। वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता का यही वास्तविक अर्थ है-समाधान अपनी प्रयोगशालाओं में गढ़ना और दुनिया को नई राह दिखाना। हरित ऊर्जा की असली कसौटी केवल स्वच्छ होना नहीं, हर पल उपलब्ध रहना भी है। सौर और पवन ऊर्जा पर्यावरण के लिए वरदान हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी सीमा मौसम पर निर्भरता है। परमाणु ऊर्जा इस बाधा से मुक्त है। इसलिए कल्पक्कम की यह तकनीक चौबीसों घंटे, वर्षभर कार्बन-मुक्त ग्रीन हाइड्रोजन उपलब्ध कराने की क्षमता रखती है। इसका सबसे बड़ा लाभ इस्पात, उर्वरक, रसायन उद्योग और भारी परिवहन जैसे उन क्षेत्रों को मिलेगा, जहाँ कार्बन उत्सर्जन घटाना अब तक कठिन चुनौती रहा है।

क्यों लगातार असफल हो रही हैं भारतीय एयरलाइंस ?

पंकज जायसवाल

भारत आज विश्व के सबसे तेजी से विकसित होते विमानन बाजारों में शामिल है। पिछले दो दशकों में हवाई यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ चुकी है। देशभर में नए हवाई अड्डों का निर्माण और पुराने हवाई अड्डों का विस्तार अभूतपूर्व गति से हो रहा है। भारतीय एयरलाइंस ने सामूहिक रूप से एक हजार से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया है जिनकी कीमत सैकड़ों अरब डॉलर है। सरकार की उड़ान योजना ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूत किया है और हवाई यात्रा अब मध्यम वर्ग की पहुँच में आ चुकी है।

लेकिन यदि हम भारतीय विमानन उद्योग के वित्तीय इतिहास पर नजर डालें तो तस्वीर बिल्कुल अलग दिखाई देती है। एयर डेक्कन और सहारा एयरलाइंस इतिहास बन गईं। किंगफिशर एयरलाइंस और जेट एयरवेज जैसी प्रतिष्ठित कंपनियाँ धराशायी हो गईं। गोएयर, गो फर्स्ट बनकर भी दिवालिया प्रक्रिया में चली गई। जेट जैसे कई छोटे ऑपरेटर अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करते रहे। एयर इंडिया ने निजीकरण से पहले कई हजार करोड़ से अधिक का घाटा दर्ज किया और निजीकरण के बाद भी कंपनी घाटा एकीकरण, संचालन तथा लाभप्रदता जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है।ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जब यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, तब भी एयरलाइंस अपने निवेशकों के लिए मूल्य क्यों नहीं बना पा रहीं? इसका उत्तर विमानन उद्योग की वास्तविक अर्थव्यवस्था को समझने में छिपा है। सामान्य धारणा यह है कि एयरलाइंस यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाकर लाभ कमाती हैं। लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। विमानन केवल परिवहन का व्यवसाय नहीं, बल्कि कैश फ्लो का व्यवसाय है। किसी भी एयरलाइन की सफलता तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित होती है पहला, मजबूत नकदी प्रवाह दूसरा, विमान का अधिकतम उपयोग और तीसरा, प्रभावी यील्ड मैनेजमेंट, अर्थात प्रत्येक सीट से अधिकतम राजस्व प्राप्त करना।

जो विमान जमीन पर खड़ा है, वह कोई आय उत्पन्न नहीं करता। जो सीट खाली उड़ गई, उसे दोबारा कभी बेचा नहीं जा सकता। और यदि टिकट उसकी वास्तविक लागत से कम कीमत पर बेच दिया गया, तो वह नुकसान स्थायी हो जाता है।

इसलिए विमानन ऐसा उद्योग है जहाँ परिचालन अनुशासन और वित्तीय अनुशासन एक-दूसरे से अलग नहीं किए जा सकते। भारत की अधिकांश असफल एयरलाइंस इन्हीं मूलभूत सिद्धांतों पर नियंत्रण खो बैठीं। भारतीय विमानन उद्योग आज चार गंभीर संरचनात्मक समस्याओं से जूझ रहा है। पहली समस्या है अत्यधिक लागत। विश्वभर में एयरलाइंस सामान्यतः केवल 3 से 8 प्रतिशत के शुद्ध लाभ मार्जिन पर काम करती हैं। भारत में स्थिति और कठिन है। यहाँ विमान ईंधन पर ऊँचे कर, एयरपोर्ट शुल्क, नेविगेशन शुल्क, सुरक्षा व्यय, डॉलर में देय विमान लीज़ किराया, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े रखरखाव व्यय तथा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव एयरलाइंस की लागत को अत्यधिक बढ़ा देते हैं। केवल ईंधन ही कुल परिचालन लागत का 35 से 45 प्रतिशत तक हो सकता है। जैसे ही कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है या रुपया कमजोर होता है, एयरलाइंस का लाभ तुरंत प्रभावित हो जाता है। उत्पादन उद्योग की तरह एयरलाइंस हर बार अपनी कीमतें नहीं बढ़ा सकतीं। यही संरचनात्मक असंतुलन भारतीय विमानन की सबसे बड़ी कमजोरी है।

दूसरी समस्या है ऋण आधारित विस्तार। भारत की अनेक एयरलाइंस ने अपनी वित्तीय क्षमता से कहीं अधिक तेजी से विस्तार किया। एक नैरो-बॉडी विमान की कीमत लगभग 500 से 800 करोड़ तक होती है, जबकि वाइड-बॉडी विमान की कीमत 2,000 करोड़ से भी अधिक हो सकती है। इसलिए अधिकांश एयरलाइंस ऑपरेटिंग लीज़, फाइनेंस लीज़, बैंक ऋण अथवा सेल-एंड-लीजबैक जैसी व्यवस्थाओं पर निर्भर रहती हैं। परिणामस्वरूप उनके ऊपर भारी स्थायी वित्तीय दायित्व आ जाते हैं। जब मांग घटती है या लागत बढ़ती है, तब नकदी प्रवाह कमजोर हो जाता है लेकिन लीज़ और ऋण की किश्तें लगातार चुकानी ही पड़ती हैं। किंगफिशर एयरलाइंस इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कंपनी ने प्रीमियम ब्रांड बनने की रणनीति अपनाई लेकिन उसका विस्तार मुख्यतः ऋण के सहारे हुआ। एयर डेक्कन के अधिग्रहण ने वित्तीय और परिचालन जटिलताओं को और बढ़ा दिया। अंततः कंपनी पर कई हजार करोड़ से अधिक का कर्ज हो गया। ब्याज का बोझ असहनीय हो गया, कर देनदारियाँ बढ़ती गईं और कार्यशील पूंजी समाप्त हो गई। किंगफिशर इसलिए बंद नहीं हुई क्योंकि यात्रियों ने उड़ान भरना बंद कर दिया था; बल्कि इसलिए क्योंकि उसकी देनदारियाँ उसकी नकदी उत्पन्न करने की क्षमता से कहीं अधिक तेजी से बढ़ती चली गईं।

तीसरी समस्या है बाजार हिस्सेदारी की अंधी दौड़। कई एयरलाइंस ने लाभ कमाने के बजाय बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने को प्राथमिकता दी। उनकी सोच थी कि पहले अधिक से अधिक यात्री जोड़ लिए जाएँ, लाभ बाद में अपने आप आ जाएगा लेकिन विमानन उद्योग इस सिद्धांत पर काम नहीं करता। प्राइस वार से कुछ समय के लिए यात्रियों की संख्या बढ़ सकती है, लेकिन इससे टिकटों की औसत आय स्थायी रूप से घट जाती है। भारत में कई बार एयरलाइंस ने केवल प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए टिकट उनकी वास्तविक आर्थिक लागत से भी कम कीमत पर बेचे। इसका लाभ यात्रियों को मिला, लेकिन निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। वस्तुतः कई एयरलाइंस उधार लिए गए धन से यात्रियों की यात्रा को सब्सिडी दे रही थीं, जो कभी भी टिकाऊ मॉडल नहीं हो सकता था।चौथी समस्या है कमजोर फ्लीट योजना। विमान बेड़े की योजना विमानन व्यवसाय के सबसे कम आंके गए लेकिन सबसे महत्वपूर्ण पक्षों में से एक है। अलग-अलग प्रकार के विमानों के लिए अलग पायलट प्रशिक्षण, अलग स्पेयर पार्ट्स, अलग रखरखाव व्यवस्था और अलग इंजीनियरिंग सहायता की आवश्यकता होती है। जितना अधिक विविध विमान बेड़ा होगा, परिचालन लागत उतनी ही अधिक होगी।

जेट एयरवेज इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। सेवा गुणवत्ता, ग्राहक संतुष्टि और ब्रांड प्रतिष्ठा के मामले में वह विश्वस्तरीय एयरलाइंस की श्रेणी में गिनी जाती थी। उसके ग्राहकों की वफादारी भी मजबूत थी। फिर भी कंपनी बंद हो गई। कारण स्पष्ट था उत्कृष्ट परिचालन भी कमजोर बैलेंस शीट की भरपाई नहीं कर सकता। कम लागत वाली एयरलाइंस के मुकाबले जेट की लागत अधिक थी। जैसे-जैसे प्रतिस्पर्धा बढ़ी और किराए घटे, उसकी लाभप्रदता समाप्त होती चली गई। इससे यह महत्वपूर्ण शिक्षा मिलती है कि एक अच्छी एयरलाइन होना और एक अच्छा व्यवसाय होना, दोनों अलग-अलग बातें हैं।

वेनेजुएला का भूकंप मानव जाति के लिए चेतावनी

दुर्गेश्वर राय

लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला में प्रकृति ने अपनी संहारक शक्ति का जो दृश्य प्रस्तुत किया है, उसने वैश्विक भू-वैज्ञानिक समुदाय की रातों की नींद उड़ा दी है। राजधानी काराकास से लगभग 160 किलोमीटर पश्चिम में महज 60 सेकंड के भीतर आए बैक-टू-बैग दो महाविनाशकारी झटकों ने, जिनमें पहला 7.5 और दूसरा 7.2 तीव्रता का था, रिक्टर स्केल की पाँचवी यानी अति शक्तिशाली श्रेणी को पार करते हुए पलक झपकते ही हंसते-खेलते शहरों को मलबे के पहाड़ों में तब्दील कर दिया। इस जुड़वां भूकंप के कारण लाखों लोगों के हताहत होने की आशंका ने दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के चरमराते सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर पृथ्वी के भीतर छिपे उन अदृश्य खतरों को उजागर किया है जो पूरी मानव सभ्यता के लिए एक गंभीर चेतावनी हैं।

इस आपदा की जड़ों में छिपा वैज्ञानिक सच पृथ्वी की परतों की एक बेहद जटिल और खतरनाक हलचल से जुड़ा है। भू-वैज्ञानिकों के अनुसार, इस तबाही का मुख्य सूत्रधार शैलो स्ट्राइक-स्लिप फॉल्टिंग नामक भूगर्भीय प्रक्रिया रही। कैरेबियन प्लेट और दक्षिण अमेरिकी प्लेट के मिलन बिंदु पर दोनों विशालकाय प्लेटें एक-दूसरे के समानांतर आगे-पीछे खिसकीं और जब इस क्षैतिज रगड़ से पैदा हुआ घर्षण जब अपनी चरम सीमा पर पहुंचा तो पृथ्वी के भीतर मौजूद हाइपोसेंटर (भूकंप मूल) से ऊर्जा का एक महाविस्फोट हुआ। चूंकि यह ऊर्जा धरातल के बहुत करीब मुक्त हुई, इसलिए भूकंपीय तरंगों को अपनी विनाशकारी क्षमता खोने का अवसर ही नहीं मिला। इन तरंगों में से सबसे घातक साबित हुईं धरातलीय तरंगें, जिन्होंने धरातल पर क्षैतिज और लहरदार कंपन पैदा करके बहुमंजिला इमारतों की नींव को ताश के पत्तों की तरह उखाड़ फेंका।जहाँ आधुनिक विज्ञान इसे विशुद्ध रूप से टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल मानता है, वहीं प्राचीन खगोलीय और ज्योतिषीय दृष्टिकोण इस तरह की महाविनाशकारी घटनाओं को ब्रह्मांडीय पिंडों के आपसी संबंध से जोड़कर देखता है। मेदिनी ज्योतिष के सिद्धांतों के अनुसार, जब क्रूर और बड़े ग्रह जैसे शनि, राहु और मंगल का गोचर पृथ्वी और वायु तत्व की राशियों में होता है या जब ग्रहों के बीच कोई खतरनाक युति व समसप्तक दृष्टि संबंध बनता है, तो पृथ्वी के भीतर की चुंबकीय और गुरुत्वाकर्षण ऊर्जा में भारी असंतुलन पैदा होता है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, सूर्य और चंद्र ग्रहण के आसपास की अवधि, या जब दो भारी ग्रह एक-दूसरे के बेहद करीब आकर ग्रह युद्ध की स्थिति पैदा करते हैं, तब भूगर्भीय प्लेटों पर दबाव अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाता है। इतिहास गवाह है कि जब-जब क्रूर ग्रहों ने पृथ्वी तत्व की राशियों में अशांत गोचर किया है, तब-तब वेनेजुएला और हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े भूगर्भीय स्पंदन और प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिली हैं, जो इस बात का संकेत हैं कि ब्रह्मांडीय ऊर्जाएं सीधे तौर पर भूगर्भ को उद्वेलित करती हैं।

इस आपदा का वेनेजुएला पर पड़ा तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव रोंगटे खड़े करने वाला है। भूकंप के समय अधिकांश कार्यालय और स्कूल बंद होने के कारण लोग अपने घरों के भीतर ही सुरक्षित मान रहे थे, लेकिन यही उनके लिए काल बन गया। पुरानी और कमजोर निर्माण शैली के कारण इमारतें कंक्रीट के कब्रिस्तानों में तब्दील हो गईं, जिससे मलबे के नीचे दबी जिंदगी को बचाना राहत एजेंसियों के लिए एक चुनौती बन गया है। बुनियादी ढाँचा, संचार, बिजली और पानी की आपूर्ति पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। इस त्रासदी की भयावहता यहीं समाप्त नहीं होती; तटीय क्षेत्रों में समुद्र के भीतर मची उथल-पुथल ने अब सुनामी के खतरे को जन्म दे दिया है, जिससे एक और संभावित प्रलय का साया मंडरा रहा है। पहले से ही गंभीर आर्थिक बदहाली और उच्च मुद्रास्फीति से जूझ रहे वेनेजुएला के लिए यह आपदा एक ऐसा चक्रव्यूह बन गई है जिससे बाहर निकलने में दशकों लग सकते हैं।वैश्विक फलक पर इस भूगर्भीय असंतुलन के परिणाम बेहद गंभीर और दूरगामी होने वाले हैं। वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों का स्वामी है; ऐसे में उसकी तेल रिफाइनरियों, उत्पादन केंद्रों और बंदरगाहों को पहुंची क्षति अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति को बाधित करेगी, जिससे दुनिया भर में ऊर्जा संकट और मुद्रास्फीति का नया दौर शुरू हो सकता है। वैज्ञानिक रूप से, इस फॉल्ट लाइन के तनाव ने पड़ोसी देशों जैसे कोलंबिया, त्रिनिदाद और टोबैगो में भी खतरे की घंटी बजा दी है। भू-वैज्ञानिक अब इस बात का गहराई से अध्ययन कर रहे हैं कि क्या यह विशिष्ट हलचल पूरी दुनिया में फैले पैसिफिक रिंग ऑफ फायर को प्रभावित कर सकती है। इस तरह के उथले स्ट्राइक-स्लिप भूकंप भविष्य में अमेरिका के सैन एंड्रियास फॉल्ट, तुर्की के नॉर्थ एनाटोलियन फॉल्ट और म्यांमार की सागाइंग फॉल्ट लाइन जैसी संवेदनशील जगहों पर भी इसी तरह की विनाशलीला दोहरा सकते हैं।

इस वैश्विक विभीषिका के आलोक में भारत की भूगर्भीय संवेदनशीलता की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। भारत की भौगोलिक बनावट वेनेजुएला से भिन्न भले ही हो लेकिन इसका जोखिम किसी भी मायने में कम नहीं है। भारतीय टेक्टोनिक प्लेट लगातार उत्तर की ओर बढ़ते हुए यूरेशियन प्लेट के नीचे धँस रही है, जिससे पूरा हिमालयी क्षेत्र एक सुलगते हुए ज्वालामुखी की तरह अत्यधिक ऊर्जा संचित कर रहा है। इसी संवेदनशीलता को देखते हुए भारतीय मानक ब्यूरो ने अब तक के चार भूकंपीय जोनों (जोन 2 से 5) की पारंपरिक व्यवस्था में संशोधन करते हुए एक नए और सर्वाधिक विनाशकारी जोन 6 की परिकल्पना को पेश किया है। इस नए जोन 6 के दायरे में पूरे हिमालयी बेल्ट, पूर्वोत्तर के सात राज्यों, गुजरात के भुज और उत्तराखंड जैसे अत्यधिक उच्च जोखिम वाले पहाड़ी क्षेत्रों को रखा गया है। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि देश का लगभग 59 प्रतिशत भूभाग मध्यम से उच्च तीव्रता वाले भूकंपों की जद में है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे संवेदनशील राज्यों में पर्यटन के नाम पर हो रहा अनियंत्रित निर्माण, सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर बनाई जा रही सड़कें और बहुमंजिला होटल इस खतरे को कई गुना बढ़ा रहे हैं। यदि वेनेजुएला जैसी 7.5 तीव्रता की आपदा भारत के किसी घनी आबादी वाले महानगर, जैसे दिल्ली में आती है तो परिणाम अकल्पनीय होंगे।

चिकित्सक: जो इतिहास नहीं जिंदगिया लिखते हैं

कृति जैन

जीवन जब मृत्यु की चौखट पर डगमगाने लगता है, तब उम्मीद किसी दवा में नहीं, एक चिकित्सक की आँखों में दिखाई देती है। किसी माँ का विश्वास इसलिए नहीं टूटता कि उसे पता है- अस्पताल के भीतर कोई उसके बच्चे की हर साँस के लिए लड़ रहा है। किसी वृद्ध पिता की प्रार्थना इसलिए जीवित रहती है कि सफेद कोट पहने कोई हाथ अभी हार मानने को तैयार नहीं। उस क्षण मशीनों की आवाज़ें, दवाइयों की शीशियाँ और रिश्तों की भीड़ सब धुंधली पड़ जाती हैं; केवल एक चेहरा दिखाई देता है-चिकित्सक का। उसके लिए बिस्तर पर लेटा व्यक्ति केवल मरीज नहीं, किसी परिवार की पूरी दुनिया होता है। इसलिए वह समय, थकान और अपने सुख-दुख से ऊपर उठकर जीवन बचाने की अंतिम लड़ाई लड़ता है। शायद इसी निस्वार्थ तप ने चिकित्सक को पेशेवर नहीं, मानवता का मौन प्रहरी बनाया है। एक जुलाई का राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस इसी अनकहे समर्पण के प्रति समाज की विनम्र कृतज्ञता का दिवस है।

हर पेशे की अपनी विरासत होती है, लेकिन चिकित्सा की विरासत सेवा और समर्पण से लिखी जाती है। भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस भारत रत्न डॉ. बिधान चंद्र रॉय की स्मृति को समर्पित है, जिनका जन्म और महाप्रयाण दोनों एक जुलाई को हुआ। उन्होंने सिद्ध किया कि चिकित्सा केवल रोगों का उपचार नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का सशक्त माध्यम है। चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य संस्थानों और जनस्वास्थ्य को नई दिशा देकर उन्होंने भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत नींव रखी। उनका विश्वास था कि एक चिकित्सक केवल शरीर ही नहीं, व्यवस्था की कमजोरियों का भी उपचार कर सकता है। यही कारण है कि आज भी उनका आदर्श हर उस डॉक्टर के लिए प्रेरणास्रोत है, जो मरीज की मुस्कान को अपनी सबसे बड़ी सफलता मानता है। भारत में डॉक्टर होना केवल पेशा नहीं, हर दिन एक नई चुनौती से मुकाबला करना है। विशाल आबादी, सीमित संसाधन और असमान स्वास्थ्य ढाँचे के बीच लाखों मरीज प्रतिदिन चिकित्सकों पर भरोसा करते हैं। डॉक्टरों की संख्या बढ़ी है, फिर भी ग्रामीण भारत आज भी गंभीर कमी से जूझ रहा है। अनेक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संसाधनों, आधुनिक उपकरणों और पर्याप्त स्टाफ के अभाव में संचालित हो रहे हैं। ऐसी कठिन परिस्थितियों में भी चिकित्सक अपने ज्ञान, अनुभव और संवेदना के बल पर अनगिनत जिंदगियों को नया जीवन दे रहे हैं। यही निस्वार्थ समर्पण उन्हें केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज का सच्चा जीवन-प्रहरी बनाता है।

इतिहास गवाह है-जब पूरी दुनिया ठहर जाती है, तब चिकित्सक कदम पीछे नहीं, आगे बढ़ाते हैं। कोविड-19 महामारी इसका सबसे बड़ा प्रमाण बनी। जब लोग संक्रमण के भय से घरों में कैद थे, तब डॉक्टर अस्पतालों में हर जीवन के लिए मोर्चा संभाले खड़े थे। उन्होंने परिवार, त्योहार और अपनी सुरक्षा तक की परवाह नहीं की। भारतीय चिकित्सा संघ के अनुसार, सेवा करते हुए अनेक चिकित्सकों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। वे ऐसे अनाम नायक हैं, जिनके नाम भले स्मारकों पर न लिखे जाएँ, लेकिन जिनके त्याग से लाखों घर आज भी आबाद हैं। महामारी ने सिद्ध कर दिया कि चिकित्सक केवल इलाज नहीं करते, वे निराशा के सबसे घने अंधकार में भी उम्मीद की लौ जलाए रखते हैं। तकनीक चिकित्सा की रफ्तार बढ़ा सकती है, लेकिन उपचार की आत्मा आज भी इंसानियत में बसती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक सर्जरी, जीन थेरेपी और टेलीमेडिसिन ने स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयाँ दी हैं। भारत में करोड़ों लोग डिजिटल माध्यम से चिकित्सा परामर्श ले रहे हैं और अस्पताल आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित हो रहे हैं। फिर भी सबसे भरोसेमंद औज़ार आज भी चिकित्सक की संवेदना है। मशीनें रिपोर्ट पढ़ सकती हैं, दर्द नहीं; कृत्रिम बुद्धिमत्ता बीमारी पहचान सकती है, लेकिन आँखों में छिपा भय नहीं। कई बार डॉक्टर का आश्वस्त स्पर्श और भरोसे से भरे दो शब्द उन दवाओं से अधिक प्रभाव छोड़ जाते हैं, जिन्हें विज्ञान ने वर्षों की साधना से विकसित किया है। सबसे बड़ी विडंबना यही है कि जो जीवन बचाता है, वही कई बार असुरक्षित खड़ा दिखाई देता है। जिस चिकित्सक से समाज हर संकट में चमत्कार की उम्मीद करता है, उसे अक्सर अविश्वास, दुर्व्यवहार और हिंसा सहनी पड़ती है। भारतीय चिकित्सा संघ के सर्वेक्षण इस कड़वी सच्चाई की पुष्टि करते हैं। लंबी ड्यूटी, मानसिक दबाव और जीवन-मृत्यु के कठिन निर्णयों के बीच काम करने वाला डॉक्टर भी आखिर एक संवेदनशील इंसान है। उसके भी अपने परिवार, भावनाएँ और सीमाएँ हैं। यदि स्वस्थ भारत का सपना साकार करना है, तो चिकित्सकों की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। क्योंकि जितना सुरक्षित और सम्मानित चिकित्सक होगा, उतनी ही मजबूत देश की स्वास्थ्य व्यवस्था होगी। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि समाज के अंतर्मन को झकझोरने वाला आत्ममंथन है। यह हमें याद दिलाता है कि अस्पताल केवल ईंट-पत्थरों से नहीं, चिकित्सकों के त्याग, धैर्य और करुणा से जीवित रहते हैं। उनके बिना आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी निष्प्राण है। इसलिए इस एक जुलाई को केवल शुभकामनाओं तक सीमित न रहें।

वह लड़की जो खबर बन गई

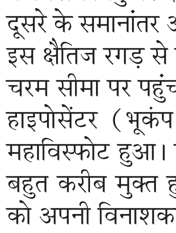

सुरेश कुमार मिश्रा

शहर में उस सुबह अजीब हलचल थी। लोग चाय की दुकानों पर जमा थे। अखबारों के बंडल खुल रहे थे। मोबाइलों की स्क्रीनें चमक रही थीं। हर तरफ एक ही खबर थी, लेकिन किसी को पूरी खबर मालूम नहीं थी। बस इतना पता था कि कोई लड़की खबर बन गई है। कौन थी, कहाँ की थी, उसके साथ क्या हुआ, यह किसी को ठीक से नहीं मालूम था। फिर भी सब विशेषज्ञ बने बैठे थे। चायवाले रामू ने कप धोते हुए पूछा, कौन थी वह लड़की? सामने बैठे बाबूजी बोले, अरे, कोई होगी। आजकल तो रोज कोई न कोई खबर बन जाती है। एक ग्राहक हँसा, हमारे देश में आदमी पैदा बाद में होता है, खबर पहले बन जाता है। सब हँस दिए। अखबार मेज पर पड़ा था, जैसे किसी की लाश चौराहे पर पड़ी हो और लोग उसके जूतों का ब्रांड देख रहे हों। तभी एक बूढ़ी औरत वहाँ आई। उसने काँपते हाथों से अखबार उठाया और देर तक तस्वीर को देखती रही। उसकी आँखें भर आईं। रामू ने पूछा, अम्मा, जानती हो क्या उसे? बूढ़ी औरत ने सिर झुका लिया। बोली, नहीं बेटा, मैं उसे नहीं जानती। लेकिन उसके आँसू मेरी उम्र के लगते हैं। लोग चुप हो गए। फिर किसी ने बात बदल दी। हमारे समाज में दुख से ज्यादा असुविधाजनक कोई विषय नहीं होता। यहाँ आदमी शोक से नहीं, शोक की अवधि से परेशान होता है। उधर खबर फैलती जा रही थी। शहर में हर कोई लड़की के बारे में बात कर रहा था। केवल लड़की ही कुछ नहीं बोल रही थी। शायद इसलिए कि खबरों की दुनिया में पात्रों की नहीं, शीर्षकों की आवाज सुनी जाती है। दोपहर तक टीवी चैनल सक्रिय हो गए। स्टूडियो सज गए। बहस शुरू हो गई। एंकर गरजा, देश जानना चाहता है कि दोषी कौन है। ऐसा लगा जैसे देश अभी तक छुट्टी पर था और एंकर ने उसे जगाया हो। स्क्रीन पर आठ खिड़कियाँ खुलीं। आठ चेहरे दिखाई दिए। नौवाँ चेहरा उस लड़की का होना चाहिए था, लेकिन वह कहीं नहीं थी। एक नेता बोले, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। दूसरे नेता बोले, यह विपक्ष की विफलता है। तीसरे नेता बोले, यह सत्ता की विफलता है। एक विशेषज्ञ ने चश्मा ठीक करते हुए कहा, हमें सामाजिक चिंतन की आवश्यकता है। एंकर चिल्लाया, समय कम है, चिंतन बाद में कीजिए। पूरे देश में लोग टीवी देख रहे थे। किसी ने कहा, कितना दर्दनाक है। और अगले ही क्षण चैनल बदलकर क्रिकेट देखने लगा। दर्द भी अब विज्ञापन ब्रेक की तरह हो गया था। आता है, चला जाता है। उसी शाम शहर की दीवारों पर पोस्टर लग गए। मोमबत्तियाँ बिकने लगीं। भाषणों की तैयारी होने लगी। एक दुकानदार मुस्कराकर बोला, भाई साहब, इस बार वाली घटना में बिक्री अच्छी रहेगी। ग्राहक ने पूछा, किस चीज की? दुकानदार बोला, संवेदनाओं की। ग्राहक ने सोचा वह मजाक कर रहा है। लेकिन दुकानदार गंभीर था। वह जानता था कि इस देश में सबसे ज्यादा उत्पादन अगर किसी चीज का होता है तो वह अवसरवाद का होता है। उधर लड़की अब भी खबर बनी हुई थी। लोग उसका नाम भूल चुके थे। खबर का नाम याद था। शाम को शहर के मुख्य चौराहे पर श्रद्धांजलि सभा रखी गई। मंच पर बड़े बड़े लोग बैठे थे। हर किसी के चेहरे पर दुख का मेकअप था। संचालक ने कहा, हम उस बेटी को न्याय दिलाएँगे। भीड़ ने ताली बजाई। यह अजीब था। शोक सभा में तालियाँ बज रही थीं। जैसे समाज ने दुख को भी कार्यक्रम बना दिया हो। तभी पीछे खड़े एक बच्चे ने अपने पिता से पूछा, पापा, यह बेटी कौन थी? पिता ने कहा, मालूम नहीं। बच्चे ने फिर पूछा, तो सब रो क्यों रहे हैं? पिता ने जवाब दिया, क्योंकि कैमरे लगे हैं। यह सुनकर पास खड़े कुछ लोग मुस्करा दिए। मंच से भाषण जारी थे। कोई संस्कृति बचा रहा था। कोई राजनीति चमका रहा था। कोई नैतिकता बेच रहा था। लड़की हर भाषण में मौजूद थी, लेकिन इंसान के रूप में नहीं, सामग्री के रूप में। वह एक सीढ़ी बन गई थी।

जुलाई में गुप्त नवरात्रि सहित हरिशयनी एकादशी

जुलाई 2026 व्रत त्योहार लिस्ट

जुलाई व्रत त्योहार	तारीख
योगिनी एकादशी व्रत	11 जुलाई 2026
रवि प्रदोष व्रत	12 जुलाई 2026
आषाढ़ गुप्त नवरात्रि आरंभ	15 जुलाई 2026
श्री जगन्नाथ रथयात्रा पुरी	16 जुलाई 2026
आषाढ़ गुप्त नवरात्रि समाप्त	22 जुलाई 2026
हरिशयनी एकादशी व्रत\ देवशयनी एकादशी	25 जुलाई 2026
श्री विष्णु शयनोत्सव	25 जुलाई 2026
चतुर्मास का आरंभ	25 जुलाई 2026
रवि प्रदोष व्रत	26 जुलाई 2026
गुरु पूर्णिमा , व्यास पूजा	29 जुलाई 2026
कोकिला व्रत आरंभ	29 जुलाई 2026

जुलाई के महीने में एक साथ कई व्रत त्योहार आने वाले हैं। पंचांग की गणना के अनुसार, जुलाई के महीने में ही चातुर्मास का आरंभ होने वाला है। साथ ही इस महीने में देवशयनी एकादशी और जगन्नाथ रथयात्रा जैसी कई व्रत त्योहार मनाए जाएंगे। बता दें कि इस महीने चातुर्मास का आरंभ होने के साथ ही मांगलिक कार्य करीब 4 महीने के लिए बंद हो जाएंगे। इस महीने में जप तप और धार्मिक कार्य करने से पुण्य मिलता है।

जयोगिनी एकादशी व्रत महत्व

योगिनी एकादशी का व्रत आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिती है। साथ ही असीम पुण्य की प्राप्ति होती है।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि का महत्व

आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि में दस महाविद्याओं की गुप्त पूजा अर्चना की जाती है।

इस नवरात्रि के एक प्रमुख नियम यह है कि इस दौरान व्रत और पूजा पाठ बहुत ही गुप्त तरीके से किए जाते हैं।

श्रीजगन्नाथ रथयात्रा पुरी

श्रीजगन्नाथ रथयात्रा ओडिशा के पुरी में आयोजित की जाती है। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि को आयोजित की जाती है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को रथ में विराजमान किया जाता है और उन्हें मंदिर ले जाया जाता है। यह रथ बहुत ही भव्य होते हैं।

हरिशयनी एकादशी व्रत महत्व

हरिशयनी एकादशी के दौरान भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और चार महीने के बाद जागते हैं इसलिए इसे चतुर्मास भी कहा जाता है।

चतुर्मास का आरंभ

जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं तो उस दिन से चातुर्मास का आरंभ हो जाता है। इस दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। हरिशयनी एकादशी से ही चातुर्मास का आरंभ हो जाता है।

गुरु पूर्णिमा महत्व

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर वेद व्यास जी का जन्म हुआ था। इसलिए इसे गुरु पूर्णिमा कहा जाता है। उन्हें सनातन धर्म का परम गुरु माना जाता है। वहीं, बौद्ध धर्म के अनुसार, इस दिन महात्मा बुद्ध ने सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था।

कोकिला व्रत का महत्व

आषाढ़ मास की पूर्णिमा से कोकिला व्रत का आरंभ हो जाता है और यह व्रत एक महीने तक चलता है। यह व्रत महिलाएं अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए रखती हैं। इसमें देवी पार्वती के कोयल (कोकिला) रूप और भगवान शिव की पूजा की जाती है।

सपने में खुद को शादी के जोड़े में देखना कैसा होता है?

ऐसे सपनों को न करें इग्नोर, जानें शुभ-अशुभ संकेत

सोते समय अक्सर हम सपनों की ऐसी दुनिया में चले जाते हैं जिनके बारे में हम या तो ज्यादा सोच रहे हों या जहां कुछ ऐसा हो रहा, जिसके बारे में हम सोचते भी नहीं हैं। कुछ सपने हमारी समझ से परे होते हैं। स्वप्न शास्त्र की मानें तो ये सपने में हमें यूं ही नहीं आते हैं। इनमें से कुछ स्वप्न भविष्य से संबंधित संकेत भी देते हैं। अगर आपने हाल ही में सपने में खुद को शादी के जोड़े में देखा हो या उससे जुड़ी तैयारियां होते देखा हो तो इसे बिल्कुल भी इग्नोर न करें। ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ. मधु प्रिया बताती हैं कि सपने में खुद की शादी देखना हमें कई प्रकार के शुभ-अशुभ संकेत देता है। आइए विस्तार से जानें ऐसे स्वप्न से जुड़े संकेत और इनका अर्थ क्या होता है।

ज्योतिष के अनुसार, सपने में खुद को शादी के जोड़े में देखना बेहद अच्छा और शुभ संकेत हो सकता है। अगर आप अविवाहित हैं तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपका किसी से कनेक्शन जुड़ सकता है।

इसके अलावा, इसे किसी खास से मुलाकात होने का संकेत भी माना जाता है। खुद को शादी के जोड़े में देखने का अर्थ हो सकता है कि आपके जीवन में जल्द ही कोई बदलाव आने वाला है, जो आपके लिए अच्छा होगा।

सपने में शादी की तैयारियां होते देखना

अगर आपने ऐसा सपना देखा है जिसमें आपके के घर में शादी की तैयारियां चल रही हों, तो यह एक अच्छा संकेत हो सकता है। इसका अर्थ होता है की आने वाले कुछ समय में आपके घर में शुभ या मांगलिक कार्य हो सकता है। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है कि यह केवल आपसे संबंधित हो। बल्कि परिवार में बहन, बुआ, मौसी आदि से संबंधित शुभ कार्य भी हो सकता है। जिसके चलते घर का माहौल खुशनुमा होगा।

सपने में खुद की शादी टूटते देखना

ऐसा सपना कई प्रकार के संकेत देता है। अगर आप विवाहित हैं और आपने सपने में खुद की शादी को टूटते देखा है तो ऐसे में यह अधिक सजग होने का संकेत हो सकता है। ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ. मधु प्रिया बताती हैं कि यह सपना कोई विघ्न आने का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, अगर आपका रिश्ता टूटने के मोड़ पर हो तब भी ऐसा सपना आ सकता है। सपने में खुद की शादी टूटते देखने का यह अर्थ भी हो सकता है कि अगर आपको कोई जीवन में धोखा दे रहा है तो अब वह सामने आ सकता है।

सपने में विवाह से जुड़ी वस्तुएं देखना

मान्यता है कि सपने में विवाह से जुड़ी चीजें जैसे- सिंदूर, साड़ी, मेहंदी, चूड़ा आदि देखना बेहद महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके जीवन में किसी प्रकार की अड़चन चल रही है, तो यह पूजा की ओर बढ़ने का संकेत हो सकता है।

यानी ऐसा सपना देखने पर सुहाग की सामग्री माता पार्वती को अर्पित करनी चाहिए। साथ ही, शिवजी और देवी पार्वती की विधि-विधान से पूजा करें। फिर, मन में खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना करें। ऐसे सपने में देखना जीवन से जुड़े कई शुभ संकेत की ओर भी इशारा कर सकते हैं।

कठिन श्रम के लिए हमेशा तैयार रहता है, वही सफल होता है

ऊंचे संकल्प के लिए निरंतर काम करना ही सफलता का आधार है। जो व्यक्ति कठिन श्रम के लिए सदैव तैयार रहता है और काम से मन नहीं चुराता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त करता है। ऐसा व्यक्ति कभी पीछे नहीं रहता, क्योंकि वह हर चुनौती का सामना मेहनत और धैर्य से करता है। मन में श्रम के प्रति सम्मान और सकारात्मक भावना रखनी चाहिए। जब व्यक्ति श्रम को अपना कर्तव्य समझकर पूरे मन से काम करता है, तब वह निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता है।

अनजाने में हुए पापों से कैसे मिलेगी मुक्ति?

प्रेमानंद महाराज ने बताया आसान मार्ग

भगवद् गीता में लिखा है कि पाप कर्म करने वाले व्यक्ति को मृत्यु के बाद अपने कर्मों के अनुसार फल भोगना पड़ता है। लेकिन यदि किसी व्यक्ति से अनजाने में कोई पाप हो जाए, तो क्या उसके लिए भी कोई मार्ग है? इसी विषय पर आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज ने एक सरल लेकिन गहरी बात कही है।

गरुड़ पुराण में मनुष्य के कर्मों का लेखा-जोखा और पाप करने वालों के लिए नरक में मिलने वाली कठोर सजाओं के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसे पढ़कर या सुनकर अक्सर लोगों के मन में यह डर बैठ जाता है कि जीवन में अनजाने में हुई गलतियों या पापों का हर्जाना उन्हें नरक की यातनाओं के रूप में भुगतना पड़ेगा।

लेकिन क्या वाकई ऐसा कोई उपाय है, जिससे इन अनजाने पापों के प्रभाव को खत्म किया जा सके। इस महत्वपूर्ण विषय पर मार्गदर्शन करते हुए प्रेमानंद महाराज ने एक ऐसा अचूक और बेहद सरल उपाय बताया है, जिसे अपनाकर कोई भी व्यक्ति अनजाने में हुए बुरे कर्मों के बाद भी नरक की घोर सजा से बच सकता है। आइए जानते हैं प्रेमानंद महाराज के अनुसार पाप मुक्ति का वह सही मार्ग क्या है।

अनजाने में हुए पापों का क्या है उपाय?

प्रेमानंद महाराज के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति से जानबूझकर नहीं बल्कि अनजाने में कोई पाप हो जाए और उसे अपने कर्म पर सच्चा पछतावा हो, तो उसे निराश होने की जरूरत नहीं है। ऐसे व्यक्ति को तुरंत भगवान का याद करना चाहिए और श्रद्धा के साथ नाम-जप शुरू कर देना चाहिए।उनका कहना है कि ईश्वर केवल कर्म ही नहीं, बल्कि व्यक्ति की भावना और उसके हृदय की सच्चाई भी देखते हैं। यदि मन में वास्तविक पश्चाताप हो, तो भक्ति का मार्ग व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति की ओर ले जाता है।

रोज 100 से 200 बार करें नाम-जप

प्रेमानंद महाराज ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति विश्वास और श्रद्धा के साथ रोजाना 100 से 200 बार भगवान का नाम-जप करता है, तो उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। रोजाना नाम-स्मरण मन को शुद्ध करता है, बुरे विचारों को कम करता है और व्यक्ति को अच्छे कर्मों की ओर ले जाता है

क्या नाम-जप से मिल सकती है मोक्ष की प्राप्ति?

प्रेमानंद महाराज बताते हैं कि सच्ची श्रद्धा और समर्पण के साथ की गई भक्ति व्यक्ति को आध्यात्मिक उन्नति की ओर ले जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान का रोजाना नाम-स्मरण करने से स्वर्ग, ब्रह्मलोक और आखिर में मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग भी खुल सकता है। हालांकि, इसके साथ व्यक्ति को अपने आचरण में सुधार करना, सत्य के मार्ग पर चलना और अच्छे कर्म करना भी आवश्यक माना गया है।

जीवन में करें ये बदलाव

आध्यात्मिक दृष्टि से नाम-जप तभी अधिक फलदायी माना जाता है, जब व्यक्ति अपने व्यवहार में भी सकारात्मक परिवर्तन लाए। झूठ, छल, क्रोध, अहंकार और दूसरों को कष्ट पहुंचाने जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर दया, सेवा, सत्य और विनम्रता का पालन करना भी उतना ही जरूरी है। इसलिए ही सभी धार्मिक ग्रंथों में भी अच्छे कर्मों और सच्ची भक्ति को जीवन का सबसे बड़ा धर्म बताया गया है।

भटकाव कैसे बन जाता है असफलता की वजह, विवेकानंद की सीख से समझें सच

एक बार स्वामी विवेकानंद के आश्रम में एक व्यक्ति आया, उसने स्वामी जी से कहा मैं बहुत दुखी हूं, मैं मेहनत करता हूं लेकिन सफलता नहीं मिलती। उसने स्वामी जी से कहा कि मैं पढ़ा-लिखा हूं और मेहनती हूं, फिर भी कामयाब नहीं हो पा रहा हूं। कृपया कोई रास्ता अथवा मूल मंत्र बताएं, जिससे मैं भी सफल हो सकूं। इस पर स्वामी जी ने उससे उनके कुत्ते को सैर करा लाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि तुम कुछ दूर तक मेरे कुत्ते को सैर करा लाओ।

इसके बाद मैं तुम्हें तुम्हारे दुखों को दूर करने का उपाय बताता हूं। इससे वह व्यक्ति हैरान हो गया, लेकिन स्वामी जी की बात मानकर कुत्ते को सैर कराने लेकर चला गया। वह व्यक्ति लौटा तो कुत्ता थका हुआ था, लेकिन वह व्यक्ति थका नहीं था। इस पर स्वामी जी ने पूछा कि ये कुत्ता इतना ज्यादा कैसे थक गया, जबकि तुम तो थके नहीं दिख रहे हो।

इस पर उस व्यक्ति ने जवाब दिया कि मैं अपने रास्ते पर सीधे चल रहा था, लेकिन कुत्ता गली के कुत्तों के पीछे भाग रहा था और लड़कर फिर लौट आता था। इस कुत्ते ने मुझसे ज्यादा दौड़ भाग की है, इससे यह थक गया है। इस पर स्वामी विवेकानंद ने कहा कि इसी में तुम्हारे दुख दूर करने का भी जवाब है। तुम्हारा लक्ष्य तुम्हारे सामने है लेकिन तुम लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही दूसरों से होड़ में जुट जाते हो और दूसरे रास्ते पर चलकर अपनी मंजिल से दूर होते जाते हो। यह सुनकर वह व्यक्ति संतुष्ट हो गया।

आषाढ़ मास में तुलसी के ये अचूक उपाय घर में लाएंगे सुख-समृद्धि!

हिंदू धर्म में आषाढ़ मास का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। यह महीना भगवान विष्णु की उपासना, जप-तप, दान-पुण्य और भक्ति के लिए बेहद शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पूरे महीने तुलसी की पूजा करने और कुछ विशेष उपाय अपनाने से घर में सुख-शांति, सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का वास होता है।

हिंदू धर्म में हर महीने का अपना एक विशेष धार्मिक महत्व होता है, लेकिन आषाढ़ के महीने को आध्यात्मिक दृष्टि से बेहद पवित्र और फलदायी माना गया है। पंचांग के अनुसार, यह साल का चौथा महीना होता है। इस पूरे महीने में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी और तुलसी पूजा-आराधना का विधान है। मान्यता है कि इस मास में किए गए जप-तप, दान और उपाय कभी खाली नहीं जाते। द्रिक पंचांग के अनुसार, साल 2026 में आषाढ़ मास की शुरुआत 30 जून से हो रही है और इसका समापन 29 जुलाई 2026 को होगा। आइए जानते हैं कि इस पूरे महीने तुलसी से जुड़े कौन-कौन से उपाय करना शुभ माना जाता है।

आषाढ़ मास में क्यों खास होती है तुलसी पूजा?

सनातन परंपरा में तुलसी को केवल एक पौधा नहीं, बल्कि देवी का स्वरूप माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में तुलसी की रोजाना पूजा होती है, वहां सकारात्मक ऊर्जा और परिवार पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। आषाढ़ मास में तुलसी की सेवा और पूजा का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि यह महीना भगवान विष्णु की आराधना के लिए विशेष माना गया है।

रोज सुबह जल अर्पित करें

आषाढ़ मास में रोजाना स्नान के बाद तुलसी के पौधे को स्वच्छ जल अर्पित करें। इसके बाद दीपक जलाकर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और परिवार के सदस्यों को शुभ फल मिलता है।

शाम के समय दीपक जलाएं

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ मास में हर रोज शाम को तुलसी के पास घी का दीपक जलाना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर का वातावरण सकारात्मक बना रहता है और नकारात्मकता दूर होती है।

तुलसी की परिक्रमा करें

रोजाना तुलसी की 7, 11 या 21 बार श्रद्धा से परिक्रमा करने की भी परंपरा है। मान्यता है कि इससे भगवान विष्णु खुश होते हैं और जीवन में आने वाली कई बाधाएं दूर होने लगती हैं।

भगवान विष्णु को तुलसी दल अर्पित करें

यदि घर में भगवान विष्णु या श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं, तो आषाढ़ मास में प्रतिदिन तुलसी दल अर्पित करें। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी के बिना भगवान विष्णु की पूजा अधूरी मानी जाती है। आषाढ़ मास में तुलसी के पास जमीन में बैठकर ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

गुरु मंत्र को क्यों रखा जाता है अत्यंत गोपनीय?

शास्त्रों में क्या नियम बताया गया है

गुरु पूर्णिमा का अतिपावन पर्व आने वाला है, जिस पर आपकी पूर्ण निष्ठा हो, उन्हें अपना गुरु बनाना चाहिए। एक बार गुरु बनाने पर अथवा गुरु मंत्र प्राप्त करने पर गुरु की आज्ञा का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। गुरु मंत्र को अत्यन्त गोपनीय रखा जाता है। नीति एवं नियमों का पालन करते हुए जो शिष्य गुरु के आदेश के अनुसार सुख-दुःख को एक समान मानकर अपना जीवन-यापन करता है, वही जीवन में पूर्ण रूप से सफल होता है।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार बिना पूर्ण निष्ठा के अगर व्यक्ति सभी देवी-देवताओं की पूजा करता है, तो उसे पूर्ण लाभ प्राप्त नहीं होता, परन्तु निष्ठा के साथ केवल एक ही देवी अथवा देवता की पूजा करने से व्यक्ति के सारे कार्य बन जाते हैं। इसी प्रकार निष्ठा पूर्ण एक गुरु से गुरु मंत्र प्राप्त कर उसी का निरन्तर जाप करने से कल्याण सम्भव है।

धर्मशास्त्र में स्वयं के कल्याण हेतु कुछ बातों को गोपनीय रखने को कहा गया है, जिसमें गुरु से प्राप्त गुरु मंत्र दीक्षा परम गोपनीय है। इसलिए शिष्य को चेतावनी दी जाती है कि, वह ध्यान रखे कि गुरु मंत्र कभी भी किसी को भी नहीं बताना चाहिए।

प्रकृति का नियम है कि जो शक्ति भीतर संचित रहती है, वही समय आने पर सबसे अधिक प्रभावशाली रूप में प्रकट होती है। बीज मिट्टी के भीतर छिपा रहता है, तभी वृक्ष बनता है, गर्भ में पलने वाला जीवन भी पूर्ण विकसित होने तक गोपनीय रहता है। इसी प्रकार गुरु मंत्र भी साधक के अंतःकरण में मौन रूप से विकसित होने वाली आध्यात्मिक शक्ति है।

यदि साधक बार-बार अपने मंत्र की चर्चा करता है, तो उसका मन बाहर की प्रतिक्रियाओं, प्रशंसा, शंका या तुलना में उलझ सकता है। इससे साधना का प्रवाह भीतर से हटकर बाहर की ओर हो जाता है। इसलिए गुरु मंत्र को गोपनीय रखने की परंपरा बनाई गई, ताकि उसकी ऊर्जा निरंतर साधक के भीतर ही परिपक्व होती रहे। गुरु कृपा से प्राप्त दीक्षा रूपी मंत्र को सार्वजनिक स्थान, परिवार या मित्र समुदाय में भी प्रकट नहीं करना चाहिए। अगर पति ने गुरु मंत्र प्राप्त किया है, तो वह अपनी पत्नी को भी गुरु मंत्र न बताए, इस प्रकार केवल पत्नी ने गुरु मंत्र प्राप्त किया है, तो वह भी पति को न बताए, इसलिए प्रायः पति-पत्नी संग-संग मंत्र दीक्षा प्राप्त करते हैं। गुरु द्वारा गोपनीय निर्देशित मंत्र जाप की विधि, जो गुरु ने शिष्य को दीक्षित कर प्रदान की है, उसे कहीं किसी के सामने किसी भी परिस्थिति में उजागर नहीं करनी चाहिए।

कौन हैं निहारिका एनएम? राघव जुयाल से जुड़ा था नाम प्रियंका चोपड़ा समेत कई सेलेब्स संग आईं नजर

अभिनेता राघव जुयाल ने निहारिका एनएम के साथ कुछ रोमांटिक तस्वीरें साझा कीं, इसके बाद से ही इनके लिंकअप की अफवाहें उड़ने लगीं। लेकिन अब इन अफवाहों पर विराम भी लग चुका है। दोनों के बीच कोई अफेयर नहीं है, यह एक फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में साथ नजर आएंगे। इसके लिए ही रोमांटिक तस्वीरों को साझा किया था। लेकिन इस चर्चा के बीच फैंस जानना चाहते हैं कि निहारिका एनएम कौन हैं? वह क्या करती हैं और क्यों फेमस हैं?

मशहूर कंटेंट क्रिएटर हैं निहारिका एनएम

निहारिका एनएम एक कंटेंट क्रिएटर हैं। इंस्टाग्राम पर उनके लगभग 3 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। वहीं बाकी प्लेटफॉर्म भी इतने ही लोग उन्हें फॉलो करते हैं। वह सोशल मीडिया पर फिल्मी और फनी किस्म के वीडियो बनाती हैं।

कई सेलेब्स के साथ नजर आ चुकी हैं कंटेंट क्रिएटर

अपनी जबरदस्त सोशल मीडिया फॉलोइंग की वजह से वह बॉलीवुड स्टार्स के साथ भी नजर आ चुकी हैं। आमिर खान, प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर, महेश बाबू, यश, शुभमन गिल जैसे कई सेलेब्स उनके साथ वीडियो में नजर आ चुके हैं, अपनी फिल्मों का प्रचार कर चुके हैं। साथ ही वह हॉलीवुड स्टार्स के इंटरव्यू भी कर चुकी हैं। इसमें टॉम क्रूज से लेकर जॉन लीजेंड जैसे एक्टर्स भी शामिल हैं।

साउथ सिनेमा में कर चुकी हैं डेब्यू

जल्द ही निहारिका एनएम राघव जुयाल के साथ फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में नजर आएंगी। लेकिन इससे पहले ही वह साउथ सिनेमा में डेब्यू कर चुकी हैं। पिछले साल एक फिल्म 'मित्र मंडली' में वह नजर आईं। इसमें उनका लीड रोल था।

जीत चुकी हैं ये खास अवॉर्ड्स

निहारिका ने अपने नाम कई अवॉर्ड्स भी किए, जो उन्हें कंटेंट क्रिएशन के लिए मिले हैं।

2022 में निहारिका ने कान फेस्टिवल में वर्ल्ड इंफ्लुएंसर्स एंड ब्लॉगर्स अवार्ड्स में यूथ आइकन एंटरटेनर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता।

वह 2023 में फोर्ब्स 100 डिजिटल स्टार्स की लिस्ट में शामिल हुईं। 2022 में फोर्ब्स एशिया की 30 अंडर 30 लिस्ट में जगह बनाई।

निहारिका ने 2021 में एंटरप्रेन्योर इंडिया अवार्ड्स में बेस्ट न्यू कमर ऑफ द ईयर का खिताब हासिल किया।

शबाना आजमी के परिवार के क्यों आभारी हैं अन्नू कपूर?

हिंदी सिनेमा में अन्नू कपूर ने 44 साल पूरे कर लिए हैं। इस सफर में कई लोगों ने उनका शुरुआती दौर में साथ दिया, उनको वह भूल नहीं पाते हैं। हालिया एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातचीत करते हुए अन्नू कपूर ने अपने बड़े भाई रंजीत कपूर, फिल्ममेकर प्रकाश झा और आजमी परिवार को धन्यवाद दिया, उनके बारे में कई बातें साझा की हैं।

भाई रंजीत की वजह से खुले अभिनय के रास्ते

अन्नू कपूर ने कहा कि 'सबसे पहले जो लोग मुझे यहां लाए, उनके बारे में बात करूंगा। बड़े भाई रंजीत कपूर का दिल्ली से मुझे मैसेज मिला। वह मैसेज मुझे प्रकाश झा ने दिया था। जब मैंने उन्हें फोन किया, तो उन्होंने कहा, जाओ, रंजीत ने तुम्हें बुलाया है।'

अन्नू कपूर ने आगे कहा कि 'मेरे बड़े भाई रंजीत कपूर मैं उन्हीं की वजह से यहां आया। निश्चित रूप से, वह एक पुल बने। उन्होंने यहां एक नाटक किया, जिसमें दिग्गज और अब दिवंगत ओम पुरी और मैंने काम किया था। इसका नाम था 'एन एनिमी ऑफ द पीपल', जिसे हेनरिक इब्सन ने लिखा था। मैं उनका बहुत आभारी हूं और फिर आजमी परिवार का शुक्रगुजार हूं।'

शौकत कैफी के भी आभारी हैं अन्नू कपूर

अन्नू कपूर ने दिवंगत शौकत कैफी को श्रद्धांजलि दी। उनके शुरुआती दिनों में उनसे मिले प्यार और हौसला-अफजाई को याद किया। वह कहते हैं, 'सबसे पहले मैं स्वर्गीय शौकत कैफी का जिक्र करना चाहूंगा, जिन्होंने मुझे बहुत प्यार और आशीर्वाद दिया। उन्होंने मुझे हमेशा सहारा भी दिया। मैं उन्हें 'अम्मी' कहकर बुलाता था। वह शबाना आजमी की मां हैं। आज वह इस दुनिया में नहीं हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। मैं शबाना आजमी, उनके पिता और उनके भाई का आभारी हूं।'

करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं अन्नू कपूर?

करियर फ्रंट की बात करें तो अन्नू कपूर कॉमेडी फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में नजर आएंगे। मेकर्स ने इस फिल्म का पोस्टर जारी किया है। इस फिल्म को रविंदर सिवाच द्वारा निर्देशित किया जाएगा। फिल्म में रुखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्त्याक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 24 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

घोषणा होते ही विवादों में घिरी भगवान मुरुगन पर आधारित जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म

जूनियर एनटीआर और त्रिविक्रम श्रीनिवास की भगवान मुरुगन (जिन्हें कार्तिकेय भी कहा जाता है) पर बनने वाली अगली फिल्म की पहली झलक ने ऑनलाइन एक बड़ी बहस छेड़ दी है। यह बहस अब सिर्फ सिनेमा तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें पौराणिक कथाओं, सांस्कृतिक पहचान और प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दे भी शामिल हो गए हैं। फिल्म की घोषणा के समय प्रोड्यूसर द्वारा इस्तेमाल किए गए 'नॉर्थ में जन्म' वाले वाक्यांश ने भगवान मुरुगन के मूल स्थान को लेकर विवाद खड़ा कर दिया, क्योंकि दक्षिण में उन्हें प्यार से 'तमिल कडावुल' (तमिलों के देवता) कहा जाता है।

नागा वामसी के कैप्शन से छिड़ी बहस

पोस्टर से संकेत मिला कि भगवान मुरुगन या उनका दिव्य भाला 'वेल', जूनियर एनटीआर के किरदार के सफर को आकार देने में अहम भूमिका निभा सकता है। प्रोड्यूसर नागा वामसी ने इस पोस्टर को इस कैप्शन के साथ जारी किया, 'उत्तर में जन्म। देश के दिल में ढला। दक्षिण में पूजा। अब एक ऐसी कहानी जो पूरी दुनिया की बनने के लिए बनी है।'

उत्तर में जन्मे वाक्यांश जल्द ही एक्स पर तीखी बहस का केंद्र बन गया। कई तमिल यूजर्स ने इस विवरण पर सवाल उठाए और निर्माताओं पर सांस्कृतिक रूप से गलत चित्रण का आरोप लगाया।

बहुत से लोगों के लिए मुद्दा केवल स्क्रीन पर किसी देवता को दिखाने का नहीं था, बल्कि यह था कि क्या तमिल पहचान से गहराई से जुड़े देवता की व्याख्या उस सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध को माने बिना फिर से की जा रही थी।

यूजर्स ने मेकर्स पर इतिहास से छेड़छाड़ के लगाए आरोप

कई यूजर्स का कहना था कि भगवान मुरुगन सिर्फ पूजा के देवता ही नहीं, बल्कि तमिल संस्कृति, भाषा और इतिहास का एक अहम प्रतीक भी हैं, जिन्हें अक्सर तमिल कडावुल कहा जाता है।

उन्होंने प्राचीन तमिल परंपराओं और साहित्य जिसमें संगम-युग के ग्रंथों का जिक्र भी शामिल है, की ओर इशारा करते हुए बताया कि मुरुगन का संबंध 'कुरिंजी' इलाके से है, जो प्राचीन तमिलनाडु का पहाड़ी क्षेत्र था।

कई लोगों ने भगवान मुरुगन के छह पवित्र स्थानों, जिन्हें 'अरुपदैवीडु' कहा जाता है और जो सभी तमिलनाडु में स्थित हैं का जिक्र करते हुए कहा कि ये राज्य के साथ उनके गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव का सबूत हैं।

कुछ यूजर्स ने फिल्म बनाने वालों पर फिल्मी मकसद के लिए इतिहास बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने इसे 'कल्चरल एप्रोप्रिएशन' का उदाहरण बताया। एक यूजर ने लिखा, 'अगर आप नहीं जानते कि भगवान मुरुगन कौन हैं, तो कंटेंट के लिए उनका इस्तेमाल करना बंद करें। वह 'तमिल कडावुल' हैं, न कि फिल्मी कल्पनाओं के लिए कोई प्रॉप।'

फिल्म के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई

फिल्म बनाने वालों ने अभी तक पूरी कहानी का खुलासा नहीं किया है और न ही यह साफ किया है कि पोस्टर में मुरुगन की उत्पत्ति का जिक्र फिल्म की असल कहानी का हिस्सा है या यह कोई प्रतीकात्मक रचनात्मक चुनाव है।

आलिया भट्ट की 'अल्फा' को मिला यूए 16+ सर्टिफिकेट

रिलीज से पहले आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' चर्चा में है। फैंस इसकी हर अपडेट जानना चाहते हैं। इस बीच 'अल्फा' ने एक जरूरी प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस फिल्म को सेंसर सर्टिफिकेट मिल गया है। आइए जानते हैं फिल्म को कौन सा सर्टिफिकेट मिला है और इसमें कितने कट लगे हैं।

'अल्फा' को मिला सर्टिफिकेट

शिव रवैल के निर्देशन में बनी 'अल्फा' को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से UA 16+ सर्टिफिकेट मिला है। यह फिल्म 3 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें आलिया का पहला एक्शन रोल है। सीबीएफसी की लिस्टिंग से फिल्म की अवधि (रनटाइम) का भी पता चला है, जिससे यह कन्फर्म हो गया है कि 'अल्फा' 140 मिनट यानी 2 घंटे 20 मिनट की होगी।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म में लगे कट की बात करें तो इस तरह की जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म बिना कट के पास हुई है। इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाएं निभा रहे हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

सर्टिफिकेट देने के अलावा, सीबीएफसी की वेबसाइट ने फिल्म की कहानी की एक झलक भी शेयर की है, जिससे फैंस को आलिया के किरदार 'सीता' के बारे में पता चलता है।

इसमें लिखा है, 'बदले की भावना से प्रेरित होकर, एक युवा लड़की अपने रास्ते में आने वाले हर व्यक्ति को खत्म कर देती है, जब तक कि उसकी यात्रा उसकी अपनी जिंदगी के छिपे हुए सच को उजागर नहीं कर देती। वह निडर और कठोर है, और अपने रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाते हुए किसी भी हद तक जा सकती है।'

आलिया भट्ट का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो, आलिया भट्ट को आखिरी बार फिल्म 'जिगरा' में देखा गया था। इसके बाद, वह रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगी।

महिलाओं को सुपरस्टार बनाने में भी की जानी चाहिए उतनी ही मेहनत, सामंथा ने की पुरुषों से बराबरी की बात

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की कामयाबी से खुश हैं। उन्होंने लंबे वक्त के बाद इस फिल्म में वापसी की है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, बहुत कम महिला-प्रधान फिल्मों को ऐसी कमर्शियल सफलता मिलती है। हाल ही में सामंथा ने कहा कि फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है।

जब सामंथा से पूछा गया कि क्या महिला स्टार्स को ज्यादा फीस के लिए संघर्ष करना पड़ता है? इस पर सामंथा ने कहा 'यह एक बार में एक कदम उठाने जैसा है। मैंने हमेशा यही कहा है, पुरुष सुपरस्टार एक दिन में नहीं बनते। बड़े-से-बड़े पुरुष सुपरस्टार बनाने में समय और मेहनत लगी है। हर फिल्म के साथ, हर डायरेक्टर ने उन्हें भगवान जैसा दर्जा दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है। इसमें समय लगा है।'

पिता के निधन पर सीएम विजय ने दिया शांतनु का साथ, भावुक हुए के. भाग्यराज के बेटे; सुनाया अपनी शादी का किस्सा

डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स को करनी होगी मेहनत

उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि महिला स्टार्स को उतनी मेहनत और समय नहीं दिया जाता। अगर डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स किसी एक्ट्रेस को सुपरस्टार बनाने में उतनी ही मेहनत करें, तो यह मुमकिन हो जाएगा। हमें बस उस समय और इन्वेस्टमेंट की जरूरत है।'

'मां इंटी बंगारम' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत करते हुए पहले दिन 4.85 करोड़ की कमाई की। दो हफ्तों के अंदर, फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

बन रहा फिल्म का सीक्वल

विशाखापत्तनम में एक सक्सेस मीट के दौरान, फिल्म के प्रोड्यूसर राज निदिमोरू ने घोषणा की कि इसका सीक्वल पहले से ही बन रहा है।

रणदीप हुड्डा ने इसलिए नहीं मानी सलमान खान की ये खास सलाह, बोले- 'मैंने अपना अलग रास्ता चुना'

अलग-अलग तरह के रोल करने के लिए मशहूर एक्टर रणदीप हुड्डा ने सलमान खान से मिली करियर से जुड़ी एक सलाह के बारे में बात की है। उन्होंने बताया कि भले ही उन्हें वह सलाह अच्छी लगी, लेकिन उन्होंने उसे न मानने का फैसला किया। एक्टर ने कहा कि उन्होंने हमेशा एक जैसी ऑन-स्क्रीन इमेज तक सीमित रहने के बजाय अलग-अलग तरह के किरदार निभाना पसंद किया है।

सलमान ने दी रणदीप को ये सलाह

रणदीप ने बताया कि सलमान खान और उनके पिता दोनों ने ही उन्हें ऐसे रोल करने के लिए प्रोत्साहित किया था, जिनमें उन्हें एक हीरो के तौर पर दिखाया जाए। उनके अनुसार, उनका मानना था कि एक जैसी स्क्रीन पर्सनैलिटी बनाए रखने और एक ही तरह की फिल्में चुनने से उन्हें एक मजबूत इमेज बनाने में मदद मिलेगी।

रणदीप हुड्डा ने याद करते हुए कहा कि सलमान की मुख्य सलाह यही थी कि मैं ऐसे रोल न लूं जिनमें मैं हीरो जैसा न दिखूं। यह अच्छी सलाह है, मेरे पिता भी यही कहते हैं। उन्होंने कहा कि तुम्हें एक जैसा दिखना चाहिए और एक ही तरह के रोल करने चाहिए, जिससे तुम्हें एक इमेज बनाने और स्टार बनने में मदद मिलेगी।

जानबूझकर चुना अलग रास्ता

हालांकि, रणदीप ने बताया कि उन्होंने जान-बूझकर एक अलग रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि मैंने उस सलाह को नहीं माना क्योंकि मुझे हमेशा से यही लगा है कि बार-बार एक ही चीज करना उबाऊ होता है। ऐसा काम मैं कभी नहीं करना चाहता था।

अपने एक्टिंग के तरीके के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब लोग कहते हैं कि उनकी नकल आसानी से नहीं की जा सकती, तो उन्हें यह एक तारीफ लगती है। उन्होंने बताया कि वे हर किरदार के हिसाब से अपनी आवाज, बोलने की रफ्तार और डायलॉग बोलने के अंदाज में जान-बूझकर बदलाव करते हैं, जिससे हर परफॉर्मेंस अलग और खास बनती है।

परफॉर्मेंस को नया बनाए रखने के लिए अपने फॉर्मूले पर कायम रहा

यह मानते हुए कि एक जानी-पहचानी स्क्रीन इमेज एक्टर्स को स्टार बनने में मदद कर सकती है, रणदीप ने कहा कि उनका ध्यान हमेशा इस बात पर रहा है कि वे कई साल तक अपनी परफॉर्मेंस को नया और ताजा बनाए रखें, न कि किसी तय फॉर्मूले पर निर्भर रहें।

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अलग रास्ता चुनने का कोई अफसोस नहीं है, हालांकि भविष्य में जो भी होगा, उसके लिए वे तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि यह कोई बुरी बात है। लेकिन आप कई साल तक अपनी परफॉर्मेंस को नया कैसे बनाए रखेंगे?

क्या आप अपने किरदारों को बिना सोचे-समझे या बिना किसी खास कोशिश के निभाने लगेंगे? क्या जिम ही एकमात्र ऐसी जगह रह जाएगी जहां आप प्रैक्टिस करेंगे? इसलिए मैंने उनकी सलाह नहीं मानी। हालांकि, कोई नहीं जानता कि भविष्य में क्या होगा।

श्रद्धा कपूर के साथ 'ईठा' में नजर आएंगे हुड्डा

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणदीप हुड्डा आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन में नजर आए थे। उनकी आगामी फिल्मों में श्रद्धा कपूर के साथ 'ईठा' फिल्म शामिल है। वहीं रणदीप हुड्डा और सलमान खान ने साथ में 'किक' (2014), 'सुल्तान' (2016) और 'राधे' (2021) जैसी फिल्में की हैं।

कन्नड़ अभिनेत्री ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

सड़क पर हुई ऐसी घटना, पुलिस से पूछा सवाल

सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली कन्नड़ एक्ट्रेस दिव्या सुरेश ने इंस्टाग्राम पर एक परेशान करने वाली घटना के बारे में बताया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि रविवार देर रात बेंगलुरु की एक सड़क पर एक अनजान आदमी ने उन्हें परेशान किया। कई पोस्ट के जरिए उन्होंने घटना के बारे में बताया और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई।

दिव्या सुरेश ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

दिव्या के मुताबिक, यह घटना रात करीब 11:30 बजे हुई जब वह और उनकी कजिन अपनी पार्क की हुई कार की ओर जा रही थीं। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक्ट्रेस ने दावा किया कि एक अनजान आदमी उनका पीछा करने लगा।

खुद को अजीब तरह से छू रहा था शख्स

दिव्या सुरेश ने आरोप लगाया कि पीछा करते हुए उस आदमी ने अश्लील इशारे किए। दिव्या ने कहा कि उन्होंने और उनकी कजिन ने तुरंत उसके व्यवहार पर ध्यान दिया और उसे रोकने की कोशिश की। उन्होंने आगे लिखा 'हमारा पीछा करते हुए वह सबके सामने खुद को अजीब तरह से छू रहा था। हमने देखा और उसे टोका, लेकिन फिर भी वह नहीं रुका। जब तक हम अपनी कार में नहीं बैठ गए, वह ऐसा करता रहा।'

पुलिस से पूछा सवाल

एक्ट्रेस ने इस घटना पर निराशा जाहिर करते हुए कहा कि किसी भी महिला को सिर्फ इसलिए इस तरह की बदसलूकी का सामना नहीं करना पड़ना चाहिए क्योंकि वह रात में बाहर घूम रही है। बेंगलुरु में महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए, दिव्या ने अपनी पोस्ट में बेंगलुरु पुलिस को टैग किया और पूछा 'हमें जिस सुरक्षा का वादा किया जाता है, वह कहां है?'

कौन हैं दिव्या सुरेश?

दिव्या सुरेश कन्नड़ एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का एक जाना-माना चेहरा हैं। कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप की तरफ से होस्ट किए गए 'बिग बॉस कन्नड़ सीजन 8' में हिस्सा लेने के बाद उन्हें काफी लोकप्रियता मिली। रियलिटी टीवी के अलावा, वह 'नन्ना हेंधथी एमबीबीएस' और 'जोड़ी हक्की' जैसे लोकप्रिय कन्नड़ टीवी सीरियल्स में भी नजर आ चुकी हैं।

बारिश को यादगार बनाएं–पार्टनर के साथ ये रोमांटिक काम करें

बारिश को रोमांस से जोड़कर देखा जाता है। गर्मियों के बाद जब पहली बारिश की बूंदें धरती को छूती हैं, तो पूरा माहौल खुशनुमा हो जाता है। मिट्टी की भीनी-भीनी खुशबू, ठंडी हवाएं और हल्की फुहारें हर किसी का मन खुश कर देती हैं। ऐसे मौसम में अगर आपका पार्टनर आपके साथ हो, तो यह पल और भी खास बन सकता है।

पहली बारिश सिर्फ मौसम बदलने का नाम नहीं, बल्कि रिश्तों में नई ताजगी और खूबसूरत यादें जोड़ने का भी बेहतरीन मौका होती है। व्यस्त जीवन और काम के बीच अक्सर कपल्स को एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का मौका कम मिलता है। ऐसे में मानसून की पहली बारिश एक ऐसा अवसर है, जब आप बिना ज्यादा खर्च किए भी अपने रिश्ते में नई ऊर्जा और अपनापन ला सकते हैं।

चाहे घर की बालकनी में बैठकर गर्म चाय का आनंद लेना हो, लंबी ड्राइव पर जाना हो या साथ में पसंदीदा फिल्म देखना, छोटी-छोटी बातें भी इस दिन को यादगार बना सकती हैं।अगर आप भी सोच रहे हैं कि पहली बारिश को अपने पार्टनर के साथ कैसे खास बनाया जाए, तो यहां दिए गए आसान और रोमांटिक आइडियाज आपके दिन को और भी खूबसूरत बना सकते हैं।

बारिश में पार्टनर के साथ करें ये खास चीजें

गर्म चाय और पकौड़ों का मजा लें

बारिश और चाय का कॉम्बिनेशन हमेशा पसंद किया जाता है।

साथ बैठकर बातचीत करने का अच्छा मौका मिलता है।

घर की बालकनी या खिड़की के पास बैठकर मौसम का आनंद लें।

बारिश में छोटी-सी वॉक करें

इसके जरिए साथ में क्वालिटी टाइम बिताने का मौका मिलता है।

कपल प्रकृति के बीच सुकून भरा अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

बारिश के बीच टहलते हुए लोगों को यादगार तस्वीरें लेने का अवसर मिलता है।

लॉन्ग ड्राइव पर निकलें

हल्की बारिश की बूंदों के बीच अपने पार्टनर के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाना काफी रोमांटिक हो सकता है।

इस दौरान रास्ते की सुंदरता, बारिश का शोर और कार में बजता स्लो म्यूजिक रोमांस की वाइब को बढ़ा देगा।

ड्राइव के दौरान रास्ते में किसी सुंदर जगह पर रुककर चाय या कॉफी का आनंद लें।

घर पर मूवी डेट प्लान करें

तेज बारिश में बाहर नहीं जाना चाहते हैं तो घर पर ही मूवी डेट प्लान करें।

इसके लिए कोई कपल मिलकर पसंदीदा फिल्म या वेब सीरीज़ देख सकते हैं।

हल्के स्नैक्स तैयार करें।

आरामदायक माहौल बनाएं।

साथ मिलकर खाना बनाएं

साथ काम करने से टीमवर्क बढ़ता है।

नई रेसिपी ट्राई करने का मजा अलग होता है।

इस बारिश घर पर कैफे जैसा अनुभव बनाया जा सकता है।

यादगार तस्वीरें क्लिक करें

बारिश की प्राकृतिक रोशनी का फायदा उठाएं।

रंग-बिरा छाता या रेनकोट इस्तेमाल करें।

तस्वीरों को यादों के रूप में संजोकर रखें।

घर की छत या बालकनी में मिनी गार्डन के बीच फोटो क्लिक करा सकते हैं।

दिल की बातें करें

खुलकर बातचीत विश्वास बढ़ाती है।

भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करें।

एक-दूसरे की पसंद और सपनों को जानें।

एक-दूसरे को छोटा-सा सरप्राइज दें

पहली बारिश को सरप्राइज के साथ यादगार बनाएं। अपने साथी को उनकी पसंदीदा चॉकलेट गिफ्ट में दें। आप हाथ से लिखा नोट भी दे सकते हैं। पसंदीदा किताब या छोटा-सा पौधा दें।

मनपसंद मिठाई से उनका मुंह और मन मीठा कराएं।

हर रिश्ते में जरूरी है खुलकर बात करना

आज के समय में रिश्तों की मजबूती और टूटने दोनों के पीछे सबसे बड़ा कारण कम्युनिकेशन यानी बातचीत को माना जाता है। चाहे वह परिवार हो, दोस्ती हो या फिर कोई भी व्यक्तिगत रिश्ता, सही तरीके से बात करना और एक-दूसरे को समझना बेहद जरूरी है।

दरअसल देखा जाता है कि अक्सर लोग अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त नहीं करते, जिससे गलतफहमियां बढ़ जाती हैं और रिश्तों में दूरी आने लगती है। वहीं, जिन रिश्तों में ईमानदार और खुली बातचीत होती है, वे ज्यादा मजबूत और लंबे समय तक टिकते हैं। कम्युनिकेशन सिर्फ बोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सुनना, समझना और सही प्रतिक्रिया देना भी शामिल है।

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग डिजिटल माध्यमों से जुड़े हैं, लेकिन असली जुड़ाव तभी बनता है जब बातचीत प्रभावी हो। इस लेख में हम जानेंगे कि कम्युनिकेशन क्यों जरूरी है, इसके फायदे क्या हैं और यह कैसे हर रिश्ते को बेहतर बना सकता है।

रिश्तों में विश्वास बढ़ाता है

अच्छी और खुली बातचीत किसी भी रिश्ते की सबसे मजबूत नींव होती है। जब लोग एक-दूसरे से ईमानदारी से बात करते हैं, तो उनके बीच भरोसा अपने आप बढ़ने लगता है। बातचीत से यह महसूस होता है कि सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को महत्व दे रहा है। इससे गलतफहमियों की गुंजाइश कम हो जाती है और रिश्ते लंबे समय तक मजबूत बने रहते हैं। अगर कम्युनिकेशन कमजोर हो जाए तो शक और दूरी बढ़ने लगती है।

गलतफहमियों को दूर करता है

अक्सर रिश्तों में समस्याएं किसी बड़े कारण से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी गलतफहमियों से शुरू होती हैं। सही तरीके से बात करने से इन गलतफहमियों को आसानी से दूर किया जा सकता है। जब लोग खुलकर अपनी बात और भावनाएं साझा करते हैं, तो मन में चल रही शंकाएं खत्म हो जाती हैं। इससे रिश्तों में स्पष्टता आती है और अनावश्यक तनाव कम होता है।

भावनात्मक जुड़ाव मजबूत करता है

कम्युनिकेशन केवल शब्दों का आदान-प्रदान नहीं है, बल्कि यह भावनाओं को समझने का माध्यम भी है। जब लोग एक-दूसरे से अपने दिल की बात शेयर करते हैं, तो उनके बीच भावनात्मक जुड़ाव गहरा होता है। इससे रिश्तों में अपनापन बढ़ता है और लोग एक-दूसरे के और करीब महसूस करते हैं। यही जुड़ाव किसी भी रिश्ते को खास बनाता है।

समस्याओं का समाधान आसान बनाता है

हर रिश्ते या स्थिति में समस्याएं आना सामान्य है, लेकिन सही बातचीत से इन्हें आसानी से सुलझाया जा सकता है। जब दोनों पक्ष अपनी बात खुलकर रखते हैं, तो समाधान जल्दी निकल आता है। बातचीत से गलत निर्णय लेने की संभावना कम हो जाती है और दोनों लोग मिलकर बेहतर रास्ता ढूंढ सकते हैं। यही वजह है कि कम्युनिकेशन को समस्या समाधान का सबसे प्रभावी तरीका माना जाता है।

मानसिक तनाव कम करता है

जब हम अपनी भावनाओं और परेशानियों को किसी से साझा करते हैं, तो मन हल्का महसूस करता है। अंदर ही अंदर बातों को दबाकर रखने से तनाव बढ़ता है, लेकिन बातचीत करने से मन को राहत मिलती है। यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। अच्छे कम्युनिकेशन से व्यक्ति अधिक शांत, संतुलित और खुश महसूस करता है।

घर में आया नन्हा मेहमान? इन जरूरी सामानों के बिना अधूरी है देखभाल

घर में नन्हे मेहमान के आगमन के साथ खुशियों और उत्साह की नई लहर दौड़ पड़ती है। परिवार का हर सदस्य उसकी देखभाल में योगदान देता है। हालांकि नवजात शिशु की देखभाल केवल प्यार और दुलार तक सीमित नहीं है, बल्कि कुछ विशेष सावधानियां और जिम्मेदारियां भी जरूरी होती हैं। ऐसे में बच्चे की जरूरतों को समझ कर उसकी सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और विकास को सुनिश्चित करना जरूरी है।

मुलायम और आरामदायक कपड़े

नवजात शिशु की त्वचा बेहद नाजुक होती है, इसलिए केवल 100 प्रतिशत कॉटन के मुलायम कपड़े चुनें। ये त्वचा को रगड़, एलर्जी और घमौरियों से बचाते हैं, जबकि टाइट या सिंथेटिक कपड़े बच्चे को असहज महसूस करा सकते हैं। दूध गिरने, पसीने और बार-बार डायपर बदलने के कारण शिशु के कपड़े अक्सर बदलने पड़ते हैं। इसलिए पर्याप्त संख्या में बॉडी सूट, फ्रंट-ओपन शर्ट, मोजे, दस्ताने और टोपी जरूर रखें। मौसम के अनुसार हल्के गरम कपड़ों का भी इंतजाम करें। कपड़ों को हमेशा बिना कठोर रसायनों वाले डिटर्जेंट से धोएं।

बेबी केयर प्रोडक्ट्स

बेबी बाथटब, मुलायम तौलिया, हल्का बेबी सोप, शैम्पू, कंघी और बेबी नेल कटर जैसी चीजें नवजात की देखभाल के लिए बेहद जरूरी होती हैं। चूंकि बच्चे की त्वचा बहुत संवेदनशील होती है, इसलिए केवल हल्के और डॉक्टर द्वारा सुझाए गए उत्पादों का ही उपयोग करें। नवजात के नाखून तेजी से बढ़ते हैं, जिससे वह अनजाने में खुद को खरोंच सकता है। इसलिए समय-समय पर बेबी नेल कटर की मदद से उसके नाखून काटते रहें।

बिस्तर का चयन

क्योंकि नवजात शिशु अधिकतर समय बिस्तर पर ही रहता है। ऐसे में उसके लिए आप क्रिब, बैसिनेट और को-स्लीपर जैसे बिस्तर चुनें। क्रिब मजबूत और लंबे समय तक उपयोगी रहता है, जबकि बैसिनेट शुरुआती महीनों के लिए उपयुक्त है। वहीं, गद्दा मध्यम कठोर चुनें, न बहुत नरम और न अधिक सख्त। कॉटन या ऑर्थोपेडिक गद्दा बेहतर रहेगा। वैसे तो विशेषज्ञ शुरुआती महीनों में तकिया न देने की सलाह देते हैं, लेकिन जरूरत होने पर पतला, सांस लेने योग्य तकिया, जैसे- मस्टर्ड, हेड शेपिंग या मेमोरी फोम पिलो चुनें। बिस्तर पर बेबी को लेटाने से पहले बेडशीट और बिस्तर की सफाई जरूर करें।

बाहर ले जाते समय

बच्चे को बाहर ले जाते समय उस की उम्र और वजन के अनुसार बेबी कैरी बेल्ट का उपयोग करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी स्ट्रैप अच्छी तरह से लॉक हों। हाथों और त्वचा की सफाई के लिए बिना खुशबू वाले बेबी वाइप्स साथ रखें। इसके अलावा अतिरिक्त कपड़े, डायपर, डायपर बैग, पानी की बोतल, फीडिंग बोतल, हल्का कंबल, सन हैट, उम्र के अनुसार बेबी सनस्क्रीन, हैंड सैनिटाइजर, डिजिटल थर्मामीटर और छोटा फर्स्ट-एड किट भी जरूर रखें। बच्चे को धूप, धूल और अधिक भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचाएं तथा समय-समय पर उसे दूध या पानी पिलाते रहें।

चेहरे और गले से झुर्रियां दूर करने के लिए इन तरीकों से लगाएं केला

उम्र बढ़ने के साथ इसका असर चेहरे समेत शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर दिखने लगता है। इसमें सबसे ज्यादा और जल्दी दिखती हैं झुर्रियां। चेहरे और गर्दन पर रिंकल्स सबसे पहले दिखना शुरू होते हैं। क्योंकि उम्र बढ़ने पर शरीर में कोलेजन की मात्रा घटने लगती है। इससे इलास्टिन प्रोटीन भी कम होने लगता है। इसकी वजह से झर्रियां और महीन रेखाएं दिखने लगती हैं।

यूं तो बाजार में एंटी एजिंग के लिए कई तरह के स्किन प्रोडक्ट उपलब्ध हैं। लेकिन अगर आप नेचुरल तरीके से झर्रियों को दूर करना चाहते हैं तो आपके स्किन केयर रूटीन में केले को शामिल करना चाहिए। इससे आपको महंगी क्रीम की तरह रिजल्ट देखने को मिलेगा।

फेस पैक बनाने के लिए केले में मिलाएं हल्दी

चेहरे और गले से झुर्रियां दूर करने के लिए आप केले में हल्दी मिलाकर फेस पैक बना सकते हैं। इसके लिए एक केला लें। इसमें एक चम्मच दही और एक छोटा चम्मच हल्दी डालकर मिक्स करें।

15 मिनट लगाकर इसे वॉश कर लें।

केला और दूध को मिक्स करके लगाएं

चेहरे को बूढ़ा होने से बचाने के लिए आप केले और दूध को मिक्स करके लगा सकते हैं। इसके लिए एक केले में कच्चा दूध, शहद और कुछ बूंदे गुलाबजल की मिला लें। इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखें और फिर धो लें।

केले और दही से टाइट होंगे ओपन पोर्स

एंटी-एजिंग फेस पैक बनाने के लिए आप केला, दही और संतरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में दही लें और उसमें केला और संतरे का रस डालकर मिला लें। इसे 15 मिनट लगाकर वॉश कर लें।

सेहत के लिए खतरनाक हो सकते हैं गोभी के कीड़े सब्जी बनाने से पहले इन तरीकों से करें सफाई

कई लोगों को गोभी बहुत पसंद होती है। हालांकि, इसमें कीड़ों का होना एक आम समस्या है। खासकर बारिश के मौसम में कीड़ों की समस्या और भी बढ़

जाती है। गोभी के पत्तों और फूलों के अंदर छोटे-छोटे कीड़े होते हैं, जो सेहत के लिए काफी खतरनाक हो सकते हैं।

अगर गोभी से कीड़ों को निकाले बगैर सब्जी बनाई जाए, तो इससे फूड पॉइजनिंग, पेट दर्द, उल्टी-दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार कीड़े इतने छोटे होते हैं कि आंखों से दिखाई नहीं देते। ऐसे में हम आपको 5 ऐसे उपाय बताएंगे, जिनसे आप इन कीड़ों को

आसानी से साफ कर सकते हैं।

गर्म पानी का करें उपयोग

गर्म पानी से गोभी में मौजूद छोटे-छोटे कीड़ों को आसानी से निकाला जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले गोभी को छोटे टुकड़ों में काट लें। अब इसे हल्के गर्म पानी में 10-15 मिनट के लिए भिगो दें। आप इसमें थोड़ा सा नमक भी मिला सकते हैं। इससे कीड़े और मिट्टी आसानी से बाहर निकल जाते हैं।

सिरका और नींबू का करें प्रयोग

सिरका और नींबू से भी गोभी को साफ किया जा सकता है। इसके लिए एक बड़े बर्तन में पानी लें और उसमें दो चम्मच सिरका या नींबू का रस मिलाएं। अब गोभी के टुकड़ों को कुछ समय के लिए इस पानी में डाल दें। इससे कीड़े और हानिकारक जीव आसानी से निकल जाते हैं।

नमक और हल्दी का करें उपयोग

नमक और हल्दी भी कीड़ों को हटाने में मददगार होते हैं। इसके लिए पानी में नमक और हल्दी मिलाएं और उसमें गोभी को डालकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें।

उबालकर पकाएं

गोभी को पकाने से पहले इसे काटकर गर्म पानी में उबाल लें। इससे कीटाणु और बैक्टीरिया भी नष्ट हो जाते हैं। इस विधि से सब्ज़ी का स्वाद भी बेहतर हो जाता है।

माइक्रोवेव का करें उपयोग

यदि आपके पास माइक्रोवेव है, तो उसका भी उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए गोभी को काटकर गीले कपड़े में लपेटें और माइक्रोवेव में कुछ समय के लिए गर्म करें। इससे भी कीड़े आसानी से निकल जाते हैं।

जब जेठानी हो गृहिणी और देवरानी नौकरीपेशा तो टूटने से कैसे बचाएं रिश्ता

भारतीय संयुक्त परिवार व्यवस्था में देवरानी-जेठानी का रिश्ता प्रेम और तकरार का मिश्रण होता है। ऐसे में यदि जेठानी गृहिणी हो और देवरानी नौकरीपेशा या फिर इसके उलट तो यह समीकरण थोड़ा संवेदनशील हो जाता है। दोनों की दिनचर्या, जिम्मेदारियां और अपेक्षाएं अलग-अलग होती हैं, जिससे आपसी तालमेल में खटास आने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। लेकिन थोड़े-से प्रयास से इस रिश्ते को मधुर बनाया जा सकता है।

सम्मान है पहली शर्त

इस स्थिति में जेठानी को समझना चाहिए कि वर्किंग देवरानी की दिनचर्या कठिन है। ऑफिस का तनाव, समय की पाबंदी और कार्य दबाव उसकी शारीरिक और मानसिक ऊर्जा पर असर डालता है। वहीं, देवरानी को भी समझना चाहिए कि जेठानी दिन भर घर संभालती है, जो एक जिम्मेदार और मेहनत भरा कार्य है। अगर दोनों एक-दूसरे की मेहनत को पहचानें और सम्मान दें तो यकीनन रिश्ते की नींव मजबूत होगी।

दोनों की साझी योजनाएं

घर एक साझी जगह है, इसलिए उसकी जिम्मेदारियां भी साझा होनी चाहिए। दोनों आपसी सहमति से घरेलू कार्यों की सूची बना सकती हैं, जिसमें यह तय हो कि कौन किस कार्य को निभाएगा। उदाहरण के लिए, देवरानी सुबह का काम देखे तो जेठानी शाम का खाना बना सकती है। इस तरह आपसी सहयोग से किसी एक पर बोझ नहीं पड़ेगा।

सप्ताहांत पर साथ-साथ

वर्किंग महिलाओं के लिए सप्ताह के पांच दिन बेहद व्यस्त रहते हैं। ऐसे में सप्ताहांत पर थोड़ा समय निकाल कर जेठानी को आराम देकर घर के काम क र ना आपसी रि श्ते में गर्मजोशी का भाव ला सकता है।

संवाद बनाए रखें

अक्सर रिश्तों में दरार संवाद की कमी से आती है। अगर देवरानी-जेठानी खुलकर बात करें, विचार साझा करें और समस्याओं पर साथ बैठकर चर्चा करें तो गलत-फहमियों से बचा जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी दिन देवरानी को देर हो जाए तो वह जेठानी को पहले ही सूचित कर सकती है। वहीं, जेठानी भी किसी बात को मन में रखने के बजाय प्यार से स्पष्ट कर सकती है।

प्रतिस्पर्धा नहीं

देवरानी-जेठानी के रिश्ते में सबसे ज्यादा समस्या तब आती है, ज ब तुलना शुरू होती है। "वो तो सारा दिन घर पर रहती है फिर भी..." या "ऑफिस का बहाना बना कर घर के काम से बचती है!" जैसे ताने रिश्तों में खटास ला सकते हैं। दोनों को यह समझना चाहिए कि हर व्यक्ति की भूमिका अलग होती है। एक-दूसरे की तुलना करने के बजाय सहयोग करें।

तारीफ करें, संकोच नहीं

सराहना हर रिश्ते की संजीवनी है। अगर जेठानी, देवरानी के किसी कार्य की सराहना करे, जैसे- "तुम ऑफिस के साथ घर भी कितनी अच्छी तरह संभाल लेती हो", तो देवरानी का मनोबल बढ़ेगा। वहीं, देवरानी कहे- "दीदी, आप कितने सलीके से घर संभालती हैं", तो जेठानी को सम्मान का अनुभव होगा।

सब आप पर निर्भर

रिलेशनशिप काउंसलर शोभना बताती हैं, गृहस्थी संभालना और नौकरी करना, दोनों ही कार्य अपने आपमें बहुत महत्वपूर्ण हैं। दोनों कार्यों में ही नई-नई चुनौतियां आती रहती हैं। यह सोचना कि मेरा काम ज्यादा मुश्किल है, मानसिक अपरिपक्वता की निशानी है। अपने 'मैं' को दूसरे के 'मैं' से टकराने पर मानसिक अशांति ही पैदा होती है। लेकिन अगर दोनों मिलकर 'हम' बन जाएं तो पूरे परिवार में एक लयबद्धता निर्मित हो जाती है। जो रिश्ते में बड़ी है, वह छोटी का ख्याल रखे और जो छोटी है, वह बड़ी का सम्मान करे। एक-दूसरे की कमियां खोजने के स्थान पर उसके अच्छे गुणों पर ध्यान देने से जेठानी और देवरानी के बीच आत्मीयता बनी रह सकती है। आप विवाद में जीना चाहती हैं या संवाद में, इसका निर्णय आपके अतिरिक्त कोई और नहीं कर सकता।

भारत के डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम की दुनिया भर में धूम

ग्रीस में यूपीआई शुरू होने पर बोले गोयल

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि ग्रीस में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) शुरू होने से लोगों को पैसे भेजना और भुगतान करना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। अब योग्य ग्राहक तुरंत, सुरक्षित और बिना किसी परेशानी के लेनदेन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पैसे ट्रांसफर करने की लागत भी पारंपरिक तरीकों के मुकाबले काफी कम हो गई है।

केंद्रीय मंत्री ने क्या लिखा?

मंत्री ने एक एक्स पोस्ट में लिखा,' यूपीआई की बढ़ती वैश्विक स्वीकृति और सराहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दृष्टिकोण में विश्वास को दर्शाती है, जिसके तहत सीमाओं से परे मूल्य सृजित करने और साझा विकास और समृद्धि के लिए साझेदारी को गहरा करने वाले प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान विकसित किए जाएंगे।' ग्रीस यात्रा के दौरान मंत्री ने यूरोबैंक के सीईओ फोकियन कारावियास से मुलाकात की और भारत-ग्रीस आर्थिक साझेदारी के विस्तार पर सार्थक चर्चा की। गोयल ने कहा, 'हमने ग्रीक व्यवसायों को भारत में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया और ग्रीस में विनिर्माण और बुनियादी ढांचा विकास में सहयोग के रास्ते तलाशे, जिससे विकास और समृद्धि के लिए हमारी साझा दृष्टि को आगे बढ़ाया जा सके।' उन्होंने एथेंस में यूरोबैंक मुख्यालय में यूरोबैंक-एनआईपीएल साझेदारी के लाइव प्रदर्शन को देखा, जिसके तहत यूपीआई सेवाएं सक्षम की गईं। इस दौरान उनके साथ यूरोबैंक के सीईओ करावियास और फेयरफैक्स डिजिटल सर्विसेज के सीईओ संजय तुगनाइट भी मौजूद थे, जो भारत के डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के वैश्विक विस्तार में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम में शामिल होने पर क्या बोला?

इससे पहले उन्होंने ग्रीस के उप विदेश मंत्री हैरी थियोहारिस के साथ भारत-ग्रीस व्यापार मंच को संबोधित किया था। गोयल ने कहा, 'मुझे इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करने का भी अवसर मिला। 'मंत्री ने भारत की उल्लेखनीय विकास गाथा, मजबूत व्यापक आर्थिक आधारभूत संरचना और निरंतर आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डाला, जो ग्रीस के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करती है।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते दिया जोर

गोयल ने कहा, 'उन्होंने व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के नए अवसरों को खोलने में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते की अपार क्षमता पर भी जोर दिया।' वाणिज्य मंत्री ने प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर भी जोर दिया। इसके साथ ही व्यवसायों और निवेशकों से भारत के साथ सह-निर्माण, सह-निवेश और सह-विनिर्माण करने का आग्रह किया, जिससे हमारे देशों के बीच अधिक निवेश, मजबूत व्यापारिक संबंध और साझा समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सके।

वॉरेन बफेट ने एपस्टीन है वजह से बिल गेट्स के फाउंडेशन को दिया जाने वाला अरबों का दान रोका

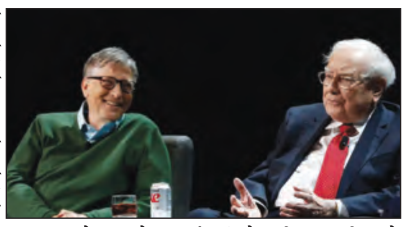

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े दानवीरों की सूची में शुमार वॉरेन बफेट ने एक ऐसा फैसला लिया है जिसने कॉरपोरेट जगत को चौंका दिया है। बर्कशायर हैथवे के चेयरमैन वॉरेन बफेट ने पिछले लगभग बीस सालों में पहली बार 'गेट्स फाउंडेशन' को दिए जाने वाले अपने सालाना अरबों डॉलर के भारी-भरकम दान पर रोक लगा दी है।

95 वर्षीय बफेट फिलहाल संगठन के सह-संस्थापक बिल गेट्स तथा दिवंगत यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के पुराने संबंधों की चल रही बाहरी जांच के नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' की रिपोर्ट के मुताबिक, यही मुख्य कारण है कि उन्होंने साल के मध्य में दिए जाने वाले अपने पारंपरिक फंड को टाल दिया है। अब माना जा रहा है कि वह इस साल के अंत में अपने थैंक्सगिविंग लेटर के दौरान ही इस फैसले की समीक्षा करेंगे।

क्यों रुक गया अरबों डॉलर का फंड?

इसका सीधा तार जेफ्री एपस्टीन विवाद से जुड़ा है। इसी साल जनवरी तथा फरवरी के महीने में अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन से जुड़े कई गोपनीय दस्तावेज और ईमेल्स सार्वजनिक किए थे। इन फाइलों से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ था कि गेट्स फाउंडेशन के कर्मचारियों की एपस्टीन से बातचीत होती थी। इस खुलासे के बाद माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की साख को तगड़ा झटका लगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गेट्स फाउंडेशन के सीईओ मार्क सुजमैन ने एक स्वतंत्र बाहरी जांच का आदेश दिया था। इस जांच का मकसद यह समझना है कि अतीत में फाउंडेशन का एपस्टीन के साथ कितना जुड़ाव था। बफेट अब कोई भी नया दान देने से पहले इसी जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, जो इसी गर्मी के मौसम में आ सकती है।

दो दिग्गज अरबपतियों की दोस्ती में आई दरार

इस विवाद का असर दोनों दिग्गजों के निजी संबंधों पर भी स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले कुछ महीनों में बफेट तथा बिल गेट्स के रिश्ते काफी तनावपूर्ण हो गए हैं।

सरकार का बड़ा कदम: इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 को 1.25 लाख करोड़ रुपये की मंजूरी; वित्त मंत्रालय ने दी हरी झंडी

नई दिल्ली,30 जून (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय की व्यय वित्त समिति (ईएफसी) ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है, जिससे देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने का अगले चरण का रास्ता साफ हो गया है। इस प्रस्ताव को समिति ने पिछले हफ्ते मंजूरी दी थी और अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए केंद्रीय कैबिनेट के पास भेजा जाएगा। आईएसएम 2.0 प्रस्तावित बजट आईएसएम 1.0 के तहत आवंटित 76,000 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। आईएसएम 1.0 के तहत सरकार ने चिप बनाने, असेंबली और डिजाइन से जुड़ी 10 सेमीकंडक्टर सुविधाओं को मंजूरी दी थी। आईएसएम 2.0 से भारत की सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को मजबूत करने के उद्देश्य से इंडस्ट्रियल गैस, स्पेशल केमिकल, कैपिटल इक्विपमेंट, एमएसएमई और सहायक सप्लायर जैसे बड़े इकोसिस्टम को मदद मिलने की उम्मीद है।

2030 तक घरेलू मांग का 75% हिस्सा पूरा करने का लक्ष्य

सरकार को उम्मीद है कि इस योजना से भारत 2030 तक अपनी घरेलू सेमीकंडक्टर मांग का 75 प्रतिशत तक हिस्सा पूरा कर सकेगा, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी और देश के ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब बनने का लक्ष्य भी पूरा हो सकेगा। सरकार नई स्कीम को शुरू करने के लिए मंत्रालयों के बीच बातचीत पहले ही कर चुकी है और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को वित्त मंत्रालय की मंजूरी का इंतजार था। भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स की खपत और उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है।

भारत में 65 करोड़ से ज्यादा स्मार्टफोन यूजर्स

आज भारत में 65 करोड़ से ज्यादा स्मार्टफोन यूजर्स हैं और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का सालाना उत्पादन 12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। साथ ही, देश एआई-आधारित सिस्टम, डेटा सेंटर और इलेक्ट्रिक गाड़ियां भी बना रहा है, जिनके लिए सेमीकंडक्टर चिप्स की जरूरत होती है। मांग और इनोवेशन में इस तेजी की वजह से भारत के लिए ग्लोबल सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में अपनी जगह बनाना जरूरी हो गया है।

चांदी 3,690 बढ़कर 2.24 लाख पर पहुंची

10 ग्राम सोने की कीमत 1,039 गिरकर 1.40 लाख पर आई

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 30 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,039 रुपए गिरकर 1.40 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.41 लाख पर था। वहीं 1 किलो चांदी आज 3,690 रुपए बढ़कर 2.24 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 2.20 लाख रुपए पर थी।

सोना इस साल 7 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 7 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.40 लाख रुपए पर है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.24 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत 6 हजार रुपए कम हुई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मिथुन	मे
चंद्र	धनु	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कर्क	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मिथुन--	04-44 बजे
कर्क----	06-56 बजे
सिंह----	09-28 बजे
कन्या--	11-14 बजे
तुला-----	13-20 बजे
वृश्चिक--	15-30 बजे
धनु-----	17-44 बजे
मकर--	19-49 बजे
कुंभ----	21-40 बजे
मीन----	23-18 बजे
मेष-----	00-54 बजे
वृष------	02-44 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-47
सूर्यास्त. 18 -49
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ बुधवार 01 July 2026
तिथि - कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 07-38 तक उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 06-51 तक उप उत्तराषाढ़ा
योग. - ऐन्द्र 16-04 तक उप वैधृति
करण - कौलव 07-38 तक उप तैतिल
विशेष: रेवत्यां २ शनि

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-20 से 13-58 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	
लाभ	05-47 - 07-25 शुभ
अमृत	07-25 - 09-03 शुभ
काल	09-03 - 10-42 अशुभ
शुभ	10-42 - 12-20 शुभ
रोग	12-20 - 13-58 अशुभ
उत्पात	13-58 - 15-37 अशुभ
चंचल	15-37 - 17-15 शुभ
लाभ	17-15 - 18-49 शुभ

रात का चौघड़िया	
उत्पात	18-49 - 20-15 अशुभ
शुभ	20-15 - 21-37 शुभ
अमृत	21-37 - 22-59 शुभ
चंचल	22-59 - 00-20 शुभ
रोग	00-20 - 01-42 अशुभ
काल	01-42 - 03-04 अशुभ
लाभ	03-04 - 04-25 शुभ
उत्पात	04-25 - 05-47 अशुभ

इंडिगो की करतूत: 80 साल की महिला को फर्स्ट-रो से धकेला 28वें रो में, अब 55,000 भरेगी

बेंगलुरु,30 जून (एजेंसियां)। एविएशन कंपनी इंडिगो की असंवेदनशीलता 80 साल की एक महिला के लिए परेशानी का सबब बन गया। इस वृद्धा की दो-दो सर्जरी हो चुकी है इसलिए किराये के अलावा अतिरिक्त पैसे चुका कर फर्स्ट-रो की सीट बुक कराई। साथ ही व्हील चेयर की सेवा भी बुक की। लेकिन विमान में सवार होने से पहले उनकी सीट बदल कर 28वें रो में धकेल दी गई। फिर जो हुआ उसे हम बता रहे हैं।

अतिरिक्त पैसे देने पर भी मिली 28बी सीट

द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना दिसंबर 2023 की है। कर्नाटक की निवासी अंशु ए. अमीन ने बेंगलुरु से अहमदाबाद जाने के लिए इंडिगो की एक फ्लाइट में बुकिंग की थी। वह 80 साल की हैं और दो-दो सर्जरी हो चुकी है। इसलिए उन्होंने पहली पंक्ति में सीट आवंटित करने का अनुरोध किया। इसके लिए अतिरिक्त शुल्क का भुगतान किया गया। साथ ही व्हील चेयर की सेवा भी ली गई। प्रीमियम सीट के लिए उन्होंने कुल मिला कर 13,906 रुपये चुकाये। उन्हें 1बी सीट अलॉट कर दी गई। लेकिन जब वह हवाई अड्डे पर पहुंची तो पता चला कि उनकी सीट बदल दी गई है। उन्हें 28वीं पंक्ति में 28बी सीट अलॉट की गई है।

शिकायत के मुताबिक इस बदलाव के बारे में उन्होंने एयरलाइन स्टाफ से बात की। स्टाफ ने बताया कि 28बी सीट पर यात्रा करने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं है। उनका जाना जरूरी था, इसलिए परेशानी झेल कर उन्होंने 28वीं पंक्ति में मिडल सीट पर यात्रा की। उस पंक्ति में लेग स्पेस कम होने की वजह से उनकी टांगों में असहनीय पीड़ा भी हुई। लेकिन उन्हें यह सब झेलना पड़ा।

कंपनी को भेजा लीगल नोटिस

यात्रा पूरी करने के बाद उस महिला ने इंडिगो को लीगल नोटिस भेज 80,000 रुपये के मुआवजे की मांग की। लेकिन एयरलाइन ने तवज्जो नहीं दी। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया।

वहां इंडिगो ने स्वीकार किया कि वृद्धा ने प्रीमियम सीट बुक कराई थी। लेकिन उसी दिन फ्लाइट में ऑडिट टीम सवार थी, जिनके लिए फ्रंट-रो की दो सीटें रिजर्व कर दी गई। इसलिए उन्हें 28वें रो में शिफ्ट किया गया। कंपनी का कहना था कि उस महिला ने बिना किसी प्रतिवाद के यात्रा पूरी की। इसलिए यह सेवा में कमी का मामल नहीं बनता है।

कंज्यूमर कोर्ट ने दिलवाया 8,000 का मुआवजा

कंज्यूमर कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि पीड़िता की उम्र 80 साल की है। उनकी सर्जरी भी हो चुकी है।

उन्होंने प्रीमियम सीट बुक कराने के लिए अतिरिक्त भुगतान किया। तब भी उन्हें 28वीं पंक्ति की मिडिल सीट पर यात्रा करनी पड़ी। जिससे उन्हें परेशानी हुई। इसलिए उन्हें 8,000 रुपये का मुआवजा दिया जाए। इसे पीड़िता ने पर्याप्त नहीं बताया। फिर उन्होंने राज्य आयोग का रास्ता अख्तियार किया।

फिर मिला 55,000

राज्य आयोग में न्यायिक सदस्य रवि शंकर और सदस्य सुनीता सी. बेगवाडी की बेंच ने इस पर सुनवाई की। बीते 18 जून को दिए फैसले में बेंच ने इंडिगो को सेवा में कमी का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि वृद्धा की उम्र और स्वास्थ्य को बिना ध्यान में रखे इंडिगो ने उनकी सीट बदल दी, जिससे उन्हें भारी परेशानी हुई। इसलिए मुआवजे की रकम बढ़ा कर 50,000 रुपये कर दी गई। साथ ही मुकद्मे के खर्च के लिए भी 5,000 रुपये दिलवाए।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आप के खिलाफ की गई कुछ कार्रवाई करने के कारण प्रभावित हो रही है! आप पर संगठन का विश्वास और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है। अपने आप को शांत बनाए रखे और अन्य लोगों की जरूरतों पर विचार करें। यह जल्द ही अपने पक्ष में होगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
हालाँकि , आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है । कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है । आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे । आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है , इसलिए निवेश की योजना को आज ठंडे बस्ते में डाल दे और शुभ समय का इंतजार करे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपने अपने व्यक्तिगत काम में व्यस्त होने के कारण अपने पेशेवर कार्यो को कुछ समय के लिए अधर में लटका दिया था , लेकिन लोगों को कार्यस्थल पर आपकी बुरी तरह से आवश्यकता है , हालाँकि अगर आप ई-मेल पर संदेश या फोन पर जवाब न दें पाये तो इसमें कोई बुराई नहीं है । व्यय बढ़ेंगे।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
कुछ समय से आपके व्यय बढ रहे थे पर आज से आप इन सब में एक खुशनुमा बदलाव देखेंगे । आखिरकार आपका भाग्य आपका साथ देगा और आपके खर्चे काफी हद तक नियंत्रण में आयेंगे और माहौल बदलता हुआ सा नजर आएगा जिससे आपकी आमदनी बढेग़ी पर आपको अत्यधिक सावधानी से आगे बढ़ना है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपको एक अप्रत्याशित स्रोत से , धन लाभ होने की संभावना है । सट्टा उद्यम, शेयर बाजार में और छोटी अवधि के निवेश में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आपका वित्तीय भाग्य उच्च चल रहा है । बस आप अपने आवेग पर लगाम लगाने की कोशिश करे और आप अपनी वित्तीय सुरक्षा का आनंद भी ले पाएंगे । आज आप कुछ धन दान भी दे सकते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योंकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के आज योग बन रहे है । आपको ऐसे धन की प्राप्ति हो सकती है जिसके बारे में आपने सोचना छोड़ दिया था । आज आप अपने निष्क्रिय निवेश के ऊपर भी ध्यान दे क्योंकि वहा से भी आपको शुभ सन्देश मिल सकता है। अगर किसी ने आपसे उधार लिया है और जिसे आप लगभग भूल चुके है वहा से भी धन प्राप्ति का शुभ सन्देश मिल सकता है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

किचन का बजट बिगड़ा! टमाटर-प्याज ने फिर दिखाए तेवर

आम आदमी की थाली पर मंडराया 'महंगाई डायन' का साया

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। देश की राजधानी से लेकर बाकी शहरों में एक बार फिर से आलू प्याज और टमाटर की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है. जहां देश की राजधानी दिल्ली में टमाटर की कीमतें दोगुनी महंगी हो गई हैं. वहीं दूसरी ओर जून के महीने में देश में टमाटर के औसत दाम 18 फीसदी बढ़ गए हैं.

जबकि प्याज की कीमतों में औसत 10 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. इसका मतलब हे देश में पड़ने वाली ज्यादा गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है. साथ आम लोगों की जेब पर भी प्रभाव पड़ना शुरू हो गया है. जानकारों की मरनें तो आने वारले दिनों में जून महीने की महंगाई दर में इजाफा होने के आसार हैं. साथ ही फूड इंफ्लेशन में भी इसका असर देखने को मिलेगा. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकारी आंकड़े किस ओर इशारा कर रहे हैं.

कितना महंगा हुआ आलू प्याज टमाटर

टमाटर, प्याज और आलू की कीमतें फिर से बढ़ रही हैं, जिससे खाने-पीने की चीजों की महंगाई को लेकर चिंता बढ़ गई है. कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री के डाटा के मुताबिक, पिछले महीने में टमाटर की औसत रिटेल कीमत 18 फीसदी, प्याज की 11 फीसदी और आलू की 1.3 फीसदी बढ़ी है. कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स में इन तीनों सब्जियों की हिस्सेदारी 1.75 फीसदी है. साल-दर-साल के आधार पर, टमाटर की कीमतें 25 फीसदी और प्याज की कीमतें 3.3 फीसदी बढ़ी हैं, जबकि आलू की कीमतें 17 फीसदी कम हैं.

दिल्ली में दोगुना महंगा हुआ टमाटर

उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में टमाटर 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं, जबकि दिल्ली में कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं क्योंकि भीषण गर्मी ने पैदावार को नुकसान पहुंचाया और सप्लाई में रुकावट डाली. बेमौसम बारिश से फसल के स्टोरेज की क्वालिटी पर असर पड़ने के बाद कई राज्यों में प्याज की कीमतें 10-20 फीसदी बढ़ी हैं. मानसून के आने, उसके फैलाव और तेज़ी के आधार पर मॉनसून के दौरान प्याज़ और टमाटर की कीमतों में मौसमी उछाल आता रहता है. अल-नीनो और बारिश में देरी के कारण पड़ी भीषण गर्मी ने टमाटर की नाज़ुक फ़सल को सबसे ज़्यादा प्रभावित किया है.

नोएल टाटा का बड़ा फैसला, ट्रेंट के बाद अब वोल्टास के चेयरमैन का भी छोड़ेंगे पद

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप से एक बड़ी खबर सामने आई है. ट्रेंट के चेयरमैन का पद छोड़ने के लगभग एक सप्ताह बाद नोएल टाटा ने टाटा समूह की एक और कंपनी वोल्टास के चेयरमैन के पद से भी हटने की मंगलवार को घोषणा की. नोएल टाटा ने कंपनी 72वीं एजीएम बैठक के दौरान ये घोषणा की है. कंपनी की आम बैठक में शेयरहोल्डर्स को संबोधित करते हुए नोएल टाटा ने कहा कि वोल्टास के चेयरमैन के तौर पर यह उनकी आखिरी एजीएम होगी. नोएल टाटा ने कहा, जैसा कि आप जानते होंगे, चेयरमैन के तौर पर यह मेरी आखिरी सालाना आम बैठक है.नोएल टाटा ने एजीएम के दौरान कहा कि कंपनी ने आंतरिक पदोन्नति और बाहरी नियुक्तियों के ज़रिये अपनी टीम तैयार की है तथा उन्होंने भविष्य में तेजी से वृद्धि की प्रबंधन क्षमता पर भरोसा जताया. नोएल टाटा ने कहा कि मुझे इस टीम की झमता पर पूरा भरोसा है. नोएल टाटा 27 जनवरी, 2003 को वोल्टास के निदेशक मंडल में शामिल हुए थे. उन्हें एक सितंबर, 2017 को वोल्टास का गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया गया था. उन्होंने इशात हुसैन की जगह ली थी.इससे पहले नोएल टाटा ने 23 जून को भारत की प्रमुख फ़ैशन एवं लाइफ़स्टाइल रिटेलर कंपनी ट्रेंट के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए भी इसी तरह की घोषणा की थी. नोएल टाटा, टाटा संस के सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन भी हैं. वह इस साल नवंबर में 70 साल के हो जाएंगे. कंपनी कानून 2013 के तहत, किसी भी प्रबंध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक को 70 साल या उससे अधिक उम्र होने पर नियुक्त नहीं किया जा सकता और न ही वह इस पद पर बना रह सकता है.टाटा ग्रुप के भीतर मौजूदा दौर की शुरुआत रतन टाटा के जाने के बाद हुई.

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन सुस्ती,सेंसेक्स 250 अंक टूटा, निफ्टी 23900 के नीचे

मुंबई,30 जून (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में सुस्ती का माहौल रहा। मासिक एक्सपायरी के दिन बाजार में अस्थिरता देखने को मिली और प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए।

बेंचमार्क इंडेक्स में गिरावट के बावजूद व्यापक बाजार में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही।कारोबार के अंत में दोनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 249.70 अंक यानी 0.32 प्रतिशत टूटकर 76,478.67 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 80.50 अंक यानी 0.34 प्रतिशत गिरकर 23,865.75 पर आ गया। इसके साथ ही निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे खिसक गया है। बाजार की इस गिरावट में सबसे बड़ा दबाव आईटी सेक्टर से आया, जिसमें 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। इंफोसिस, आईटीसी, एचसीएल टेक, टीसीएस और टाटा स्टील सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे। दूसरी ओर, निफ्टी मिडस्मॉल हेल्थकेयर इंडेक्स 1.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप सेक्टोरल गेनर रहा। इसके बाद निफ्टी केमिकल्स (1.42 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (1.31 प्रतिशत) और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (1.16 प्रतिशत) का स्थान रहा। बीएसई पर मारुति, टाइटन, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, इंडिगो, ट्रेंट और एनटीपीसी प्रमुख रूप से लाभ में रहे। सोमवार को दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता में सुधार और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाने के मकसद से अपनी नई ईवी पॉलिसी की घोषणा की थी। इस पॉलिसी का सीधा असर मंगलवार को ईवी कंपनियों के शेयरों पर दिखा।

ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 8.37 प्रतिशत उछलकर 43.76 रुपये पर बंद हुआ, जबकि एथर एनर्जी का शेयर 5.24 प्रतिशत चढ़कर 1,140.55 रुपये पर पहुंच गया। इसके विपरीत, पारंपरिक ऑटोमोबाइल कंपनियों के शेयर दबाव में रहे। आयशर मोटर्स में 4.38 प्रतिशत, भारत फोर्ज में 0.96 प्रतिशत और हीरो मोटोकॉर्प में 0.30 प्रतिशत की गिरावट आई, हालांकि टाटा मोटर्स और बॉश के शेयरों में मामूली बढ़त दर्ज की गई। मुद्रा बाजार में, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 94.66 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर 94.54 के मुकाबले कमजोर है। हालांकि, मार्च 2025 के बाद यह रुपये की पहली तिमाही दर तिमाही बढ़त है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के रिसर्च एनालिस्ट दिलीप परमार के मुताबिक, डॉलर की मजबूत कॉरपोरेट मांग और सेफ-हेवन प्रवाह के कारण लगातार तीसरे सत्र में रुपये में गिरावट आई है।

लोगों को बार-बार चक्कर कटवाना तहसीलदार को पड़ा भारी, भजनलाल सरकार ने लिया एक्शन

अलवर, 30 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने अलवर तहसीलदार रश्मि शर्मा को हटा दिया है। उन्हें राजस्व मंडल कार्यालय अजमेर से अटैच किया है। उनके खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं। बताया जा रहा है कि तहसीलदार लगातार लोगों के काम अटका रही थीं। बार-बार चक्कर काटने के बावजूद काम नहीं होने से जनता परेशान थी। यहां तक की उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना लगातार की जा रही थी। इसे देखते हुए भजनलाल सरकार ने एक्शन लिया।

शासन उप सचिव हरि सिंह मीना की ओर से यह आदेश जारी किए गए है। अलवर तहसीलदार रश्मि शर्मा को हटाने का कारण प्रशासनिक बताया गया है। यह आदेश सरकार की ओर से 26 जून को ही जारी हो गया था, लेकिन सार्वजनिक नहीं किया गया।

एक प्रशासनिक अधिकारी का कहना है कि कई शिकायतें जनता की बार-बार आ रही थीं। आदेश देने के बाद भी निस्तारण नहीं किया जा रहा था। कई बार चेताया गया, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ा। जिला स्तरीय जनसुनवाई के प्रकरण भी अटकाए गए। ऐसे में सरकार तक मामला पहुंचा और उन्हें यहां से हटा दिया गया।

इधर, कलक्टर आर्तिका शुक्ला ने वीसी के माध्यम से सभी एसडीएम व विकास अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों के खेल मैदान से अतिक्रमण हटाना बाकी है, वह कार्य 15 जुलाई तक पूरा करें। उन्होंने बताया कि अब तक 25 सरकारी स्कूलों के खेल मैदानों से अतिक्रमण हटाया जा चुका है। आगे भी कार्रवाई करें। सभी एसडीएम शहरी व ग्रामीण सेवा शिविरों का निरीक्षण करें। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के 30 जून तक शेष रहे सभी कार्यों को पूर्ण कराएं।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा कर नरेगा अधिशासी अभियन्ता से कहा कि वह मालाखेड़ा ब्लॉक में स्वीकृत भूमिविहीन प्रकरणों के निस्तारण के लिए दो दिन तक मालाखेडा क्षेत्र में रहकर इन प्रकरणों का निस्तारण कराएं।

शिकायत के निस्तारण व प्रकरण को दर्ज करने में विलम्ब करने पर टहला तहसीलदार व संबंधित कार्मिक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुंखे गौरव रविंद्र, यूआइटी सचिव स्नेहल नाना, एडीएम प्रथम योगेश डागुर आदि मौजूद रहे।

आखिर हरियाणा से किन शर्तों पर हुआ 'यमुना जल समझौता'?

अशोक गहलोत ने एमओए सार्वजनिक करने की मांग उठाई

जयपुर, 30 जून (एजेंसियां)। राजस्थान और हरियाणा के बीच लंबे समय से लंबित चल रहे यमुना जल समझौते को लेकर मरुधरा की सियासत में एक बार फिर भारी उबाल आ गया है, जहां राज्य सरकार द्वारा हरियाणा के साथ किए गए नए मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट के प्रावधानों को सार्वजनिक न किए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन कांग्रेस नेताओं ने वर्तमान भाजपा सरकार पर प्रदेश के जल अधिकारों को गिरवी रखने और हितों का समर्पण करने के आरोप लगाए हैं, जिसके तुरंत बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मध्यस्थता और 1994 के मूल समझौते की निरंतरता का हवाला देते हुए तीखा पलटवार किया है।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस पूरे मामले को लेकर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट साझा करते हुए राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। गहलोत ने कहा कि

यमुना जल समझौते को लेकर वर्तमान राज्य सरकार ने हरियाणा के साथ जो नया एमओए साइन किया है, उसे आश्चर्यजनक रूप से अभी तक गुप्त रखा गया है। राजस्थान की जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि उनके हितों से जुड़े इस महत्वपूर्ण दस्तावेज में किन शर्तों पर दोनों राज्यों के बीच सहमति बनी है।

गहलोत ने लगभग 2.5 वर्ष पूर्व 17 फरवरी 2024 को किए गए पुराने एमओयू का संदर्भ देते हुए आरोप लगाया कि उसे भी लोकसभा चुनावों तक जनता से छिपाकर रखा गया था। बाद में सामने आया कि उस समझौते में पहले हरियाणा को 24,000 क्यूसेक पानी देने और शेष बचे पानी को ही राजस्थान को आवंटित करने की बेहद प्रतिकूल शर्त शामिल थी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि नए एमओए में भी इसी तरह की शर्तों को दोहराया गया है, तो यह वर्ष 1994 के मूल समझौते की मूल भावना के पूरी तरह विपरीत है। 1994 के एग्रीमेंट में स्पष्ट प्रावधान था कि यमुना जल का वितरण सभी भागीदार राज्यों को पानी की कुल उपलब्धता के अनुपात में किया जाएगा, जिसमें किसी एक राज्य को कोई एकतरफा प्राथमिकता या विशेष अधिकार नहीं दिया गया था।

उन्होंने मांग की है कि इस नए एमओए की प्रति तत्काल प्रभाव से सार्वजनिक की जाए क्योंकि जल अधिकारों से कोई समझौता स्वीकार नहीं हो सकता।

यमुना जल समझौते के तकनीकी पक्षों को लेकर राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने वर्तमान भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के खिलाफ बेहद आक्रामक रुख अख्तियार किया है। डोटासरा ने कहा कि राजस्थान अपने हक और हिस्से का पानी मांग रहा है, वह किसी की दया का पात्र नहीं है।

बयाना विधायक ऋतु बनावत को हाईकोर्ट से राहत

चुनाव याचिका खारिज; समन से बचने पर एक लाख का जुर्माना

जयपुर, 30 जून (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बयाना की निर्दलीय विधायक रितु बनावत के चुनाव को रद्द करने की मांग वाली चुनाव याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लगाए गए आरोप चुनावी जनादेश को अमान्य करने के लिए पर्याप्त नहीं थे।

कोर्ट ने विधायक रितु बनावत पर कोर्ट के समन से जानबूझकर बचने की कोशिश करने के लिए एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। यह आदेश जस्टिस सुदेश बंसल ने 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनावों में बयाना विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार पुरुषोत्तम लाल की याचिका पर दिया। हाईकोर्ट ने कार्यवाही के दौरान विधायक रितु बनावत के व्यवहार पर कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि उन्होंने कोर्ट के समन से बचने के लिए 'जानबूझकर और सोच-समझकर' कई तरीके अपनाए। कोर्ट ने गौर किया कि नोटिस तामील कराने की बार-बार की गई कोशिशें नाकाम रहीं, जिससे हाईकोर्ट को राजस्थान विधानसभा के सचिव के जरिए नोटिस तामील

ऋतु बनावत

कराने का दूसरा तरीका अपनाना पड़ा।

इस व्यवहार को गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट ने विधायक पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। चुनाव याचिका में आरोप लगाया गया था कि रितु बनावत 2023 के विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते समय अपनी संपत्ति और देनदारियों के बारे में पूरी और सही जानकारी देने में नाकाम रही थीं।

याचिकाकर्ता का तर्क था कि जिन जानकारियों को नहीं बताया गया, वे चुनाव कानून के तहत भ्रष्ट आचरण के दायरे में आती हैं और इसके आधार पर उनका चुनाव रद्द किया जाना चाहिए। याचिका के अनुसार, पुरुषोत्तम लाल को 689 वोट मिले जबकि रितु बनावत ने एक लाख से ज्यादा वोट हासिल करके बयाना सीट जीती थीं।

बनावत की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट आरएन माथुर ने तर्क दिया कि कानून के तहत जरूरी सभी अहम जानकारियां सही ढंग से बताई गई थीं। उन्होंने कहा कि चुनाव खर्च के लिए खास तौर पर खोले गए बैंक खाते की जानकारी देना कानूनी रूप से जरूरी नहीं था। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि एक गृहिणी भी वैध तरीके से खेती से आय अर्जित कर सकती है; इसलिए, ये आरोप बेबुनियाद हैं। इन दलीलों पर विचार करने के बाद हाईकोर्ट ने चुनाव याचिका खारिज कर दी और कहा कि जिन जानकारियों का खुलासा नहीं किया गया, वे न तो इतनी अहम थीं और न ही इतनी पर्याप्त थीं कि उनके आधार पर चुनाव को अमान्य ठहराया जा सके। अदालत ने कहा कि चुने गए उम्मीदवार की संपत्ति से जुड़ी छोटी-मोटी, तकनीकी और गैर-जरूरी कमियों के आधार पर मतदाताओं के जनादेश को पलटने से लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर गंभीर असर पड़ेगा।

1200 साल पुराने जैन मंदिर से 13 अष्टधातु प्रतिमाएं चोरी

चुरू, 30 जून (एजेंसियां)। जिले के तारानगर कस्बे स्थित करीब 1200 वर्ष पुराने ऐतिहासिक जैन मंदिर में हुई बड़ी चोरी की वारदात से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। चोर मंदिर के गर्भगृह में स्थापित 17 प्राचीन प्रतिमाओं में से 13 बेशकीमती अष्टधातु प्रतिमाएं चोरी कर ले गए। घटना का पता सुबह उस समय चला, जब पुजारी नियमित पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे। गर्भगृह से प्रतिमाएं गायब देखकर उन्होंने तुरंत मंदिर प्रबंधन और पुलिस को सूचना दी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोरों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। मंदिर परिसर के तीन अलग-अलग स्थानों पर लगे ताले टूटे मिले हैं। मौके से एक गैस कटर और रेवाड़ी का एक ट्रेन टिकट भी बरामद हुआ है, जिसे पुलिस महत्वपूर्ण सुराग मानकर जांच कर रही है। आशंका है कि चोर देर रात मंदिर में घुसे और गर्भगृह तक पहुंचकर प्राचीन प्रतिमाएं चोरी कर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि चोरी हुई प्रतिमाएं अष्टधातु से निर्मित हैं और उनका ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व बेहद महत्वपूर्ण है। इनकी अनुमानित कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है। घटना के बाद जैन समाज में भारी आक्रोश है और लोगों ने जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी तथा प्रतिमाओं की बरामदगी की मांग की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मंदिर परिसर तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रारंभिक जांच में तीन संदिग्ध व्यक्ति कैमरों में दिखाई दिए हैं। पुलिस का मानना है कि इन्हीं संदिग्धों ने वारदात को अंजाम दिया हो सकता है। आरोपियों की तलाश के लिए कई पुलिस टीमें गठित की गई हैं और पड़ोसी जिलों व राज्यों को भी अलर्ट किया गया है।

घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली और विशेषज्ञ टीम की मदद से शीघ्र खुलासा करने की मांग की। वहीं भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने मंदिर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में तीन संदिग्ध दिखाई दे रहे हैं, जिन्होंने गैस कटर और अन्य उपकरणों की मदद से मंदिर के ताले तोड़कर वारदात को अंजाम दिया।

'मैं जगन गुर्जर का खून हूं, घर में घुसकर मारना भी जानता हूं' धरने पर बैठे बेटे आसाराम का बड़ा बयान

धरने पर बैठे डकैत जगन गुर्जर के परिजन

अजमेर, 30 जून (एजेंसियां)। घूघरा हाई सिक्योरिटी जेल में डकैत जगन गुर्जर की हत्या के विरोध में परिवार वाले सुबह से ही अजमेर के जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ हुए हैं। परिवारवाले पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहे है। इस दौरान बेटे आसाराम ने कहा कि मैं जगन गुर्जर का खून हूं और घर में घुसकर मारना भी जानता हूं। वहीं, अस्पताल की मोर्चरी के बाहर भारी पुलिस बल तैनात है।

अजमेर के जेएलएन अस्पताल के बाहर धरने पर बैठे परिजनों की मांग है कि जगन गुर्जर हत्याकांड की सीबीआई से जांच करवाई जाएं। साथ ही जगन के भाई पप्पू गुर्जर को भी दूसरी जेल में शिफ्ट किया जाए। जगन गुर्जर को फर्जी मुकदमे में गिरफ्तार कर हाई सिक्योरिटी जेल भिजवाने वाले बाड़ी थाना प्रभारी के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएं। इसके अलावा परिजनों ने पुलिस सुरक्षा की मांग उठाई है।

बेटे आसाराम ने कहा कि मैं जगन गुर्जर का खून हूं। मैं घर में घुसकर मारना भी जानता हूं और जेल में भी मारना जानता हूं, इसका जवाब फिर सरकार देगी। धरने पर बैठे डकैत जगन गुर्जर के परिवार वालों को पुलिस समझाने का प्रयास कर रही है। लेकिन, परिजनों का कहना है कि जब तक मांगे पूरी नहीं होगी, वे जगन के शव का पोस्टमार्टम नहीं होने देंगे।

अजमेर जेल में जगन गुर्जर की हत्या की खबर सामने आते ही परिजन बाड़ी कोतवाली पहुंचे थे। जगन गुर्जर के पुत्र आसाराम ने प्रकरण की सीबीआई से जांच कराने की मांग रखी। इसके बाद देर रात ही बेटे आसाराम समेत अन्य परिजन अजमेर आ गए। जहां पर जगन गुर्जर के परिजन अपनी मांगों को लेकर सुबह से ही जेएलएन हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे हुए है। धरने पर बैठे जगन गुर्जर के दोस्त प्रहलाद सिंह ने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी को भी धरना स्थल पर आने से रोका तो उग्र आंदोलन होगा।

बेटे आसाराम ने आरोप लगाया कि अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में उसके पिता जगन गुर्जर को परेशान किया जा रहा था। इसे लेकर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेदम को एक शिकायती पत्र भी दिया था। पुत्र ने कहा कि पिता जगन गुर्जर की जेल में हत्या के बाद चाचा पप्पू गुर्जर के लिए भी खतरा बना हुआ है।

1 करोड़ का 'दुर्लभ कछुआ' दिखाकर 10 लाख की ठगी, 4 गिरफ्तार

अलवर, 30 जून (एजेंसियां)। अलवर में वैशाली नगर थाना पुलिस ने एक करोड़ रुपए कीमत का दुर्लभ कछुआ बताकर करोड़ों रुपए कमाने का झांसा देकर 10 लाख रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें मंगलवार तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। थाना प्रभारी गुरुदत्त सैनी ने बताया कि मामले में पुलिस ने आरोपी आसीन उर्फ मूंसा, राहुल सैन, महेन्द्र जोगी निवासी बीजवाड़ नरूका तथा नोवताराम बाबरिया निवासी बैराठ को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी की अन्य वारदातों के संबंध में गहनता से पूछताछ कर रही है। परिवादी उन्नस खान निवासी जमालपुर हाल किराएदार अंबेडकर नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया गया था कि वह उद्योग नगर स्थित एक फैक्ट्री में कार्य करता है। जनवरी में उसके पास आसीन नाम के व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को उसके गांव के युवक का साला बताते हुए एक ऐसा काम बताने की बात कही, जिससे 10 से 20 लाख रुपए कमाए जा सकते थे। अगले दिन सूर्य नगर मोड़ पर आसीन उर्फ मूंसा, राहुल सैन और महेन्द्र जोगी उससे मिले। तीनों ने उसे हरे रंग का एक कछुआ दिखाया और उसकी कीमत एक करोड़ रुपए बताई। लालच देकर 10 लाख रुपए में कछुआ बेचने की बात कही। पीड़ित ने उनके कहने पर तीन किश्तों में पांच लाख, तीन लाख और दो लाख रुपए दे दिए। रुपए लेने के बाद आरोपी उसे मोटरसाइकिल से नटनी का बारां ले गए, जहां कछुए को मृत बताकर नोवताराम उर्फ कट्टू बाबरिया को डॉक्टर बनाकर उससे जांच कराई। जब पीड़ित ने मृत कछुआ लेने की बात कही तो वहां पुलिस की वर्दी पहने एक व्यक्ति को बुलाकर उसे फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। डर के कारण वह वहां से चला गया।

प्राइवेट कॉलेज में 'सामूहिक नकल' का भंडाफोड़

5.50 लाख की थी 'डील'! कॉलेज संचालक-लेक्चरर समेत 4 अरेस्ट

जयपुर, 30 जून (एजेंसियां)। जयपुर के कालवाड़ रोड स्थित प्रभा देवी मेमोरियल पीजी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल की परीक्षा के दौरान सामूहिक नकल कराने और पेपर लीक की एक बहुत बड़ी साजिश का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम की गुप्त कार्रवाई के बाद जब परीक्षा केंद्र पर आम परीक्षार्थियों को पेपर बांटने में जानबूझकर देरी की गई, तो ग्राउंड फ्लोर और ऊपरी मंजिलों के सैकड़ों छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने सेंटर पर जमकर तोड़फोड़ और भारी हंगामा किया, जिसके बाद खोराबीसल थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कॉलेज संचालक, उनके भतीजे और झुंझुनूं के एक प्राइवेट कॉलेज के विभागाध्यक्ष व लेक्चरर सहित कुल 4 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जयपुर के कालवाड़ रोड स्थित प्रभा देवी मेमोरियल पीजी कॉलेज में चल रही राजस्थान पैरामेडिकल काउंसिल की परीक्षा में धांधली की कड़ियाँ बहुत दूर से जुड़ी हुई थीं। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस पूरी साजिश का ताना-बाना झुंझुनूं के एक कॉलेज से बुना गया था। साजिश की मुख्य कड़ियाँ इस प्रकार हैं:

कमजोर छात्रों को पास कराने का ठेकाः झुंझुनूं के मुकुंदगढ़ में स्थित 'एस. करण कॉलेज' के फर्स्ट ईयर के 45 ऐसे छात्र थे जिनकी पुरानी परीक्षाओं में बैक आई हुई थी। इन सभी छात्रों को किसी भी हाल में पास करवाने के लिए जयपुर के परीक्षा केंद्र के प्रबंधकों के साथ कुल 5.50 लाख का सौदा तय किया गया था।

पसंदीदा इनविजिलेटर की ड्यूटीः इस सीक्रेट प्लान के तहत तय हुआ था कि इन सभी 45 छात्रों को परीक्षा केंद्र के एक ही कमरे में एक साथ बैठाया जाएगा। वहां उनके मनपसंद इनविजिलेटर (वीक्षक/पर्यवेक्षक) की ड्यूटी लगाई जानी थी, जो खुद छात्रों को परीक्षा का पूरा पेपर हल करवाने यानी सीधे आंसर पढ़वाने वाले थे।

एडवांस पेमेंट का बैंक ट्रांसफरः आरोपियों ने इस अवैध व्यवस्था को सेट करने और परीक्षा केंद्र के स्टाफ को मैनेज करने के लिए एडवांस के तौर पर 3.27 लाख की रकम पहले ही कॉलेज प्रबंधन के खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर भी कर दी थी।

इस सामूहिक नकल की साजिश को परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले यानी 27 जून को ही अंजाम दिया जा रहा था, लेकिन इसकी भनक जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम और डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम को लग गई। पुलिस को सीक्रेट इनपुट मिला था कि कालवाड़ रोड के सेंटर पर एक बड़ा स्कैम होने जा रहा है।

10% कमीशन लेकर टेलीग्राम पर चलता था साइबर ठगी का नेटवर्क, 3 आरोपी गिरफ्तार

बीकानेर, 30 जून (एजेंसियां)। बीकानेर के साइबर थाना और जेएनवीसी थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के नेटवर्क से जुड़े तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी देशभर में सक्रिय साइबर ठगों को कमीशन के आधार पर 'म्यूल अकाउंट' (दूसरों के बैंक खाते) उपलब्ध कराते थे। ठगी की रकम पहले इन खातों में मंगवाई जाती और फिर उसे गिरोह के निर्देश पर दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता था। इसके बदले आरोपी करीब 10 प्रतिशत कमीशन लेते थे। सदर वृत्ताधिकारी अनुष्ठा कालिया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में लालमदेसर बड़ा निवासी रामस्वरूप (20) पुत्र मोहनराम, सीताराम (20) पुत्र बाबूलाल तथा तेजरासर निवासी मुन्नीराम (21) पुत्र हेमाराम शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 15 मोबाइल फोन, 9 सिम कार्ड, 8 एटीएम कार्ड, 3 बैंक पासबुक, 3 चेकबुक, 4 आधार कार्ड, 3 पैन कार्ड तथा बैंकिंग कार्य में प्रयुक्त अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। साइबर थानाधिकारी शालिनी बजाज के अनुसार, जांच में सामने आया कि साइबर ठगी का मुख्य गिरोह टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से आरोपियों के संपर्क में रहता था। गिरोह देशभर के लोगों को ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाकर रकम आरोपियों द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खातों में जमा करवाता था। इसके बाद आरोपी राशि अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर अपना कमीशन रख लेते थे। पूछताछ में आरोपियों ने नेटवर्क के संचालन और ठगी के तरीके से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं। पुलिस जांच में आरोपियों के बैंक खातों से अब तक करीब 68 लाख रुपए के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। इन खातों के संबंध में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर देश के विभिन्न राज्यों से पहले से कई शिकायतें दर्ज हैं।

करवड़ में मिला विस्फोटक गोला

डिफ्यूज नहीं हुआ तो सेना ने उड़ा दिया

जोधपुर, 30 जून (एजेंसियां)। जोधपुर के करवड़ क्षेत्र के पास बिना फटा विस्फोटक गोला (अनएक्सप्लोडेड ऑर्डिनेंस-यूएक्सओ) मिलने से क्षेत्र में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। पुलिस और प्रशासन से सूचना मिलते ही भारतीय सेना की बम निरोधक (बॉम्ब डिस्पोजल) टीम तत्काल मौके पर पहुंची। बम निरोधक टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से निष्प्रभावी कर संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। बम पूरी तरीके से डिफ्यूज नहीं होने पर सेना ने सुरक्षित रूप से उसे उड़ा दिया। जोधपुर में सेना की विशेषज्ञ टीम ने सबसे पहले पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लिया और आमजन की आवाजाही पर रोक लगाई। इसके बाद निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप नियंत्रित प्रक्रिया अपनाकर विस्फोटक का सुरक्षित निस्तारण किया गया। पूरी कार्रवाई बेहद सावधानी और पेशेवर तरीके से संपन्न हुई, जिससे किसी प्रकार की जनहानि या नुकसान नहीं हुआ। सेना और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि यदि कहीं भी संदिग्ध विस्फोटक सामग्री या सैन्य उपकरण दिखाई दे तो उसे छूने या हटाने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन या पुलिस को सूचना दें, ताकि विशेषज्ञ टीम सुरक्षित तरीके से उसका निस्तारण कर सके। राजस्थान के यात्रियों के लिए हवाई सफर का एक नया विकल्प खुलने जा रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एक जुलाई से जयपुर और जोधपुर तथा दो जुलाई से किशनगढ़ के लिए नियमित उड़ानें शुरू हो जाएगी।

नगर निगम का जेईएन 80 हजार लेते गिरफ्तार

जयपुर, 30 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जयपुर नगर निगम के एक कनिष्ठ अभियंता को 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी जेईएन संजय कुमार बैरवा पर आरोप है कि उसने निर्माणाधीन मकान को सील नहीं करने और निर्माण कार्य निर्बाध रूप से जारी रखने देने के बदले 2 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने अपने पुराने जर्जर मकान को तोड़कर नया मकान बनाने के लिए सिविल लाइंस जोन में भवन निर्माण स्वीकृति के लिए आवेदन किया था। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद मकान की सील हटाई गई और बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर तथा प्रथम तल के निर्माण की विधिवत अनुमति भी प्रदान कर दी गई थी। इसके बावजूद 3 जून को जेईएन संजय कुमार बैरवा और नगर निगम का चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी दीनदयाल निर्माणाधीन मकान पर पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने मकान को दोबारा सील करने, गार्ड तैनात करने और निर्माण कार्य रुकवाने की धमकी देकर परिवादी पर दबाव बनाया। इसके बाद जेईएन ने स्वयं और तत्कालीन उपायुक्त सुनील बैरवा के नाम पर 2 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की।

फर्जी एमएसजी सर्टिफिकेट रैकेट में एसओजी की बड़ी कार्रवाई

विदेश से एमबीबीएस करने वाले तीन और डॉक्टर गिरफ्तार

जयपुर, 30 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में फर्जी एफएमजी स्क्रीनिंग सर्टिफिकेट मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले तीन और डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि तीनों ने एफएमजी स्क्रीनिंग परीक्षा में असफल होने के बाद लाखों रुपये खर्च कर फर्जी प्रमाणपत्र बनवाए और उन्हीं के आधार पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल (आरएमसी) में पंजीयन कराकर मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप भी पूरी कर ली। एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि मामले की जांच एसओजी थाना जयपुर में दर्ज प्रकरण संख्या 08/26 के तहत की जा रही है। एसओजी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में बांसवाड़ा निवासी नवदीप तंबोलिया, प्रतापगढ़ निवासी चिराग साहु और दौसा निवासी आफरीदी खान शामिल हैं। नवदीप ने किर्गिस्तान से, जबकि चिराग और आफरीदी ने कजाकिस्तान से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की थी। जांच में पता चला कि तीनों एफएमजी स्क्रीनिंग परीक्षा में कई बार असफल रहे। इसके बाद उन्होंने दलालों के माध्यम से 23.50 लाख से 25 लाख रुपये देकर फर्जी स्क्रीनिंग सर्टिफिकेट तैयार कराए। जांच के अनुसार, नवदीप तंबोलिया ने शुभम गुर्जर के जरिए 25 लाख रुपये में फर्जी सर्टिफिकेट बनवाया और राजकीय मेडिकल कॉलेज, दौसा में इंटर्नशिप की।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने महिलाओं को ऋण बढ़ाने पर दिया जोर

सीएम ने दो एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एमसीआर एचआरडी के बोधी पवेलियन में एचडीएफसी बैंक के सीएसआर फंड से किए गए विभिन्न विकास कार्यों का मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने उद्घाटन किया। कार्यक्रम में तेलंगाना के नवनियुक्त मुख्य सचिव संजय जाजू , राज्यसभा सदस्य वेण नरेन्दर रेड्डी, भूपालपल्ली विधायक गंड्रा सत्यनारायण राव, सीएमओ ओएसडी वेमुला शीनिवासुलु, और तेलंगाना स्टेट ट्रेड प्रमोशन कॉर्पोरेशन के चेयरमैन ऐता प्रकाश रेड्डी सहित एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दो एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा भूपालपल्ली के सरकारी जनरल अस्पताल में वर्चुअल माध्यम से एमआरआई मशीन का उद्घाटन भी किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिला संगठनों को अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला समूहों के साथ मिलकर लॉजिस्टिक पार्क, गोदाम और राइस मिल जैसी परियोजनाएं विकसित कर रही है, जिसके लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता जरूरी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों की ऋण अदायगी का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है, जो उनकी आर्थिक मजबूती और जिम्मेदारी को दर्शाता है। उन्होंने बैंकिंग संस्थानों से आग्रह किया कि वे इन समूहों को और अधिक वित्तीय सहयोग प्रदान करें ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और सशक्त बनाया जा सके।

सरकारी विद्यालयों का पूर्ण रूप से कायाकल्प कर रही है राज्य सरकार : रेवंत रेड्डी

सीएम से उद्योगपति सुनील भारती मित्तल की शिष्टाचार भेंट

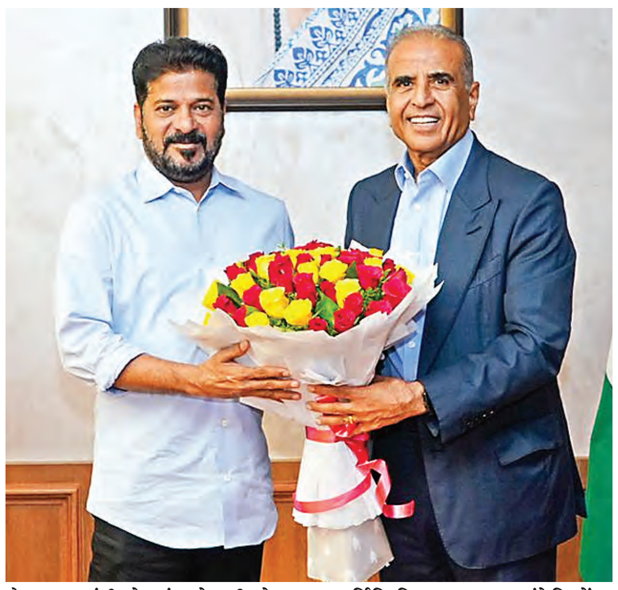

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एमसीआर एचआरडी के बोधी पवेलियन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से प्रसिद्ध उद्योगपति एवं भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने शिष्टाचार भेंट की। इस बैठक में तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक सुधारों की जानकारी सुनील भारती मित्तल को दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सरकारी विद्यालयों का पूर्ण रूप से कायाकल्प कर रही है। साथ ही बेरोजगार युवाओं के कौशल विकास के लिए स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईटीआई संस्थानों को एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर्स (एटीसी) में परिवर्तित किया जा रहा है तथा पॉलिटेक्निक कॉलेजों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने चंदनवेल्ली डेटा सेंटर परियोजना को जल्द से जल्द शुरू करने का सुझाव दिया। उन्होंने तेलंगाना में एक बड़े एकीकृत डेटा सेंटर तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अवसंरचना कैंपस स्थापित करने की संभावनाओं पर भी विचार करने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हैदराबाद में एयरटेल की डिजिटल, क्लाउड, साइबर सुरक्षा और एआई गतिविधियों को और अधिक विस्तार दिया जाना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने भविष्य के निवेश अवसरों और विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए तेलंगाना सरकार के साथ समन्वय बनाए रखने हेतु कंपनी की ओर से एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी को नामित करने का भी सुझाव दिया। इस अवसर पर सुनील भारती मित्तल ने कहा कि भारती फाउंडेशन के माध्यम से सरकारी स्कूलों और एटीसी में अध्ययनरत विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि एयरटेल हैदराबाद को अपने दूसरे मुख्यालय के रूप में देखता है। मित्तल ने डेटा सेंटरों की क्षमता बढ़ाने के लिए आगे आने का आश्वासन दिया तथा राज्य में फाइबर कनेक्टिविटी को और मजबूत करने में भी रुचि व्यक्त की।

सिगाची हादसे में न्याय मिलने तक मामला नहीं छोड़ा जाएगा : मंत्री विवेक

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण, फैक्ट्री, खान एवं भूविज्ञान मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने सिगाची औद्योगिक हादसे को लेकर पूर्व मंत्री टी. हरीश राव के आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है।

मंत्री ने गोदावरीखानी में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस दर्दनाक हादसे में 54 लोगों की मौत के बाद सरकार ने तुरंत संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी स्वयं अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना तथा बेहतर इलाज के निर्देश दिए। साथ ही मंत्रियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई गई। डॉ. वेंकटस्वामी ने कहा कि सरकार के दबाव के बाद कंपनी प्रबंधन ने मृतकों के परिजनों को लगभग 50 लाख रुपये का मुआवजा देने पर सहमति जताई। उन्होंने बताया कि कंपनी के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं और उसके चेयरमैन व प्रबंध निदेशक को गिरफ्तार भी किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हाईकोर्ट में भी यह स्पष्ट किया है कि पीड़ितों को पूर्ण न्याय दिलाया जाएगा और किसी भी स्थिति में मामला बंद नहीं किया जाएगा। पूर्व बीआरएस सरकार पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा कि पहले हुए हादसों और छात्र आत्महत्याओं के मामलों में भी तत्काल कार्रवाई नहीं की गई थी। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस सरकार कानून के तहत हर संभव कदम उठा रही है और पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है, जब तक उन्हें पूरा न्याय नहीं मिल जाता।

कुमराम भीम आसिफाबाद में 414 किलो गांजा नष्ट

कुमराम भीम आसिफाबाद, 30 जून 2026 (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में पुलिस ने पिछले दो वर्षों के दौरान जब्त किए गए 414 किलोग्राम गांजा को विधिवत रूप से नष्ट कर दिया। इस प्रतिबंधित मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 1.70 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक नितिका पंत ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2024 और 2025 में दर्ज एनडीपीएस मामलों में बरामद गांजे को नियमानुसार नष्ट किया गया है। उन्होंने बताया कि 2025 में दर्ज 57 मामलों में 296.31 किलोग्राम गांजा तथा 964 गांजे के पौधे जब्त किए गए, जबकि 2024 में 53 मामलों में 117 किलोग्राम गांजा और 1,039 पौधे बरामद किए गए थे।

'मेड इन तेलंगाना' उड़ रहा दुनिया के आसमान में : मंत्री उत्तम

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य को वैश्विक एयरोस्पेस एवं डिफेंस हब के रूप में स्थापित करने का दावा किया है। हैदराबाद में आयोजित एयरोमार्ट हैदराबाद-2026 अंतरराष्ट्रीय एयरोस्पेस एवं डिफेंस बिजनेस कन्वेंशन के उद्घाटन अवसर पर राज्य के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री तथा पूर्व फाइटर पायलट उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि अब मेड इन तेलंगाना तकनीक दुनिया के अत्याधुनिक विमानों और रक्षा प्रणालियों में अपनी पहचान बना रही है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद वैश्विक एयरोस्पेस उद्योग का नया केंद्र बनकर उभर रहा है और आने वाले समय में राज्य विमान, हेलीकॉप्टर, रक्षा प्रणाली तथा संबंधित तकनीकों के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका और यूरोप की प्रमुख कंपनियों द्वारा हेलीकॉप्टर कैबिन, विमान के पंख, इंजन पार्ट्स और एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल) क्षेत्र में तेलंगाना में उत्पादन किया जा रहा है, जो राज्य की औद्योगिक विश्वसनीयता का प्रमाण है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में 1,500 से अधिक एमएसएमई इकाइयां एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं और सरकार द्वारा विकसित औद्योगिक पार्क एवं विशेष आर्थिक क्षेत्र निवेश के लिए अनुकूल माहौल प्रदान कर रहे हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.17-एसटी-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवाईबी & 18-ओइडब्ल्यू-26-27- एसआर.डीईई-एम-एचवाईबी

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/एम/एचवाईबी द्वारा निम्न निविदाएं, बंद करने की तिथि-24-07-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता या बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को उक्त बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य है तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम सं. 1, कार्य विवरणः निविदा सं.17-एसटी-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवाईबीः हैदराबाद डिवीजनः 1) एचयुएन/एचडीएन रूट्स पर सीवीबी स्टेशन पर इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिंग सिस्टम द्वारा दोनो इनडोर तथा आउटडोर पैनल इन्टरलाकिंग का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य–बिजली व्यवस्थाएं। 2) जीडब्ल्यूडी–पीडीओ स्टेशनों के बीच किमी नं.194/800-900 पर एलसी नं.103 की इन्टरलाकिंग से संबंधित सिग्नल्लिंग व्यवस्था--बिजली व्यवस्थाएं। 3) एसटीपीडी--एमयुई सेक्शन पर एलसी गेट नं. 231, 235 & 238 की इन्टरलाकिंग से संबंधित सिग्नल्लिंग व्यवस्था--बिजली व्यवस्थाएं।
अनुमानित मूल्य रु.1,00,75,259.00 अग्रधन रु.2,01,500.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, बंद करने की तिथिः 24-07-2026

क्रम सं. 2, कार्य विवरणः निविदा सं.18-ओइडब्ल्यू-26-27-एसआर.डीईई-एम-एचवाईबीः हैदराबाद डिवीजनः डिवीजन पर लिफ्ट्स के लिए कैमरे का प्रावधान।
अनुमानित मूल्य रु.79,59,122.00 अग्रधन रु.1,59,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने, बंद करने की तिथिः 24-07-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर. डीईई /एम/एचवाईबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद–500071

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/हैदराबाद

चोरी के सोने के बिस्किट और नकदी के साथ दो बहनें गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के केपीएचबी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में सोने की बिस्किट और नकदी चोरी के एक मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने दो घरेलू सहायिकाओं को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता/पीड़ित उडदागिरी ताता राव के किराए के मकान में इंडु फॉर्च्यून फील्ड्स, केपीएचबी कॉलोनी में यह घटना हुई। जानकारी के अनुसार, घर में कार्यरत घरेलू सहायिकाएं मुख्य आरोपी कोनाला रम्या और उसकी छोटी बहन कर्री नागलक्ष्मी दोनों कॉलोनी में घरेलू सहायिका के रूप में कार्यरत थीं। बताया गया कि घर के मालिक की पत्नी नागा उदय भास्करम जल्दबाजी में दूसरी मंजिल पर स्थित अलमारी को खोलकर बंद करना भूल गई थीं। उसी समय दोनों घरेलू सहायिकाओं ने खुली अलमारी देखी, जिसमें 24 कैरेट का लगभग 100 ग्राम वजन का एक सोने का बिस्किट और एक लाख रुपये नकद रखा हुआ था।

मिथिला की संस्कृति और एकता अहम : नितिन नवीन

मिथिला सामाजिक मंच ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से भेंट की

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से उनके हैदराबाद प्रवास के दौरान मिथिला सामाजिक मंच, हैदराबाद के पदाधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल मिला।

मिथिला प्रिंटिंग से सुचित्रित पाग एवम शॉल द्वारा पारम्परिक विधि से राम विनोद झा एवं रंजन कुमार झा ने नवीन का स्वागत किया गया। इस दौरान महासचिव रंजन कुमार झा ने मंच के उद्देश्य, मिथिला समाज के विकास तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन आदि संबंधी विषयों की संक्षिप्त जानकारी लिखित रूप में उन्हें दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि मिथिला की संस्कृति और एकता को मजबूत करने के लिए ऐसे मंचों की भूमिका अहम है। मंच के सभी सामाजिक कार्यों में हर संभव सहयोग मिलेगा। मंच के पदाधिकारियों ने उन्हें आगामी कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया।

इस अवसर पर मंच के संरक्षक डॉ. अजित कुमार ठाकुर, संजय कुमार सिंह तथा सीता राम ठाकुर एवं युवा नेता नवरतन पासवान आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को कार्यकारिणी की बैठक में बीजेपी कार्यकारणी मेम्बर गोविंद नारायण राठी, पूर्व कॉरपोरेटर बेगम बाजार शंकर यादव एवं बीजेपी मंत्री महिपाल रेड्डी ने उनका स्वागत करते हुए तेलंगाना से संबंधित फोटोयुक्त पुस्तक भेंट की।

ई–निविदा आमंत्रण सूचना
(https://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीई/सी-II/एससी, सीई/सी–VI/एससी & सीई/सी/पीएलजी. & एसवाय./एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, दक्षिण मध्य रेलवे–दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, एनआईटी संख्याः 33-सीएओ-सीएससी-2026 दि.23-06-2026 कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे–दमरे- निर्माण संगठनः सिकंदराबाद डिवीजनः सिकंदराबाद–वाडी सेक्शनः बांध या एम्बैन्कमेंट तथा कटाई में भू कार्य का निष्पादन, आरडीएसओ मानकों नुसार ब्लैंकेटिंग, प्रमुख पुलों, छोटे पुलों & पुलों के नीचे सडकों (आरयुबीज) का निर्माण कार्य, स्टेशन & सर्विस बिल्डिंग्स, एप्रोच रोड्स, हाय लेवल प्लेटफार्म्स का निर्माण कार्य तथा 1) तेल्लापुर स्टेशन (टीएलपीआर)–किमी 154.000 से किमी 159.000 तक (नागलपल्ली, लिंगमपल्ली तथा बीएचइएल हाल्ट स्टेशनों को छोडकर) (2) बोराबंडा स्टेशन (बीआरबीडी)–किमी 171.000 से किमी 173.500 पर प्रस्तावित नए तृतीय & चतुर्थ लाइन यार्ड व्यवस्थाओं से संबंधित छिटपुट सिविल कार्यो का निष्पादन।
अनुमानित मूल्य रु.93,73,86,092.99 अग्रधन रु.1,87,47,700.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने, खोलने की तिथिः 28-07-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.2, एनआईटी संख्याः 34-सीएओ-सी-एससी-2026 दि.25-06-2026 कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे–दमरे- निर्माण संगठनः हैदराबाद डिवीजनः प्रस्तावित बीजी ट्रैक को बिछाना व जोडना, एसेम्बलिंग & पाइन्ट्स की इनसर्शन & क्रासिंग्स, आपूर्ति, स्टोन बाल्लास्ट की लीडींग & डम्पिंग तथा आलमपुर (यार्ड छोडकर) से दुपाडू (यार्ड मिलाकर) स्टेशनों पर सीएच. 238000.0एम से 255500.0एम तक अन्य छिटपुट कार्यों का निष्पादन।
अनुमानित मूल्य रु.20,87,68,547.49 अग्रधन रु.41,75,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 18 (अठारह) महिने, खोलने की तिथिः 17-07-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.3 एनआईटी संख्याः डीडीसी-01-सीएओ-सी-एससी-2026 दि.24-06-2026 कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे- निर्माण संगठनः डिटेल्ड डिजाइन कंसल्टन्ट की नियुक्ति — तत्संबंधित सेवाएं जैसे नई लाइन हेतु स्ट्रक्चरल डिजाइन्स, डबलिंग, तृतीय व चतुर्थ लाइन परियोजनाएं, पुलों के उपर सडकें तथा पुलों के नीचे सडकें आदि सहित सीएओ–निर्माण, दमरे, सिकंदराबाद के तहत स्टेशन बिल्डिंग्स, एफओबीज, पीएफ शेल्टर्स तथा परियोजनाओं हेतु अन्य सहायक स्ट्रक्चर्स तत्संबंधित सेवाओं को प्रदान करने हेतु उक्त नियुक्ति।
अनुमानित मूल्य रु.9,26,28,000.00 अग्रधन रु.6,13,100.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 36 (छत्तीस) महिने, खोलने की तिथिः 17-08-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें।
निविदाकार अपने आफर्स को, आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने के पंद्रह दिनों पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं।
निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन में जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

A481 मुख्य प्रशासकीय अधिकारी/निर्माण/सिकंदराबाद

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं. वाई/सी. ई–नीलामी/एचवायबी/2026-27, दि.29-06-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे–दमरे द्वारा हैदराबाद डिवीजन पर छिटपुट स्थैतिक सेवाओं की वाणिज्यिक प्रचार संविदाओं को प्रदान करने हेतु आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in ई–आक्शन लीजिंग माड्यूल के माध्यम से ई–नीलामी आमंत्रित है। ई–नीलामी अनुसूची निम्न प्रकार है।

क्रम सं.1, श्रेणीः एमएसएस_एचवायबी_ एसटीपीडी_इवीसी_117_26_1 (छिटपुट स्थैतिक सेवाएं इवी चार्जिंग स्टेशन्स), सूची सं.- एचवायबी–एमएसएस–67, कार्य विवरणः हैदराबाद भवन पर ईवी चार्जिंग सुविधा, नीलामी दिनांकः 08-07-2026, नीलामी शुरु समयः 15.00 बजे, नीलामी बंद समयः 15.30 बजे

क्रम सं.2, श्रेणीः एमएसएस–एचवायबी -डीवाईई–बीएस -95-25-1 (छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स), सूची सं.- एचवायबी–एमएसएस–67, कार्य विवरणः दयानंद नगर पर बैटरी स्वैपिंग ठेका , नीलामी दिनांकः 08-07-2026, नीलामी शुरु समयः 15.10 बजे, नीलामी बंद समयः 15.40 बजे

क्रम सं.3, श्रेणीः एमएसएस–एचवायबी एसबीबीजे -एसटीजीइएन -109-25-1 (छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-जनरल), सूची सं.- एचवायबी–एमएसएस–67, कार्य विवरणः श्री बाला भ्रमरेश्वरा जोगुलाम्बा (एसबीबीजे) हाल्ट स्टेशन पर एसी रिटायरिंग रूम, नान- एसी रिटायरिंग रूम, दुपहिया पार्किंग व फूड ट्रक का संचालन एवं रखरखाव, नीलामी दिनांकः 08-07-2026, नीलामी शुरु समयः 15.20 बजे, नीलामी बंद समयः 15.50 बजे

क्रम सं.4, श्रेणीः एमएसएस–एचवायबीयुआर -एसटीजीइएन -121-26-1 (छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-जनरल), सूची सं.- एचवायबी–एमएसएस–067, कार्य विवरणः स्टेशन सर्कूलेटिंग एरिया पर फूड ट्रक (ग्राहकों की सेवा 24*7) चाट स्टाल /ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक्स /ज्यूस बार का संचालन एवं रखरखाव, नीलामी दिनांकः 08-07-2026, नीलामी शुरु समयः 15.30 बजे, नीलामी बंद समयः 16.00 बजे

क्रम सं.5, श्रेणीः एमएसएस–एचवायबी एसटीपीडी -पीएस -123-26-1 (छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-प्रिमीयम स्टोर्स), सूची सं.- एचवायबी–एमएसएस–067, कार्य विवरणः मेट्टुगूडा रेलवे परिसरों के परिसंचरण क्षेत्र में प्रीमियम ब्रान्ड स्टोर्स/स्टाल्स'/आउटलेट्स। , नीलामी दिनांकः 08-07-2026, नीलामी शुरु समयः 15.40 बजे, नीलामी बंद समयः 16.10 बजे

क्रम सं.6, श्रेणीः एमएसएस–एचवायबी एमएक्सटी -पीएस -120-26-1 (छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-प्रिमीयम स्टोर्स), सूची सं.- एचवायबी–एमएसएस–067, कार्य विवरणः मलकपेट रेलवे स्टेशन 132.51 स्क्वे.मीटर्स पर प्रीमियम स्टोर्स, नीलामी दिनांकः 08-07-2026, नीलामी शुरु समयः 15.50 बजे, नीलामी बंद समयः 16.20 बजे

क्रम सं.7, श्रेणीः एडीवीटी–आइएनटी–206103 -2-26-1 (रेल की भीतरी ओर विज्ञापन), सूची सं.- एचवायबी–मिकस्ड–एनएफआर, कार्य विवरणः रेल सं.20703/20704, काचीगुडा (केसीजी) यशवन्तपुर (वाईपीआर) वन्दे भारत एक्सप्रेस हेतु वीनाइल रैपिंग द्वारा विज्ञापन। केवल रेल के अंदरूनी तरफ ही विज्ञापन आफर किये जायेंगे। महत्वपूर्ण सूचनाः यह विज्ञापन अधिकार रेल नं. 20703/20704, केसीजी–वाईपीआर एक्सप्रेस की भीतरी तरफ जोकि सोल एडर्टाइजमेन्ट राइट्स नही है तथा विवरित संलग्न खास शर्ते के स्पेसिफिक एरियाज हेतु ही यह विज्ञापन हैं। नीलामी दिनांकः 10-07-2026, नीलामी शुरु समयः 12.00 बजे, नीलामी बंद समयः 12.30 बजे

क्रम सं.8, श्रेणीः एडीवीटी–आइएनटी–202068 -1-25-1 (रेल की भीतरी ओर विज्ञापन), सूची सं.- एचवायबी–मिकस्ड–एनएफआर, कार्य विवरणः रेल सं.12789/12790, काचीगुडा -मुरुडेश्वर, काचीगुडा एक्सप्रेस व रेल सं.22715/22716 काचीगुडा–मदुराई काचीगुडा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के भीतरी तरफ, नीलामी दिनांकः 10-07-2026, नीलामी शुरु समयः 12.10 बजे, नीलामी बंद समयः 12.40

क्रम सं.9, श्रेणीः एडीवीटी–एचवाईबीएसएफएक्स–ओएच 12425-1 (एडवर्टाइजिंग आउट आफ होम), सूची सं.- एचवायबी–मिकस्ड–एनएफआर, कार्य विवरणः दयानंद नगर, सफीलगुडा, रामकिस्टापुरम स्टेशनों पर आउट आफ होम श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार। नीलामी दिनांकः 10-07-2026, नीलामी शुरु समयः 12.20 बजे, नीलामी बंद समयः 12.50

क्रम सं.10, श्रेणीः एडीवीटी–ईबीडब्ल्यू–324769-1-26-1 (रेल की बाहरी तरफ एडवर्टाइजिंग (खिडकी के नीचे), सूची सं.- एचवायबी–मिकस्ड–एनएफआर, कार्य विवरणः रेल सं.12789/12790, काचीगुडा मुरुडेश्वर काचीगुडा एक्सप्रेस तथा रेल सं. रेल सं.22715/22716 काचीगुडा मदुराई सुपरफास्ट एक्सप्रेस की बाहरी तरफ विज्ञापन, एरिया–3053.86, नीलामी दिनांकः 10-07-2026, नीलामी शुरु समयः 12.30 बजे, नीलामी बंद समयः 13.00

क्रम सं.11, श्रेणीः एमएसएस–एचवायबी–युआरइवीसी–6--26-1 (छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-ईवी चार्जिंग स्टेशन्स), सूची सं.-एचवायबी–मिक्सड–एनएफआर, कार्य विवरणःउमदानगर रेलवे स्टेशन, जोकि राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट समीप रेल टर्मिनल, पर ईवी चार्जिंग स्टेशन। नीलामी दिनांकः 10-07-2026, नीलामी शुरु समयः 12.40 बजे, नीलामी बंद समयः 13.10

क्रम सं.12, श्रेणीः एमएसएस–एचवायबी–जीडब्ल्यूजी–एसटीजनरल–124-26-1 (छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-सामान्य), सूची सं.-एचवायबी–मिक्सड–एनएफआर, कार्य विवरणः स्टेशन सर्कूलेटिंग एरिया पर फूड ट्रक (ग्राहकों की सेवा 24*7) चाट स्टाल /ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक्स /ज्यूस बार का संचालन एवं रखरखाव, नीलामी दिनांकः 08-07-2026, नीलामी शुरु समयः 12.50 बजे, नीलामी बंद समयः 13.20

A480 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/हैदराबाद

निजामाबाद में 1,700 सिलाई मशीनों का वितरण

28 लाख रुपये की सीएमआरएफ सहायता जारी

निजामाबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने मंगलवार को निजामाबाद में अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण किया तथा मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के तहत लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक प्रदान किए।

इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार की अल्पसंख्यक एवं गरीब वर्गों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया।

तेलंगाना अल्पसंख्यक वित्त निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शब्बीर अली ने बताया कि जिले में कुल 1,700 सिलाई मशीनें वितरित की जा रही हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 1.02 करोड़ रुपये है। इनमें से 500 सिलाई मशीनें निजामाबाद अर्बन विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं को दी गईं। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के उपक्रम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 175वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ईसीआईएल के निदेशक (तकनीकी) तथा अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अति. प्रभार) डॉ. अनीश कुमार शर्मा ने की। बैठक में समिति के सदस्य-सचिव एवं वरिष्ठ प्रबंधक (कॉरपोरेट संचार एवं राजभाषा) विश्व दीपक तिवारी ने हिन्दी के कार्यान्वयन की तिमाही प्रगति की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की।

बैठक में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई।

इसके अतिरिक्त मुख्यालय एवं अन्य आंचलिक/शाखा कार्यालयों में संसदीय राजभाषा निरीक्षण की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। बैठक में आगामी हिन्दी दिवस एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन-2026 में ईसीआईएल की सक्रिय सहभागिता, ईसीआईएल गौरव पत्रिका के आगामी अंक-27 के प्रकाशन, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद की गतिविधियों तथा ईसीआईएल के कॉरपोरेट विज्ञापन को वर्तमान तकनीकी उपलब्धियों एवं राष्ट्रीय अभियानों के अनुरूप अद्यतन करने के प्रस्ताव पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अनीश कुमार शर्मा ने कहा कि राजभाषा हिन्दी का प्रयोग केवल औपचारिकता न होकर संगठन की कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे तकनीकी, प्रशासनिक तथा डिजिटल कार्यप्रणालियों, विशेषकर ई-ऑफिस, पत्राचार, टिप्पण एवं प्रारूपण में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी. कनका श्री महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक तथा अजहर सुल्तान, अनुभाग सहायक का उल्लेखनीय योगदान रहा।

बिजनेस मीट का आयोजन

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग एच2एच प्रगति (विशाखापट्टनम चैप्टर) ने विशाखापट्टनम के होटल ओशन विस्टा बे में सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक बिजनेस मीट का आयोजन किया। इस बैठक का मकसद विशाखापट्टनम में हिंदू व्यापारियों की मदद करना और उन्हें बढ़ावा देना था। इस बैठक के मुख्य अतिथि उद्योगपति गोपाल बलदवा थे। साथ ही, एंकर और सोशल वर्कर शिल्पिका भी इसमें शामिल हुईं।

अध्यक्ष निर्मला वोम्मी के साथ डॉ. राधिका, सुधीर चौधरी और सीए वेंकटेश जैसे अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। यह बैठक अध्यक्ष निर्मला वोम्मी के नेतृत्व में आयोजित की गई थी। 'टीम प्रगति' का हौसला बढ़ाने के लिए संस्थापक गीतेश काटे भी इस मौके पर मौजूद थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित

हरमनप्रीत को कप्तान, मंधाना को उपकप्तान बनाया; यास्तिका की जगह कमलिनी को मौका

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। सिलेक्टर्स ने हरमनप्रीत कौर को कप्तान और स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया है। बीसीसीआई की सीनियर चयन समिति ने विकेटकीपर यास्तिका भाटिया की जगह जी. कमलिनी को मौका दिया है। शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा जैसे सीनियर्स पर भरोसा जताया है। खराब फॉर्म से जूझ रही विकेटकीपर यास्तिका भाटिया को टीम से ड्रॉप कर दिया गया है। उनकी जगह डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस से खेलने वाली 17 साल युवा विकेटकीपर जी. कमलिनी को मौका दिया गया है। यास्तिका वर्ल्ड कप के दौरान मिले मौकों का वे फायदा नहीं उठा सकीं। उन्होंने 4 मैचों की 3 पारियों में 13.66 की औसत और 117.14 के स्ट्राइक रेट से केवल 41 रन बनाए।

एशियन गेम्स महिला ग्रुप

ग्रुप/फेज	टीमें
ग्रुप-ए	इंडोनेशिया, मंगोलिया
ग्रुप-बी	हॉन्गकॉन्ग, मलेशिया
क्वार्टरफाइनल	भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका बांग्लादेश

स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को फिटनेस क्लीयरेंस मिलने के बाद टीम में जगह दी गई है। वे टी-20 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ टखने में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं। उनकी जगह वर्ल्ड कप टीम में शामिल प्रेमा रावत को इस बार मौका नहीं मिला। पेस अटैक की जिम्मेदारी रेणुका सिंह और अरुंधति रेड्डी संभालेंगी, जबकि स्पिन विभाग में राधा यादव और श्रेयांका पाटिल मुख्य चेहरा होंगी।

एशियन गेम्स में क्रिकेट इवेंट टी20फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा। आईसीसी रैंकिंग में टॉप टीमों में शामिल होने के कारण भारतीय महिला टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल या नॉकआउट स्टेज में एंट्री मिलने की उम्मीद है। पिछली बार की तरह इस बार भी भारतीय टीम का मुख्य मुकाबला पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी एशियाई टीमों से होने की उम्मीद है। मुख्य कोच और मैनेजमेंट खिलाड़ियों के वर्कलोड और फिटनेस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारत का स्क्वॉड

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयांका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

इंग्लैंड दौरे पर टिकी है वनडे वर्ल्ड कप की किस्मत

रोहित शर्मा के भविष्य का फैसला! सुनील गावस्कर ने क्या कह दिया?

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की वनडे सीरीज रोहित शर्मा के लिए यह दिखाने का बहुत अच्छा मौका होगी कि वह अगले साल होने वाले 50 ओवर के वर्ल्ड कप में भारत के लिए पारी का आगाज करेंगे। रोहित और विराट कोहली दोनों भारत के लिए सिर्फ एक फॉर्मेट में खेलते हैं, वे 14-19 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में वापसी करेंगे। गावस्कर ने कहा कि रोहित जानते हैं कि अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में जगह बनाने के लिए उनकी स्थिति क्या है। गावस्कर ने कहा,'रोहित शर्मा के बारे में कब बात नहीं हुई है? रोहित शर्मा के बारे में हमेशा से बहुत बात होती रही है।' उन्होंने कहा, 'वह जानते हैं कि उनकी स्थिति क्या है। मुझे लगता है कि जाहिर तौर पर अहम लोगों और रोहित शर्मा के बीच साफ तौर पर जानकारी का

रोहित शर्मा और सुनील गावस्कर

आदान-प्रदान हुआ है। वह अच्छी तरह जानते हैं कि उनकी स्थिति क्या है और वर्ल्ड कप तक के अगले डेढ़ साल में उन्हें बस लगातार अच्छा प्रदर्शन करना है।'

गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जो अपनी प्रतिभा और काबिलियत के कारण कोई दबाव महसूस करते हैं। इंग्लैंड (दौरा) उनके लिए यह दिखाने का बहुत अच्छा मौका है कि डेढ़ साल बाद भी वह भारत के लिए पारी का आगाज करते रहेंगे।' गावस्कर ने कहा कि किसी भी भारतीय खिलाड़ी का आकलन कभी खत्म नहीं होता और सीनियर बल्लेबाजों को पता होता है कि उन्हें लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहना होगा। उन्होंने कहा, 'जब आप डेब्यू करने वाले युवा खिलाड़ी होते हैं, तो आप पर नजर रखी जाती है कि आप अंतरराष्ट्रीय (क्रिकेट के) दबाव को कैसे संभालते हैं, क्या आपमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का मिजाज और काबिलियत है।' उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट में ऐसा होता है कि शुरुआत से ही खिलाड़ियों पर लगातार नजर रखी जाती है और यह दबाव लगभग कभी खत्म नहीं होता। इसलिए इन खिलाड़ियों के लिए यह निगरानी या आलोचना कोई नई बात नहीं होगी।'

उन्होंने कहा, 'वे जानते हैं कि दबाव को कैसे संभालना है और उन्हें पता है कि एकमात्र तरीका है रन बनाते रहना, जो कैच मिलें उन्हें पकड़ना, रन-आउट करना और साथ ही कप्तान को सलाह देने के लिए तैयार रहना क्योंकि वे खुद कप्तान रह चुके हैं और उनके पास अनुभव है।' गावस्कर ने कहा कि रोहित और कोहली के मामले में, उनकी शारीरिक क्षमताओं पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा जिसे वे दोनों आसानी से संभाल सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है और आप 35 साल के पार जाते हैं, तो आपके स्वभाव के बजाय आपकी शारीरिक फिटनेस पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। उनके पास जो अनुभव है, उससे वे इसे आसानी से संभाल लेंगे।'

वर्ल्ड रोइंग कप: सेना के दो हवलदार लक्ष्य और उज्ज्वल ने दिलाया विश्वकप का पहला स्वर्ण पदक

बर्न (स्विट्जरलैंड), 30 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उसके जवान सिर्फ सीमाओं की रक्षा ही नहीं, बल्कि खेलों के मैदान में भी देश का नाम रोशन कर सकते हैं। 27 जून को स्विट्जरलैंड के लुसर्न में आयोजित वर्ल्ड रोइंग कप स्टेज-3 में हवलदार लक्ष्य और हवलदार उज्ज्वल कुमार सिंह की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए भारत को इस प्रतियोगिता का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। दोनों ने लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स स्पर्धा में छह मिनट 26.09 सेकेंड का समय निकालकर दुनिया की दिग्गज टीमों को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि प्रतियोगिता से पहले भारतीय टीम को वीजा संबंधी बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी का मुकाबला नीदरलैंड्स और हांगकांग जैसी मजबूत टीमों

भारतीय सेना के दो हवलदारों ने रचा इतिहास

से था। रेस बेहद रोमांचक रही और अंतिम क्षणों तक विजेता तय नहीं हो पाया। आखिर में लक्ष्य और उज्ज्वल ने शानदार तालमेल और संयम दिखाते हुए बेहद मामूली अंतर से स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। यह वर्ल्ड रोइंग कप के इतिहास में भारत का पहला स्वर्ण पदक है।

इस ऐतिहासिक सफलता की कहानी आसान नहीं थी। भारतीय टीम बुल्गारिया के प्लोवदिव में होने वाले वर्ल्ड कप स्टेज-2 में हिस्सा ही नहीं ले सकी क्योंकि खिलाड़ियों के पासपोर्ट बुल्गारियाई दूतावास में अटक गए थे।

इसके बाद स्विट्जरलैंड का वीजा हासिल करने के लिए टीम के पास केवल पांच दिन बचे थे। विदेश मंत्रालय और खेल मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद समय रहते वीजा मिला और टीम स्विट्जरलैंड पहुंच सकी।

बिना किसी अंतरराष्ट्रीय रेस के सीधे वर्ल्ड कप में उतरने के बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन किया।

लक्ष्य और उज्ज्वल ने शुरुआती दौर से ही ऊर्जा बचाने की रणनीति अपनाई और आसानी से ए-फाइनल में जगह बना ली।

फाइनल में जहां नीदरलैंड्स और हांगकांग की जोड़ियां प्रति मिनट करीब 40 स्ट्रोक की गति से नाव चला रही थीं, वहीं भारतीय जोड़ी ने 36 स्ट्रोक प्रति मिनट की संतुलित लय बनाए रखी।

यही रणनीति अंत में उनकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुई और उन्होंने अंतिम क्षणों तक बढ़त बनाए रखकर स्वर्ण पदक जीत लिया।

वर्ल्ड रोइंग कप के इतिहास में भारत इससे पहले कभी स्वर्ण पदक नहीं जीत पाया था। देश की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियां 2009 में महिला लाइटवेट क्वाड्रपल स्कल्स और 2019 में पैरा रोइंग स्पर्धाओं के कांस्य पदक तक सीमित थीं। ऐसे में लक्ष्य और उज्ज्वल की यह जीत भारतीय रोइंग के लिए मील का पत्थर मानी जा रही है।

ओलंपिक स्तर पर भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दत्तू भोखनाल ने 2016 रियो ओलंपिक में किया था, जहां वह पुरुष सिंगल स्कल्स के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे।

एशियाई खेलों में भारत ने 2010 और 2018 में दो स्वर्ण पदक जीते हैं, जबकि 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में पांच पदक हासिल किए थे।

इसके बाद 2025 एशियन रोइंग चैंपियनशिप में भारत ने 10 पदक जीतकर अपनी ताकत दिखाई थी। उज्ज्वल कुमार सिंह उस टीम का भी हिस्सा थे और उन्होंने रजत पदक जीता था।

लेकिन लुसर्न में मिली यह जीत इसलिए अलग है क्योंकि पहली बार भारत ने विश्व मंच पर यूरोपीय देशों को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता है।

अंडर-15 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में भारत दूसरे स्थान पर, लड़कों के वर्ग में जीते चार स्वर्ण

पटाया (थाईलैंड), 30 जून (एजेंसियां)। अंडर-15 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के तीसरे दिन भारतीय लड़कों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चार स्वर्ण पदक जीते और पुरुषों की फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता में देश के लिए कुल आठ पदक हासिल किए। भारत ने तीसरे दिन की समाप्ति तक अंडर-15 चैंपियनशिप में कुल 21 मेडल (8 स्वर्ण, 6 रजत, 7 कांस्य) हासिल कर लिए हैं।

प्रथमेश एस पाटिल (52 किलोग्राम), नैतिक (62 किलोग्राम), केशव हर्षद चेमटे (75 किलोग्राम) और विवेक चौहान (85 किलोग्राम) ने अपने-अपने भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय टीम के लिए दिन को यादगार बनाया। चार स्वर्ण पदक के अलावा भारत ने एक रजत और तीन कांस्य पदक भी जीते, जिससे सभी आठ

प्रथमेश एस. पाटिल

भारवर्ग में पोडियम पर जगह बनाई।

फाइनल मुकाबलों में, पाटिल ने जापान के दाइची मात्सुमी के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 10-0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि चौहान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जापान के ही एक अन्य रेसलर, ताइसेई सुजुकी को 5-0 से हराया। नैतिक ने एक रोमांचक मुकाबले में उज्बेकिस्तान के इस्मोइलजोन नाजिरजोनोव को 8-6 से मात दी। चेमटे ने हाई-स्कोरिंग थ्रिलर में कजाखस्तान के येरसुल्तान सुलेमान को 11-10 से शिकस्त दी। वहीं, नितेश (57 किग्रा) को फाइनल में जापान के आइसेब घरेहदाघी के खिलाफ 2-10 से हार का सामना करने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

गौतम (41 किलोग्राम) ने हांगकांग के शू यान सुंग पर 8-0 से जीत हासिल की, वंश अहलावत (44 किलोग्राम) ने ताजिकिस्तान के योकुब दिलशोद दिलशोजोदा पर 12-4 अंकों से शानदार जीत दर्ज की, जबकि अरमान (68 किलोग्राम) ने तुर्कमेनिस्तान के इदरीस मेलेजेयेव को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 10-0 से हराकर कांस्य पदक जीता।

विंबलडन के पहले दिन डिफेंडिंग चैंपियन सिनर हारने से बचे

1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी की; 39 साल के जोकोविच की जीत से शुरुआत

लंदन, 30 जून (एजेंसियां)। लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट विंबलडन की शुरुआत हो गई है। पहले दिन डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ 1-2 से पिछड़ने के बाद लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला जीत गए।

चौथे सेट के दौरान सिनर के जूते से खून बाहर आने लगा था। मैच के बाद उन्होंने बताया कि उनके पैर के अंगूठे का नाखून उखड़ गया था, लेकिन वे दर्द के बावजूद खेलते रहे। एक समय ऐसा लग रहा था कि उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ेगा। लेकिन, इटैलियन स्टार ने हार नहीं मानी और जीत हासिल की।

महिला एकल में जापान की नाओमी ओसाका ने फ्रांस की एल्सा

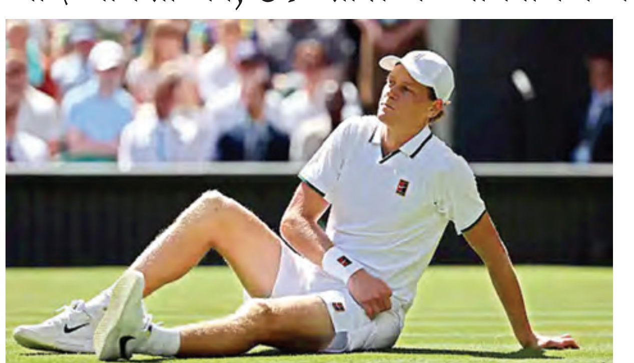

जैकमोट को 6-1, 7-5 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

25वें ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश में जुटे सर्बिया के 39 साल के नोवाक जोकोविच ने चीन के वू यिबिंग को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। हालांकि, जीत के लिए उन्हें चार सेट तक खेलना पड़ा। जोकोविच फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से हारने के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे थे। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'आज का मैच मेरे लिए वाकई चुनौतीपूर्ण था।

मैं जीत से खुश हूं, लेकिन पूरी तरह तरोताजा महसूस नहीं कर रहा हूं। सच कहूं तो कोर्ट पर ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि यह टूर्नामेंट का पहला ही दौर है।

साढ़े तीन घंटे चले इस मुकाबले में सिनर ने केकमानोविच को 4-6, 6-3, 6-7, 6-2, 6-3 से हरा दिया। जीत के बाद सिनर ने कहा- 'सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलना सम्मान की बात है। शुरुआत काफी नर्वस करने वाली थी, लेकिन मैं खुश हूं कि मैंने खुद को संभाला और मैच जीत लिया।

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने मैच जीतने के साथ-साथ फैंस का दिल भी जीता। विंबलडन के सख्त नियम (सिर्फ सफेद कपड़े पहनने की अनुमति) के बीच ओसाका पारंपरिक जापानी पोशाक 'किमोनो' स्टाइल की सफेद ड्रेस पहनकर कोर्ट पहुंचीं। कोर्ट की ओर जाते समय उनके इस फैशन स्टेटमेंट ने लोगों का ध्यान खींचा। ओसाका ने फ्रांस की एल्सा जैकमोट को 6-1, 7-5 से आसानी से मात दी।

जर्मनी फुटबॉल वर्ल्डकप से बाहर: पैराग्वे और मोरक्को पेनल्टी शूटआउट में जीते; मार्टिनेली के गोल से ब्राजील अंतिम-16 में पहुंचा

वाशिंगटन, 30 जून (एजेंसियां)। फुटबॉल वर्ल्ड कप में मंगलवार को बड़ा उलटफेर हुआ। पैराग्वे ने चार बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बाहर कर दिया। जर्मनी टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार पेनल्टी में हारी है। इससे पहले 5 बार की चैंपियन ब्राजील ने रोमांचक मुकाबले में जापान को 2-1 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह जीत 1958 में स्वीडन में जीते उसके पहले वर्ल्ड कप की सालगिरह के दिन आई। टीम 20वीं बार राउंड ऑफ-16 में पहुंची है। एक अन्य मुकाबले में मोरक्को ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया। ब्राजील अब राउंड ऑफ-16 में आइवरी कोस्ट या नॉर्वे से भिड़ेगा, जबकि पैराग्वे का मुकाबला फ्रांस और स्वीडन के विजेता से होगा। मोरक्को का मैच 4 जुलाई को कनाडा से होगा।

फॉक्सबोरो में फीफा रैंकिंग में 34वें नंबर की टीम पैराग्वे ने राउंड ऑफ 32 में 12वें नंबर की जर्मनी को कड़ी टक्कर दी। निर्धारित समय और इंजरी टाइम के बाद स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में जोस कैनाले ने पहला

सडन डेथ पेनल्टी गोल किया, जबकि गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो अहम बचाव कर टीम को जीत दिलाई।

इधर, ह्यूस्टन में ब्राजील की जीत आखिरी क्षणों में आई। दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे गैब्रियल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल कर मुकाबला खत्म होने से ठीक पहले टीम को जीत दिला दी। ब्राजील 20वीं बार राउंड ऑफ 16 में पहुंची है।

पैराग्वे ने 42वें मिनट में बढ़त बनाई। मिगेल अल्मिरोन के पास पर मातियास गालार्सा ने क्रॉस किया, जिस पर जूलियो एनसिसो ने हेडर से गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। जर्मनी ने 52वें मिनट में वापसी की। फ्लोरियन विर्ट्ज के क्रॉस पर काई हैवर्ट्ज ने हेडर से बराबरी का गोल किया। अतिरिक्त समय के 102वें मिनट में जोनाथन ताह ने कॉर्नर पर गोल किया, लेकिन वीडियो रिव्यू में वाल्डेमार एंटोन द्वारा गोलकीपर ऑरलैंडो गिल को धक्का देने की पुष्टि होने पर गोल रद्द कर दिया गया। जर्मनी ने पहले हाफ में 78% गेंद पर कब्जा रखा, लेकिन पैराग्वे की 4-5-1 रक्षात्मक रणनीति नहीं तोड़ सका। ग्रुप स्टेज में 10 गोल करने के बावजूद जर्मन टीम नॉकआउट में संघर्ष करती दिखी। जर्मनी के दिग्गज गोलकीपर मैनुअल नेयुर ने हार के बाद संन्यास ले लिया। वे 2014 की वर्ल्ड चैंपियन जर्मन टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने 124 मैच खेले हैं। उन्होंने 2017 फीफा कन्फेडरेशंस कप भी अपने नाम किया था।

मैच के बाद ऑरलैंडो गिल ने कहा, 'हमने हर खिलाड़ी और हर छोटी बात का विश्लेषण किया था। उसी की बदौलत मैं सिर्फ दो पेनल्टी मिस होने दे पाया। यह जीत पैराग्वे के सभी लोगों के लिए है।'

कौन है अक्षरा जिसे फीमेल वैभव सूर्यवंशी कहा जा रहा: 8 साल की उम्र में बल्ला उठाया

15 में ट्रिपल सेंचुरी; मां बनीं पहली कोच

खेल डेस्क, 30 जून (एजेंसियां)। पिछले कुछ महीनों में भारतीय क्रिकेट में बिहार का नाम सबसे ज्यादा वैभव सूर्यवंशी की वजह से चर्चा में रहा। महज 15 साल की उम्र में IPL 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन और टीम इंडिया के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर भी बने। लेकिन अब बिहार से एक और टीनएजर ने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चर्चा महिला क्रिकेटर की है।

नाम है अक्षरा गुप्ता। उम्र सिर्फ 15 साल। बिहार विमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी में उन्होंने महज 126 गेंदों में नाबाद 306 रन बना दिए। उनकी पारी में 55 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। 233 मिनट तक क्रीज पर टिककर उन्होंने 242.86 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने महज 16 गेंदों में अर्धशतक और 34 गेंदों में शतक पूरा कर लिया।

यह कहानी बिहार के नेपाल बॉर्डर से सटे एक छोटे से शहर रक्सौल की है, जहां न कोई बड़ी क्रिकेट अकादमी थी, न आधुनिक सुविधाएं और न ही लड़कियों के लिए क्रिकेट खेलने का

न्यूजीलैंड ने 27 साल बाद इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीती

160 रन से हराया; स्टोक्स के आखिरी मैच में इंग्लैंड 212 रन पर सिमटा

नॉटिंघम, 30 जून (एजेंसियां)। बेन स्टोक्स अपने आखिरी इंटरनेशनल मैच को जीत के साथ यादगार बनाना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। 373 रन का पीछा कर रही इंग्लैंड की दूसरी पारी 212 रन पर सिमट गई।

इसी के साथ कीवी टीम ने 27 साल बाद इंग्लैंड में कोई सीरीज जीती। टीम ने इससे पहले 1999 यह कारनामा किया था। यह न्यूजीलैंड की इंग्लैंड में 20 टेस्ट सीरीज में सिर्फ चौथी जीत है। खास बात यह रही कि टीम ने पहला टेस्ट हारने के बाद लगातार दो मुकाबले जीतकर सीरीज अपने नाम की। ऐसा उसने इंग्लैंड में दूसरी बार किया है। दूसरी ओर इंग्लैंड को 2012 के बाद पहली बार घर में तीन या उससे ज्यादा टेस्ट की सीरीज गंवानी पड़ी।

मैच का सबसे बड़ा पल बेन स्टोक्स का संन्यास था। 35 साल के ऑलराउंडर ने चौथे दिन संन्यास की घोषणा की थी। टारगेट का पीछा करते

हुए स्टोक्स ने पनिंग की और सिर्फ 20 गेंदों में 30 रन बनाकर तेज शुरुआत दी, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके।

इंग्लैंड ने अंतिम दिन 103/4 से खेलना शुरू किया, लेकिन सुबह के पहले घंटे में ही मैच हाथ से निकल गया। पहले नाथन स्मिथ ने एमिलियो गे (10) को आउट किया। इसके बाद हेनरी निकोल्स के शानदार डायरेक्ट हिट पर जो रूट (18) रन आउट हो गए।

इसके बाद न्यूजीलैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा। मिचेल सैंटनर ने गस एटकिंसन को LBW किया, जबकि दूसरे डयरेक्ट हिट पर जोश टंग रन आउट हुए। आखिर में सैंटनर ने जेमी स्मिथ (60) को आउट कर इंग्लैंड की पारी 212 रन पर समेट दी।

टॉप ऑर्डर के फ्लॉप होने के बाद विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने 60 रन की पारी खेली। उन्होंने गस एटकिंसन के साथ 75 रन जोड़कर कुछ देर मुकाबला रोके रखा, लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे। जेमी के आउट होते ही इंग्लैंड की उम्मीदें भी खत्म हो गईं।

मैच का आधार न्यूजीलैंड की पहली पारी रही। कप्तान टॉम लैथम (151) और डेवोन कॉनवे (157) ने पहले विकेट के लिए 317 रन जोड़कर इंग्लैंड के गेंदबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 438 रन बनाए। इंग्लैंड ने जवाब में 354 रन बनाए, जिससे न्यूजीलैंड को 84 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में डेरिल मिचेल (100)* और रचिन रवींद्र (94) की बदौलत टीम ने 288/9 पर पारी घोषित कर इंग्लैंड के सामने 373 रन का लक्ष्य रखा।

विंबलडन में अजीबोगरीब ड्रेस पहनकर खेलने उतरीं नाओमी ओसाका!

'किल बिल' फिल्म से था प्रेरित

लंदन, 30 जून (एजेंसियां)। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने विंबलडन 2026 के पहले दौर में अपने खेल के साथ-साथ अनोखे अंदाज से भी सभी का ध्यान खींचा। ओसाका कोर्ट पर 'किल बिल' फिल्म से प्रेरित सफेद किमोनो पहनकर उतरीं, जो उनकी जापानी संस्कृति को समर्पित था। यह खास पोशाक पारंपरिक जापानी शिरोमुकु शादी की पोशाक और एक वेडिंग ड्रेस के अपसाइकल्ड कपड़ों से तैयार की गई थी। फैशन स्टेटमेंट के बाद ओसाका ने कोर्ट पर भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फ्रांस की एल्सा जैकमो को 6-1, 7-5 से हराकर विंबलडन के दूसरे दौर में जगह बनाई।

जीत के बाद ओसाका ने बताया कि उनका किमोनो उनकी जापानी विरासत और निर्देशक क्वेंटिन टोरेंटीनो की मशहूर फिल्म 'किल बिल' से प्रेरित था। उन्होंने कहा,

'मेरे लिए मेरी जापानी विरासत बहुत मायने रखती है। विंबलडन में सभी सफेद रंग पहनते हैं, इसलिए मैंने सोचा कि किमोनो पहनकर कोर्ट पर आना शानदार रहेगा।'

गेस्ट हाउस निर्माण के लिए तिरुमला मॉडल अपनाया जाए : मुख्यमंत्री

यादगिरीगुट्टा मंदिर विकास पर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एमसीआर एचआरडी के बोधी पवेलियन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने यदागिरीगुट्टा (यादाद्री) मंदिर के विकास कार्यों को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की।

बैठक में मंदिर विकास, भूमि आवंटन नीति, गेस्ट हाउस निर्माण और पर्यटन सर्किट से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस बैठक में राज्यसभा सदस्य वेण नरेन्दर रेड्डी, सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी, कुंदूरु रघुवीर रेड्डी, सरकारी व्हिप बीरला ऐलैया, विधायक कुंभम अनिल कुमार रेड्डी, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, देवादाय (एंडोमेंट्स) विभाग के मुख्य सचिव शैलजा रामय्यर, आयुक्त एम. हनुमंत राव, वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, सीएमओ सचिव मानिक राज, ओएसडी वेमुला श्रीनिवासुलु सहित यदाद्री जिला प्रशासन और मंदिर अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि यदागिरीगुट्टा में हरे राम हरे कृष्ण फाउंडेशन के लिए भूमि बाजार दर के अनुसार आवंटित की जाए। साथ ही विभिन्न मठों और धार्मिक संस्थाओं को भूमि देने के लिए एक स्पष्ट और पारदर्शी नीति तैयार करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि कास्ट संगठनों को भूमि आवंटन के लिए भी स्पष्ट नियम बनाए जाने चाहिए, लेकिन भूमि का स्वामित्व मंदिर प्रशासन के पास ही रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि भूमि आवंटन और विकास मॉडल के लिए तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की नीति का अध्ययन किया जाए और उसी के आधार पर एक मजबूत व्यवस्था तैयार की जाए। उन्होंने पहाड़ी क्षेत्र में गेस्ट हाउस निर्माण के लिए इच्छुक संस्थाओं की सूची तैयार करने और चरणबद्ध तरीके से अनुमति देने के निर्देश दिए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि गेस्ट हाउस निर्माण के लिए तिरुमला मॉडल अपनाया जाए। भूमि अधिग्रहण के लिए तुरंत आवश्यक धनराशि जारी करने और इंजीनियरिंग समिति की रिपोर्ट का अध्ययन कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदागिरीगुट्टा मंदिर क्षेत्र में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत एक व्यापक पर्यटन सर्किट विकसित किया जाए, ताकि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके और क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।

पूर्व कृषि मंत्री का किसानों के बकाया को लेकर सरकार पर तीखा हमला

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व कृषि मंत्री सिंगिरेड्डी निरंजन रेड्डी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य सरकार पर किसानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि किसानों को मिलने वाला 'रैतूभरोसा' अब तक लंबित है और इसके तहत लगभग 30 हजार करोड़ रुपये बकाया बताए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले की सरकार में 'रैतू बंधु' की राशि किसानों के खातों में समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंच जाती थी, जिससे किसानों को स्पष्ट जानकारी रहती थी कि किस दिन कितनी जमीन के लिए कितना पैसा मिला। लेकिन वर्तमान सरकार में यह व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हुई है। सिंगिरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान किसानों को प्रति एकड़ 15,000 रुपये देने का वादा किया था, जिसे बाद में घटाकर 12,000 रुपये कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बनने के बाद कई बार रैतू भरोसा की राशि जारी नहीं की गई और किसानों को लगातार अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।

डिप्टी सीएम पवन कल्याण और देवेंद्र फडणवीस के बीच अहम बैठक

पूर्वी घाट में बाघ संरक्षण पर सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा

मुंबई/ अमरावती 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण ने मंगलवार को मुंबई स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच दोनों राज्यों के साझा हितों और विशेष रूप से वन्यजीव संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में पूर्वी घाट क्षेत्र में बाघों के संरक्षण और पुनर्वास पर विशेष जोर दिया गया। चर्चा के दौरान महाराष्ट्र द्वारा आंध्र प्रदेश को दो मादा बाघ उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर भी सहमति और विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस सहयोग को दोनों राज्यों के बीच वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूर्वी घाट क्षेत्र में मादा बाघों की कमी के कारण उत्पन्न हुई आनुवंशिक (जेनेटिक) समस्याओं को दूर करने में यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। इससे इनब्रीडिंग की समस्या कम होगी, जैव विविधता बढ़ेगी और बाघों की आबादी के दीर्घकालिक संरक्षण को मजबूती मिलेगी। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि यह संयुक्त प्रयास वैज्ञानिक वन्यजीव प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति दोनों राज्यों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे सहयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। पवन कल्याण ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार, महाराष्ट्र सरकार और केंद्र सरकार मिलकर वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन के लिए समन्वित रूप से कार्य करती रहेंगी, ताकि पूर्वी घाट में एक स्वस्थ और आत्मनिर्भर बाघ आवास प्रणाली विकसित की जा सके।

किसानों की समृद्धि ही तेलंगाना के विकास की नींव : महेश कुमार गौड़

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा है कि कांग्रेस सरकार किसानों के हितों की रक्षा और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आज कृषि कल्याण के क्षेत्र में देश के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में उभर रहा है। खरीफ सीजन 2026 के लिए 30 जून को किसानों के खातों में रैतू भरोसा निवेश सहायता राशि जारी की जा रही है, जिससे किसानों को खेती के लिए आवश्यक आर्थिक सहयोग मिलेगा। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वारंगल किसान घोषणा पत्र में जो वादे किए थे, उन्हें चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। रायथु भरोसा योजना के तहत किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की निवेश सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा सरकार द्वारा दो लाख रुपये तक की कृषि ऋण माफी लागू किए जाने से राज्य के लगभग 25 लाख किसान परिवारों को लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार ने बड़े पैमाने पर बजट आवंटित किया है। महीन धान (फाइन पैडी) पर बोनस देने के निर्णय के बाद इसकी खेती में लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, इंदिरम्मा आत्मीय भरोसा योजना के माध्यम से भूमिहीन कृषि मजदूरों को भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

किसान बीमा योजना भी पहले की तरह जारी रखते हुए खेती करने वाले परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान की जा रही है। टीपीसीसी अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि रैतू भरोसा योजना का लाभ केवल कृषि योग्य भूमि पर खेती करने वाले किसानों को ही दिया जाएगा।

सरकार का मानना है कि संशोधित दिशा-निर्देशों से सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को रोका जा सकेगा और वास्तविक किसानों तक सहायता पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद कांग्रेस सरकार किसान कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है तथा जनहितकारी योजनाओं को वित्तीय अनुशासन के साथ लागू कर रही है। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि किसानों की समृद्धि ही तेलंगाना के विकास की मजबूत नींव है और कांग्रेस सरकार किसानों के कल्याण, कृषि विकास तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

राष्ट्रपति ने कमांडेंट, एमसीईएमई को एवीएसएम उपाधि से सम्मानित किया

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह के द्वितीय चरण के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वाशने, वीएसएम, कमांडेंट, मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई) और कर्नल कमांडेंट, कोर ऑफ ईएमई को अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) प्रदान किया। यह पुरस्कार जनरल वाशने के असाधारण नेतृत्व, विशिष्ट सेवा और राष्ट्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है, साथ ही एमसीईएमई और कोर ऑफ ईएमई के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है।

एडिशनल सीईओ ने बूथ लेवल अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चल रही मतदाता गणना (एन्यूमरेशन) फॉर्म वितरण प्रक्रिया का आज निरीक्षण किया गया। इस दौरान तेलंगाना के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी (एडिशनल सीईओ) वासम वेंकटेश्वर रेड्डी ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर प्रक्रिया की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान वासम वेंकटेश्वर रेड्डी ने चार्मिनार एवं करवान विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 10, 26, 166 एवं 169 का दौरा किया। उन्होंने जमीनी स्तर पर चल रही एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण प्रक्रिया का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक घर तक जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करें तथा उन्हें भरने में आवश्यक सहायता प्रदान करें। उन्होंने मतदाताओं से भी संवाद कर चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। वासम वेंकटेश्वर रेड्डी ने मतदाताओं से अपील की कि वे भरे हुए गणना प्रपत्र केवल बीएलओ को ही सौंपें, ताकि उनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किए जा सकें। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए फील्ड स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण करने धर्माराम गांव पहुंचे मंत्री

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र के भीमदेवरपल्ली मंडल के धर्माराम गांव में चल रहे विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता गणना (एन्यूमरेशन) प्रक्रिया की प्रगति का जायजा लिया और चुनाव कर्मियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र मतदाताओं की पहचान कर निर्धारित नियमों के अनुसार संशोधन प्रक्रिया को पूरा किया जाए। इसके बाद मंत्री ने गांव में 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी सड़कों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्यभर में मतदाता सूची संशोधन अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत मतदाताओं को अपने विवरण और फोटो का पुनः सत्यापन करने का अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने मंडल और गांव के नेताओं से अपील की कि वे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कराएं ताकि कोई भी योग्य मतदाता लोकतांत्रिक प्रक्रिया से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की शिकायतें सामने आई थीं। तेलंगाना में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए पहले से सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने दावा किया कि तकनीकी कारणों से राज्य में लगभग एक करोड़ मतदाता रिकॉर्ड सत्यापन की प्रक्रिया में हैं। वर्ष 2002 की मतदाता सूची और 2025 की मतदाता सूची की तुलना करने पर बड़ी संख्या में मतदाताओं का अंतर दिखाई देता है। मंत्री ने बताया कि हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र में लगभग 61 हजार और केवल भीमदेवरपल्ली मंडल में करीब 11 हजार मतदाता ऐसे हैं जिनके विवरण सत्यापन की आवश्यकता है। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से अगले दस दिनों तक बीएलओ को पूरा सहयोग देने तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न देने का आग्रह किया। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, इंदिरम्मा आवास योजना और नए राशन कार्ड जैसी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है। उन्होंने बताया कि भीमदेवरपल्ली मंडल में लगभग छह हजार राशन कार्ड वितरित किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार तथा गरीब परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। कार्यक्रम में सरपंच, वार्ड सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंचाई परियोजनाओं की गति धीमी पड़ी : हरीश राव

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जेडचर्ला के एक हॉल में आयोजित बीआरएस पार्टी के सदस्यता अभियान और एसआईआर जागरूकता कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं बीआरएस नेता टी. हरीश राव ने राज्य सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। अपने संबोधन में उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर चुनावी वादों को पूरा न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों से किए गए वादे जैसे ऋण माफी, रैतू बंधु और फसल बोनस अभी तक पूरी तरह लागू नहीं हुए हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उस समय कृषि क्षेत्र के लिए 24 घंटे मुफ्त बिजली, रैतू बंधु, रैतू बीमा और सिंचाई परियोजनाओं ने किसानों को बड़ी राहत दी थी। हरीश राव ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में सिंचाई परियोजनाओं की गति धीमी हो गई है और विभिन्न वर्गों किसानों, छात्रों, पिछड़े वर्ग, दलितों और वरिष्ठ नागरिकों को योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे गांव-गांव जाकर सरकार की नीतियों और विफलताओं को जनता तक पहुंचाएं तथा संगठन को मजबूत कर आगामी चुनावों में बीआरएस की वापसी सुनिश्चित करें।

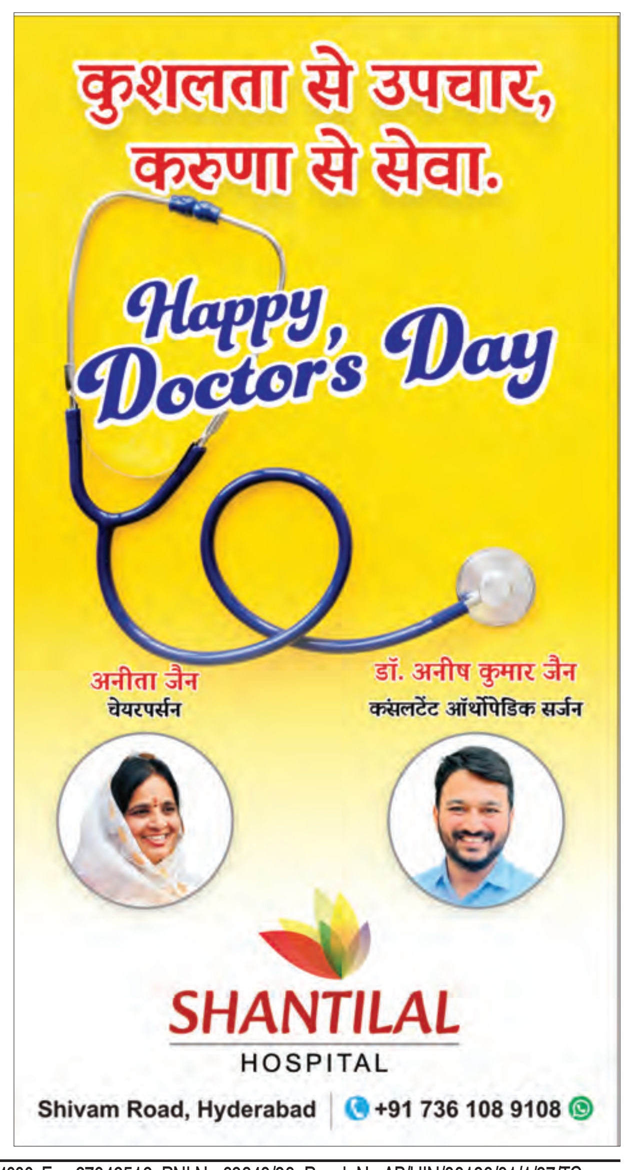

तेलंगाना में मानसून की रफ्तार धीमी

15 जिलों में बारिश में कमी दर्ज, हैदराबाद में सामान्य वर्षा

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून के शुरू होने के एक महीने बाद तेलंगाना में सामान्य से थोड़ी कम वर्षा दर्ज की गई है। राज्य के 15 जिलों में बारिश की कमी पाई गई है, जबकि हैदराबाद में लगभग सामान्य वर्षा दर्ज की गई है। तेलंगाना राज्य विकास योजना समिति (टीएसडीपीएस) के वर्षा आंकड़ों के अनुसार, 1 जून से 29 जून के बीच राज्य में कुल 113 मिमी (11.3 सेमी) वर्षा हुई, जबकि सामान्य वर्षा 124.6 मिमी (12.46 सेमी) मानी जाती है। यह आंकड़ा सामान्य श्रेणी के भीतर आता है, लेकिन औसत से थोड़ा कम है।

हैदराबाद में इस अवधि के दौरान 103.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि सामान्य औसत 104.4 मिमी है, जो लगभग सामान्य स्थिति को दर्शाता है। वहीं मेडचल-मलकाजगिरी जिले में स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर रही, जहां सामान्य 104 मिमी के मुकाबले केवल 63 मिमी वर्षा दर्ज की गई। ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में रंगारेड्डी जिले ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जहां 141.3 मिमी वर्षा दर्ज हुई, जो इसकी सामान्य 93.3 मिमी वर्षा से काफी अधिक है। टीएसडीपीएस के अनुसार जिले में 14 दिन बारिश दर्ज की गई, यानी लगभग हर दूसरे दिन वर्षा हुई। विकाराबाद में 105.9 मिमी वर्षा दर्ज हुई, जो सामान्य 110.1 मिमी के लगभग बराबर है, जबकि संगारेड्डी में 124.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य 115.5 मिमी से अधिक है। हालांकि मानसून की शुरूआत कुछ क्षेत्रों में धीमी रही, लेकिन राज्यव्यापी संचयी वर्षा पिछले वर्ष की तुलना में सुधार दर्शाती है। जून 2026 में 113 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 की समान अवधि में दर्ज 93.7 मिमी वर्षा की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत अधिक है। जिलावार आंकड़ों के अनुसार रंगारेड्डी, नलगोंडा, सूर्यापेट, नगरकर्नूल और खम्मम में वर्षा अधिक दर्ज की गई है। मुलुगु, संगारेड्डी, महबूबनगर, हैदराबाद, विकाराबाद, भद्राद्री कोत्तागुडेम सहित कई जिले सामान्य श्रेणी में रहे।

पूर्व मुख्य सचिव पीवी रमेश का एक्स अकाउंट हैक

साइबर क्राइम पुलिस ने जांच शुरू

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व विशेष मुख्य सचिव पीवी रमेश साइबर हमले का शिकार हो गए हैं, उनका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट कथित तौर पर हैक कर लिया गया है। इस घटना के बाद साइबर सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। जुबली हिल्स निवासी पीवी रमेश ने आरोप लगाया कि उनका एक्स अकाउंट हैक कर लिया गया और उसके माध्यम से अनधिकृत पोस्ट भी किए गए। उन्होंने बताया कि उन्हें संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सुरक्षा अलर्ट ईमेल प्राप्त हुए थे, जिसके बाद उन्होंने तुरंत अपने अकाउंट का पासवर्ड बदल दिया, लेकिन इसके बावजूद अनधिकृत पहुंच की आशंका बनी रही। मामले की शिकायत के आधार पर हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अकाउंट को किस तरीके से हैक किया गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं।

डॉ. जगन्नाथ नायक को एमएसएस के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार

हैदराबाद, 30 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में वरिष्ठ वैज्ञानिक पद पर बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। अत्यंत प्रतिष्ठित वैज्ञानिक जगन्नाथ नायक को मिसाइल्स एंड स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स (डीजीएमएसएस) के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जगन्नाथ नायक यह जिम्मेदारी 1 जुलाई से संभालेंगे। यह नियुक्ति पूर्व महानिदेशक यू. राजा बाबू के सेवानिवृत्त होने के बाद की गई है। वर्तमान में जगन्नाथ नायक हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर हाई एनर्जी सिस्टम्स एंड साइंसेज के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें रक्षा अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में 35 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त है। डीआरडीओ के अनुसार, उन्होंने भारत के पहले डायरेक्टेड एनर्जी वेपन सिस्टम के विकास, परीक्षण और तकनीक हस्तांतरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा वे फाइबर ऑप्टिक गायरो आधारित गाइडेंस तकनीक के प्रमुख आर्किटेक्ट माने जाते हैं, जिसका उपयोग आकाश मिसाइल प्रणाली सहित विभिन्न रक्षा प्लेटफॉर्मों में किया जा रहा है। जगन्नाथ नायक ने आईआईएससी बेंगलुरू से इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में एम.एस. और पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। वे कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से जुड़े रहे हैं और 125 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित कर चुके हैं। उन्हें आर्यभट्ट पुरस्कार, राष्ट्रीय वैमानिकी पुरस्कार, डीआरडीओ अग्नि पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.